ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 5 जून 2024
वर्ष 5, अंक 199, पृष्ठ 18
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

www.amritvichar.com

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण अखबार

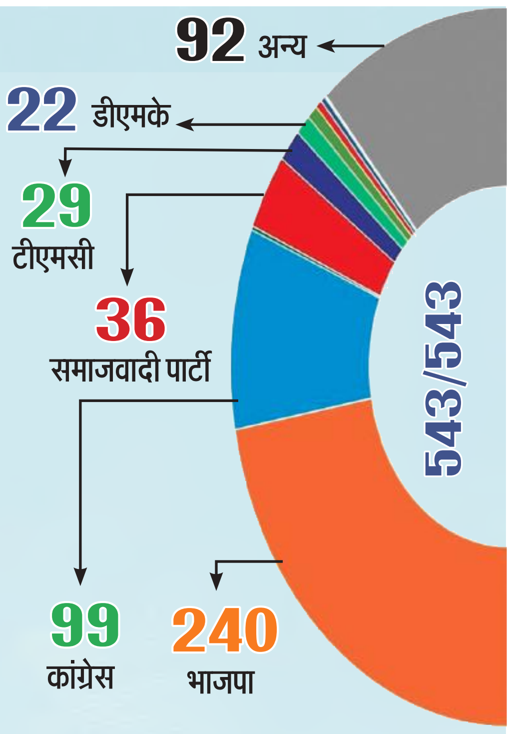

फिर से... मोदी

- कई राज्यों में सीटें घटीं पर सरकार बरकरार
- लगातार तीसरी बार सत्ता में आएगी एनडीए

291 सीटों पर राजग

235 सीटों पर इंडी गठबंधन

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार बनने जा रही है। मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। 18वीं लोकसभा चुनाव के नतीजे लगभग साफ हो गए हैं। 542 सीटों में से एनडीए को 291, इंडी गठबंधन को 235 सीटें मिल रही हैं। भाजपा 272 के बहुमत आंकड़े को पार नहीं कर पाई, लेकिन एनडीए को बहुमत मिल गया है। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, राजस्थान समेत कई राज्यों में भाजपा को पिछले चुनाव के मुकाबले नुकसान पहुंचा। नतीजे सामने आने के बाद अब सरकार बनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। एनडीए बुधवार को सरकार बनाने का दावा पेश कर सकती है। उसने अपने घटकदलों की बुधवार को बैठक बुलाई है। पीएम ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार और टीडीपी नेता चंद्रबाबू नायडू को फोन कर बैठक के लिए बुलाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को ही केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक भी बुलाई है। मोदी की अध्यक्षता में होने वाली ये बैठक आम चुनाव के नतीजे घोषित होने के एक दिन बाद पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे शुरू होगी। मोदी ने लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर ये बैठक बुलाई है और इसमें 17वीं लोकसभा को भंग करने की सिफारिश किए जाने की संभावना है, जिसका कार्यकाल 16 जून को समाप्त हो रहा है।

तीसरे कार्यकाल में हर तरह के भ्रष्टाचार को उखाड़ फेकेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

चुनाव परिणामों में एनडीए को बहुमत मिलने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि तीसरे कार्यकाल में राजग सरकार देश में बड़े फैसलों का नया अध्याय लिखेगी। मोदी मंगलवार रात भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय पहुंचे जहां कार्यकर्ताओं ने उनका अभिनंदन किया। प्रधानमंत्री ने अपने तीसरे कार्यकाल की प्राथमिकताओं का खुलासा करते हुए कहा, तीसरे कार्यकाल में देश बड़े फैसलों का एक नया अध्याय लिखेगा और ये मोदी की गारंटी है। राजग सरकार की प्रतिबद्धता समाज के हर क्षेत्र और हर वर्ग के विकास की रही है। 10 वर्ष में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है।...हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक गरीबी देश के अतीत का हिस्सा ना हो जाये।

उन्होंने कहा भारत को 21 वीं के एक मजबूत स्तंभ बनाने के लिए भ्रष्टाचार पर लगातार तेज प्रहार करने होंगे। डिजिटल इंडिया और तकनीक ने भ्रष्टाचार के रास्ते को बंद कर दिया है। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई दिनों दिन कठिन होती जा रही है। लोग निर्लज्जता से भ्रष्टाचार का बचाव कर रहे हैं। तीसरे कार्यकाल में राजग की सरकार हर तरह के भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंकने का काम करेगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इसे भाजपा एवं राजग के लिए एक बड़ी और गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि 1962 के बाद पहली बार कोई सरकार, दो कार्यकाल के बाद लगातार तीसरी बार वापस आयी है। यही नहीं, लोकसभा चुनाव के साथ ही अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा, आंध्रप्रदेश और सिक्किम के विधानसभा चुनावों में चारों राज्यों में राजग की सरकारें पूर्ण बहुमत प्राप्त करके आयीं हैं और वहां कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। उन्होंने कहा, छह दशक बाद, देश के मतदाताओं ने एक नया इतिहास रचा है, छह दशक बाद किसी गठबंधन को, राजग को लगातार तीसरी बार देश की सेवा करने का अवसर दिया है।

उन्होंने कहा यह पल, निजी तौर पर मेरे लिए भी भावुक करने वाला पल है। मेरी मां के जाने के बाद ये मेरा पहला चुनाव था, लेकिन सच मानिए देश की कोटि-कोटि माताओं-बहनों-बेटियों ने मां की कमी मुझे खलने नहीं दी। मोदी ने कहा, हमारे विरोधी एकजुट होकर भी उतनी सीटें नहीं जीत पाए, जितनी इस लोकसभा चुनाव में अकेले बीजेपी ने जीती है। अगर आप (देशवासी) 10 घंटे काम करेंगे तो मोदी 18 घंटे काम करेगा, आप दो कदम चलेंगे तो मोदी चार कदम चलेगा। हम भारतीय मिलकर चलेंगे, देश को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने महिलाओं और युवाओं के लिए रोज़गार स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ाने तथा किसानों को हर प्रकार से आत्मनिर्भर बनाने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि आने वाला युग हरित युग होगा। इस मौके पर भाजपा के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह मौजूद थे।

- तीसरे कार्यकाल की प्राथमिकताओं का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया खुलासा

उप्र: केंद्र के इन मंत्रियों के हिस्से में हार

प्रत्याशी: अजय मिश्र टेनी
केंद्रीय गृह राज्य मंत्री
सीट: लखीमपुर खीरी
मतों से हारे
34,329

प्रत्याशी: स्मृति ईरानी
मंत्री
सीट: अमेठी
मतों से हारे
1,67,196

प्रत्याशी: महेंद्र नाथ पांडेय
मंत्री
सीट: चंदौली
मतों से हारे
21,565

प्रत्याशी: कौशल किशोर
मंत्री
सीट: मोहनलालगंज
मतों से हारे
70,292

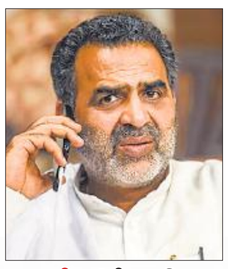

प्रत्याशी: संजीव बालियान
मंत्री
सीट: मुजफ्फरनगर
मतों से हारे
24,672

272
सीटें चाहिए होती हैं पूर्ण बहुमत हासिल करने के लिए

प्रदेश में 33 सीट ही हासिल कर सकी भारतीय जनता पार्टी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में सपा ने अखिलेश यादव की कमान में वापसी कर राजनीतिक पंडितों को हैरान कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता और भाजपा द्वारा राम मंदिर निर्माण का श्रेय लेने के बावजूद सपा का शानदार चुनावी प्रदर्शन जमीनी स्तर पर अखिलेश की लोकप्रियता और उनकी राजनीतिक सूझबूझ को दर्शाता है। प्रदेश में सपा ने 37 सीटें जीत ली जबकि उसकी सहयोगी कांग्रेस ने भी छह सीट पर जीत दर्ज की है। सपा की स्थापना के बाद लोकसभा चुनावों में यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 2019 में बसपा से गठबंधन के बावजूद सिर्फ पांच सीटें जीतने वाली सपा ने अकेले परिवार में ही पांच सीटें हासिल कर ली हैं। 2019 में 62 सीट पर जीत हासिल करने वाली भाजपा इस बार उप्र में 33 सीटों पर जीत हासिल कर पाई।

देश मोदी को नहीं चाहता : राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि इंडी गठबंधन से बाहर के दलों के संपर्क करने और सरकार गठन के प्रयासों से जुड़ी कवायद के बारे में कोई भी फैसला घटक दल मिलकर करेंगे। उन्होंने कहा कि गठबंधन की बैठक होगी, जिसमें फैसला होगा।

राहुल ने कहा कि चुनाव में देश की जनता ने साफ संदेश दिया है कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को नहीं चाहती। राहुल ने सरकार गठन के लिए नीतीश और चंद्रबाबू नायडू जैसे नेताओं के संपर्क किए जाने से जुड़े सवाल पर कहा, हम उम्मीद करते हैं कि इंडी गठबंधन की कल बैठक होगी। उनका कहना था, यह चुनाव हमें भाजपा के साथ ही सीबीआई, ईडी, आयकर विभाग समेत हिंदुस्तान की कई संस्थाओं और आधी न्यायपालिका के खिलाफ भी लड़ना पड़ा। नरेन्द्र मोदी और अमित शाह ने संस्थाओं को डराया और धमकाया। लड़ाई संविधान को बचाने की थी और संविधान बचाने में गरीबों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जब मोदी सरकार ने हमारे बैंक खाते फ्रीज किए, मुख्यमंत्रियों को जेल में डाला, पार्टियां तोड़ी तो मेरे दिमाग में था कि हिंदुस्तान की जनता अपने संविधान के लिए एकजुट होकर लड़ जाएगी। ये बात सच साबित हुई। राहुल गांधी ने कहा, गठबंधन के इस चुनावी परिणाम के पीछे संविधान, आरक्षण और गरीबी जैसे मुद्दे रहे हैं।

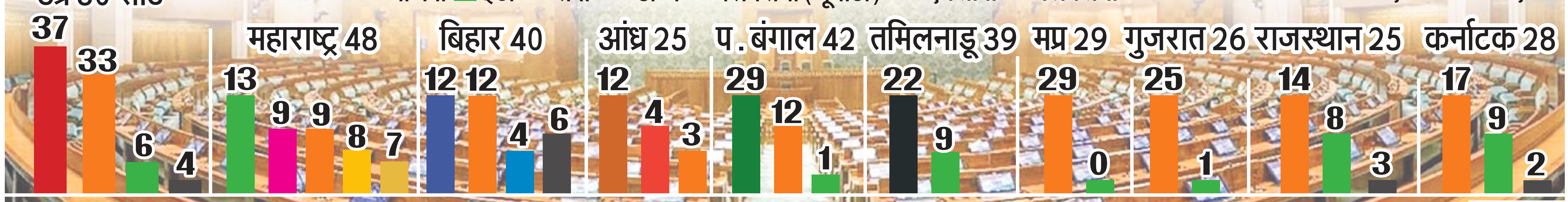

प्रस्तुति: विनय सैनी

लोकसभा चुनाव जनता का **फैसला**

राज्यों में भाजपा का क्लीन स्वीप

4	7	5	29
हिमाचल	दिल्ली	उत्तराखंड	मध्य प्रदेश

जीत का सेहरा

सीट : गुना (मप्र)
प्रत्याशी : ज्योतिरादित्य
जीत : 5.4 लाख मत

सीट : हमीरपुर (हिमाचल)
प्रत्याशी : अनुराग ठाकुर
जीत : 1,82,357 मत

सीट : कैसरगंज (उप्र)
प्रत्याशी : करण भूषण
जीत : 1,48,843 मत

सीट : नगीना (उप्र)
प्रत्याशी : चंद्रशेखर
जीत : 1,51,473 मत

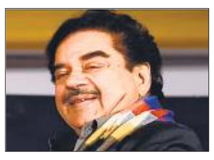
सीट : आसनसोल (बंगाल)
प्रत्याशी : शत्रुघ्न सिन्हा
जीत : 59,564 मत

सीट : मंडी (हिमाचल)
प्रत्याशी : कंगना रनौत
जीत : 74,755 मत

सीट : मेरठ (उप्र)
प्रत्याशी : अरुण गोविल
जीत : 10,585 मत

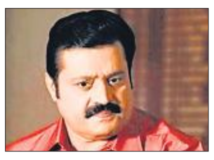
सीट : त्रिशूर (केरल)
प्रत्याशी : सुरेश गोपी
जीत : 74,686 मत

सीट : गोरखपुर (उप्र)
प्रत्याशी : रवि किशन
जीत : 1,03,526 मत

सीट : पीलीभीत (उप्र)
प्रत्याशी : जितिन प्रसाद
जीत : 1,66,575 मत

सीट : खीरी (उप्र)
प्रत्याशी : उत्कर्ष वर्मा
जीत : 34, 329 मत

सीट : मुजफ्फरनगर (उप्र)
प्रत्याशी : हरेंद्र मलिक
जीत : 24,672 मत

सीट : उधमपुर (जम्मू)
प्रत्याशी : जितेंद्र सिंह
जीत : 1,24,373 मत

सीट : हैदराबाद
प्रत्याशी : ओवैसी
जीत : 3,38,087 मत

सीट : वडोदरा (गुजरात)
प्रत्याशी : हेमंग जोशी
जीत : 5.82 लाख मत

सीट : सिरसा (हरियाणा)
प्रत्याशी : कुमारी शैलजा
जीत : 2.67 लाख मत

सीट : उधमसिंह नगर
प्रत्याशी : अजय भट्ट
जीत : 3.26 लाख मत

सीट : मथुरा (उप्र)
प्रत्याशी : हेमा मालिनी
जीत : 2,93,407 मत

सीट : गया (बिहार)
प्रत्याशी : जीतन राम
जीत : 1,01,812 मत

सीट : अजमेर (राजस्थान)
प्रत्याशी : भागीरथ चौधरी
जीत : 3,29,991 मत

सीट : त्रिपुरा
प्रत्याशी : कृति देवी देबबर्मन
जीत : 4,86,819 मत

मतगणना की आंधी में उड़ गए एक्जिट पोल

संवाददाता, बरेली

- रुझानों में भाजपा को 360 सीट और एनडीए को 400+ का किया था दावा
- 300 पार के लिए तरस गई एनडीए विपक्ष को तगड़ा फायदा

अमृत विचार : सातवें चरण के मतदान के बाद एनडीए के पक्ष में एक्जिट पोल की आंधी मतगणना के साथ ही ढह गई। बड़े मीडिया हाउस और एजेंसियों के एग्जिट पोल्स में एनडीए गठबंधन को 400 से ज्यादा सीटें और भाजपा को 370 सीट के साथ बहुमत में दिखाया गया था। मतगणना के बाद आए रुझान ने पूरी कहानी ही पलट दी। अब भाजपा को लोकसभा में बहुमत बनाए रखने के लिए तेलुगू देशम पार्टी, जनता दल (यूनाइटेड) और एकनाथ शिंदे की शिवसेना जैसे अपने सहयोगियों पर बहुत हद तक निर्भर रहना पड़ेगा।

इस लोकसभा चुनाव में 400 पार एनडीए सरकार का नारा देने वाली मोदी सरकार मंगलवार को हुई मतगणना में 300 पार के लिए तरस गई। मध्य प्रदेश और गुजरात को छोड़ दें तो भाजपा को सबसे बड़ा नुकसान उत्तर प्रदेश में उठाना पड़ा। वहीं महाराष्ट्र में भी विपक्षी गठबंधन का प्रदर्शन शानदार रहा, यहां भी भाजपा एक्जिट पोल्स के रुझानों में आगे थी।

पिछले चुनाव के नतीजे में बहुमत में थी भाजपा : 2019 के चुनाव नतीजे जब सामने आए थे तो भाजपा लगातार दूसरी बार खुद के दम पर सत्ता में आई। भाजपा ने सबसे ज्यादा 303 सीटें जीतीं। इसके बाद कांग्रेस को महज 52 सीटों पर जीत मिली थी। इसके अलावा तृणमूल कांग्रेस के 22 सांसद, बसपा के 10, भाकपा के 2, माकपा के 3 और एनसीपी के 5 सांसद जीते थे। इसके अलावा अन्य सीटें एनडीए गठबंधन के हिस्से में पहुंची थी।

दावों से उलट इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन

मतगणना के बाद आए रुझान में इंडिया गठबंधन को मिली बढ़त ने सभी को भौचक्का कर दिया। मतगणना से पूर्व के रुझानों में 130 से कम सीटों को दिखाया गया था, लेकिन वास्तविक में 230 से ज्यादा पार कर गई। 100 से अधिक सीटें इंडिया गठबंधन के लिए माइलस्टोन की तरह काम करेगा। गठबंधन 9 जून तक सरकार बनाने का दवा यदि पेश नहीं कर पाया तो भी लोकसभा में मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाएगा।

उत्तर प्रदेश ने बढ़ाई भाजपा की टेंशन

वर्तमान में मोदी सरकार के लिए सबसे बड़ी टेंशन इस समय उत्तर प्रदेश की कम सीटें बन गई हैं। एक्जिट पोल्स में एनडीए को 400 पार की सबसे बड़ी बढ़त उत्तर प्रदेश राज्य में दिखाई गई थी। यहां 80 में से 72 सीटों का दावा किया गया था, लेकिन 36 सीटों पर सिमट गई। ऐसे में भाजपा को अन्य राज्यों के घटक दलों पर निर्भर रह कर सरकार चलानी पड़गी। 2019 के चुनाव में बीजेपी की अगुवाई वाली एनडीए ने 64 सीटों पर जीत हासिल की थी। वहीं, गठबंधन में बसपा ने 10 और सपा ने 5 सीटों पर जीत हासिल की थी।

सात राज्यों में भाजपा को भारी नुकसान

उप्र, महाराष्ट्र, बिहार, पं. बंगाल, कर्नाटक, हरियाणा, राजस्थान में कम सीटें

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के मत की गिनती आज सुबह आठ बजे से शुरू होने के साथ ही आए परिणाम ने भाजपा की परेशानी को बढ़ा दिया है। राजग को उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पंजाब, लद्दाख, पंश्चिम बंगाल, कर्नाटक, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों में भाजपा की अपेक्षा से कम सीटें आई हैं। कांग्रेस और उसकी इंडिया गठबंधन के दमदार प्रदर्शन ने सभी को चौका दिया है। साथ ही सरकार बनाने के लिए 272 सीटों की जरूरत होती है। लेकिन कई राज्यों में निराशजन प्रदर्शन के बाद भी राजग सरकार बनाने की ओर अग्रसर है।

उत्तर प्रदेश में सपा तो पश्चिम बंगाल में टीएमसी ने भाजपा को काफी नुकसान पहुंचाया है। जहां भाजपा ने हिमाचल, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और गुजरात की सभी सीटों पर जीत दर्ज की है, वहीं हरियाणा और महाराष्ट्र में उसको काफी नुकसान हुआ है। भाजपा सबसे ज्यादा बेहतर परिणाम की आशा प. बंगाल से थी पर ममता बनर्जी ने यह साबित किया की वह बंगाल में भाजपा पर भारी पड़ेंगी। 2019 के चुनाव में भाजपा ने इन सभी राज्यों में बेहतर प्रदर्शन किया था और इस बार भी सबसे ज्यादा सीटों के आने की उम्मीद भी भाजपा को इन्हीं राज्यों से थी।

लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लिए निराशाजनक साबित हुए हैं। उत्तर प्रदेश, हरियाणा पंजाब, पश्चिम बंगाल जैसे कई प्रमुख राज्यों में उसकी करारी हार हुई है। भाजपा को उत्तर प्रदेश में 30, बिहार में 9, पंजाब में 2, कर्नाटक में 9, लेह की एक सीट, पश्चित बंगाल में 6 हरियाणा में 5 और महाराष्ट्र में 23 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है वहीं, कांग्रेस ने पिछली वार की अपेक्षा अच्छा प्रदर्शन किया है और यूपी में कांगेस में 6 सीटों पर जीत दर्ज की, साथ ही सपा ने भी 38 सीटें जीती है। महाराष्ट्र में कांग्रेस ने 13, शिवसेना ने 7 सीटों पर जीत दर्ज कर भाजपा को नुकसान पहुंचाया है। बिहार में भी कांग्रेस को तीन सीटें मिली है और राजद ने चार सीटों पर जीत दर्ज की है। कर्नाटक में कांग्रेस को नौ और पंश्चिम बंगाल में एक सीट मिली है।

बंगाल से भाजपा को काफी उम्मीद थी पर टीएमसी ने 29 सीटों पर जीत दर्ज कर इस पर पानी फेर दिया। वहीं हरियाणा में भी कांग्रेस ने पांच सीट जीतकर भाजपा को पांच सीट पर ही समेट दिया जबकि पिछली बार भाजपा ने यहां की सभी 10 सीटों पर जीत दर्ज की थी। राजस्थान में भी भाजपा को दस सीटों का नुकसान हुआ है जहां भाजपा को केवल 14 सीटों पर ही जीत मिल सकी है और कांग्रेस को 8 और अन्य को तीन सीटें मिली हैं।

वहीं भाजपा ने उत्तराखंड की पांच लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज कर ली है। केरल के त्रिपुर में भी भाजपा ने अपना खाला खोल दिया है। साथ ही मध्य प्रदेश की 29 सीटों पर भाजपा ने एकतरफा जीत दर्ज की है। साथ ही भाजपा ने असम में 9 छत्तीसगढ़ में 10, दिल्ली की सातों सीटों के साथ ही गुजरात में 26 मेंसे 25, हिमाचल की चार पर जीत दर्ज की है। इसी के साथ ही कई छोटे राज्यों में भी भाजपा को कोई खास सफलता हाथ नहीं लग सकी है।

इन राज्यों में नुकसान

उत्तर प्रदेश-80	
भाजपा	33 (-29)
सपा	37 (+32)
कांग्रेस	6 (+5)
रालोद	2
अन्य	2

कर्नाटक-28	
कांग्रेस	9 (+8)
भाजपा	17 (-8)
जेडीएस	2

राजस्थान-25	
भाजपा	14 (-10)
कांग्रेस	+8
अन्य	3

हरियाणा -10	
भाजपा	5 (-5)
कांग्रेस	5 (+5)

महाराष्ट्र-48	
भाजपा	10 (-13)
कांग्रेस	13 (+12)
शिवसेना	7
एनसीपी	1
अन्य	17

प. बंगाल-42	
टीएमसी	29(+7)
भाजपा	12 (-6)
कांग्रेस	1 (-1)

बिहार-40	
भाजपा	12 (-5)
राजद	+4
जदयू	12 (-4)
कांग्रेस	3 (+2)
अन्य	9

5 नेताओं ने तोड़े रिकॉर्ड, इंदौर के लालवानी आगे

- शंकर लालवानी 11.72 लाख मतों से जीते अमित शाह, शिवराज सिंह चौहान और सीआर पाटिल भी बड़े अंतर से जीते

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा के चार उम्मीदवारों सहित कम से कम पांच राजनेताओं ने जीत के अंतर के सभी रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया। इंदौर के मौजूदा सांसद शंकर लालवनी ने 11.72 लाख मतों से जीत दर्ज की। गृह मंत्री अमित शाह, मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और भाजपा नेता सीआर पाटिल मतगणना के अंतिम दौर में सात लाख से ज्यादा मत से जीते हैं।

असम के धुबरी से कांग्रेस के रकीबुल हुसैन 7.36 लाख मतों से जीते। सबसे ज्यादा अंतर से जीत का रिकॉर्ड भाजपा के प्रीतम मुंडे के नाम था, जिन्होंने अक्टूबर 2014 में महाराष्ट्र की बीड सीट पर हुए उपचुनाव में 6.96 लाख से ज्यादा मत पाए थे। विदिशा से शिवराज सिंह चौहान 7.96 लाख से ज्यादा मतों से जीते। अमित शाह गांधीनगर सीट पर 7.37 लाख, जबकि उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मध्य प्रदेश की गुना सीट से 5.4 लाख से अधिक मतों से जीते हैं। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब त्रिपुरा पश्चिम सीट से 6 लाख से अधिक मतों से जीते, जबकि भाजपा के कृति देव देबबर्मन ने त्रिपुरा पूर्व निर्वाचन क्षेत्र में 4.86 लाख से अधिक मतों से जीत दर्ज की। भाजपा के हेमंग जोशी भी वडोदरा से 5.82 लाख से अधिक मतों से विजयी रहें। कांग्रेस के अमासहायम रघुराम रेड्डी खम्मम से 4.59 लाख, भाजपा के एटला राजेंद्र मलकानगिरी से 3.81 लाख, अजय भट्ट नैनीताल-उधमसिंह नगर से 3.26 लाख से अधिक मतों से जीते हैं। रायपुर से भाजपा के बृजमोहन अग्रवाल 4.43 लाख मतों से विजयी हुए। नोएडा से पार्टी उम्मीदवार महेश शर्मा 5.57 लाख मतों से विजयी हुए हैं। हरियाणा में कांग्रेस की कुमारी शैलजा और दीपेंद्र सिंह हुड्डा सिरसा और रोहतक से क्रमशः 2.67 लाख और 3.01 लाख मतों से विजयी हुए।

इंदौर में नोटा को 2,18,674 मत

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर में नोटा ने सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर डाले। विजेता उम्मीदवार के बाद नोटा को 218674 वोट मिले। यहां भाजपा प्रत्याशी शंकर ललवानी ने पौने 12 लाख मतों के अंतर से जीत हासिल की है। ललवानी ने 11 लाख 75 हजार 92 मतों से अपने निकटतम प्रत्याशी को शिकस्त दी है। हालांकि इंदौर सीट से इस बार कांग्रेस का कोई अधिकृत प्रत्याशी नहीं होने के कारण यहां उनका मुकाबला बहुजन समाज पार्टी के संजय सोलंकी से था, जिन्हें ललवानी ने हराया। यहां से नोटा को भी 218674 मत प्राप्त हुए। असल में यहां कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय कांति बम पे नामांकन वापस ले लिया था, इस बात से नाराज कांग्रेस ने यहां के लोगों से नोटा का बटन दबाने की अपील की थी।

सियासत केंद्रीय मंत्रियों में स्मृति, डॉ . महेंद्र नाथ पांडेय, बालियान, निरंजन ज्योति, भानू प्रताप वर्मा, टेनी और कौशल किशोर जबकि राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह और जयवीर सिंह हारे

मोदी–योगी के कई मंत्री पराजित, अयोध्या भी हारी भाजपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- केन्द्र के सात और राज्य सरकार के दो मंत्री चुनाव हार गए

लोकसभा फैजाबाद (अयोध्या)	
गठबंधन के अवधेश प्रसाद	554289
भाजपा के लल्लू सिंह	499722
बसपा के सच्चिदानंद पांडेय	46407
कम्युनिस्ट पार्टी के अरविंद सेन	15367

अमृत विचार: राजनीतिक हलकों में भले कहा जाता हो कि दिल्ली की कुर्सी का रास्ता उप्र. से हो कर जाता है लेकिन इस बार चुनाव में तो यहां कई मंत्रियों ने भी अपनी सांसदी गंवा दी। देश को चौंकाने वाले उप्र. की लोस सीट के परिणामों में चुनाव लड़ रहे 12 केंद्रीय मंत्रियों में से सात मंत्री और राज्य सरकार के दो मंत्री चुनाव हार गए। इस बार भाजपा से जनता का ऐसा मोहभंग हुआ कि चुनाव के दौरान चर्चा में रहे अयोध्या में भव्य राम मंदिर को सहेजने वाली अयोध्या सीट से भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह को सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद ने चुनाव हरा दिया है।

हारने वाले केंद्रीय मंत्रियों की तो इस सूची में स्मृति ईरानी, डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, संजीव वालियान, साध्वी निरंजन ज्योति, भानू प्रताप वर्मा, अजय मिश्रा टेनी और कौशल किशोर के नाम शामिल हैं। जबकि राज्य सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह और जयवीर सिंह भी चुनाव हार गए हैं। भाजपा के अन्य दिग्गज नेताओं में पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी (सुल्तानपुर), भोजपुरी अभिनेता दिनेश लाल यादव निरहुआ (आजमगढ़), महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री कृपाशंकर सिंह (जौनपुर), पूर्व पीएम चंद्रशेखर के पुत्र नीरज शेखर (बलिया), मंत्री व निषाद पार्टी के अध्यक्ष डा. संजय निषाद के पुत्र प्रवीण निषाद (संत कबीर नगर), मंत्री व सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के पुत्र अरविंद राजभर (घोसी) जैसे बड़े नेता भी चुनाव हार गए।

अयोध्या : आस्था व विकास पर भारी पड़ा जातीय समीकरण

राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या

- नहीं लुभा पाया वैश्विक पर्यटन नगरी का आकर्षण, सामान्य सीट से दलित विधायक जीता

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव में अयोध्या से राजनीति के नए ट्रेड का संकेत है। आस्था और विकास, जातीय समीकरण में उलझ गए। वैश्विक पर्यटन नगरी का आकर्षण भी मतदाताओं को आकर्षित नहीं कर पाया। परिणाम ये रहा कि भाजपा को मुंह की खानी पड़ी। अयोध्या राजनीति की प्रयोगशाला के तौर पर देखी जाती है। भाजपा को ऊर्जा अयोध्या से मिलती रही है तो सपा और बसपा ने भी अयोध्या में प्रयोगों के जरिए सियासत से सत्ता की सीढ़ी चढ़ी। तीनों दलों ने अलग-अलग चुनाव में सोशल इजीनियरिंग का प्रयोग भी यहीं किया। सपा ने एकदम नया प्रयोग किया। सामान्य सीट से सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र मिल्कीपुर के विधायक अवधेश प्रसाद को मैदान में भेजा। प्रसाद, पासी बिरादरी से आते हैं। बिरादरी के साथ अन्य वोटों के ध्रुवीकरण से उन्होंने भाजपा की नाक रही अयोध्या की सीट छीन ली।

अयोध्या केवल भाजपा का गढ़ नहीं रही है बल्कि अयोध्या को आस्था और विकास के नजरिए से भी देखा जाता है। राम मंदिर पर फैसला आने से रामलला की प्राण प्रतिष्ठा तक आस्था की तरंगे पूरे देश में यहां से फैलती रहीं। प्रदेश में अयोध्या से ज्यादा विकास शायद कहीं किया गया हो, कुछ इससे प्रभावित हुए तो लाभ बहुतों को हुआ। इंटरनेशनल एयरपोर्ट से हाईवे तक। आधुनिक सुविधाओं युक्त भव्य रेलवे स्टेशन से अच्छी ट्रेनों के साथ राम मंदिर निर्माण और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा। कई हजार करोड़ की परियोजनाएं और लोगों को योजनाओं के लाभ। सब एक ओर रह गए और जातीय सियासत दूसरी ओर। लोकसभा चुनाव में जातीय सियासत इसलिए भी कि साल 2019 का चुनाव सपा-बसपा ने यहां ने एक साथ मिलकर लड़ा था, लेकिन जीत नहीं पाई। भाजपा 65 हजार वोट से चुनाव जीत गई थी। गठबंधन के प्रत्याशी को 4 .63 लाख वोट मिले। तब प्रत्याशी आनंद सेन यादव थे। वह अन्य पिछड़ा वर्ग से थे। इस चुनाव में अनुसूचित जाति के सपा प्रत्याशी के पक्ष में पहले से ज्यादा ध्रुवीकरण हुआ। इसका कारण प्रत्याशी का पासी बिरादरी से होना माना जा रहा है। सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद ने भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह पर 56 हजार से ज्यादा वोटों से बढ़त बना ली। फैजाबाद की पांच विधानसभा क्षेत्र में चार में जातीय समीकरण का प्रभाव देखा गया। जातीय राजनीति का असर अयोध्या ही नहीं, फैजाबाद मंडल के सभी सीटों पर रहा है। अयोध्या के पड़ोस में अमेठी की तस्वीर को छोड़ दिया जाए तो अंबेडकरनगर, बाराबंकी, सुल्तानपुर में इसका साफ असर है। इन सीटों के जीते प्रत्याशियों की जाति और जातीय समीकरण इसी ओर इशारा करते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो मंडल ही नहीं पूरे प्रदेश में सपा ने जातीय राजनीति के जरिए चुनावी फतह पर काम किया। लोकसभावार ज्यादातर प्रत्याशियों का चयन ही जातीय समीकरण के आधार पर किया गया।

हार का दर्द

सीट : खूंटी (झारखंड)
प्रत्याशी : अर्जुन मुंडा
हारे : 1.49 लाख मत

सीट : मथुरा (उप्र)
प्रत्याशी : मुकेश धनगर
हारे : 2,93,407 मत

सीट : हैदराबाद
प्रत्याशी : माधवी लता
हारे : 3,38,087 मत

सीट : गाजियाबाद (उप्र)
प्रत्याशी : डॉली शर्मा
हारे : 3.36 लाख मत

सीट : अनंतनाग (कश्मीर)
प्रत्याशी : महबूबा मुफ्ती
हारे : 2,81,794 मत

सीट : रामपुर (उप्र)
प्रत्याशी : घनश्याम लोधी
हारे : 87,434 मत

सीट : आजमगढ़ (उप्र)
प्रत्याशी : दिनेश लाल यादव
हारे : 1,61,035 मत

सीट : राजगढ़ (मध्यप्रदेश)
प्रत्याशी : दिग्विजय सिंह
हारे : 1.46 लाख मत

सीट : फतेहपुर (उप्र)
प्रत्याशी : निरंजन ज्योति
हारे : 35 हजार मत

सीट : जालौन (उप्र)
प्रत्याशी : भानू प्रताप वर्मा
हारे : 53,898 मत

सीट : घोसी (उप्र)
प्रत्याशी : अरविंद राजभर
हारे : 1,62,943 मत

सीट : रायबरेली (उप्र)
प्रत्याशी : दिनेश प्रताप सिंह
हारे : 3,90,030 मत

सीट : सुल्तानपुर (उप्र)
प्रत्याशी : मेनका गांधी
हारे : 40 हजार मत

सीट : बलिया (उप्र)
प्रत्याशी : नीरज शेखर
हारे : 43,384 मत

जद (एस) से निलंबित प्रज्वल हासन से हारा

बेंगलुरु। महिलाओं के यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहा जनता दल-सेक्युलर जद(एस) से निलंबित नेता एवं हासन का सांसद प्रज्वल रेवन्ना मंगलवार को अपनी सीट नहीं बचा सका और 42,649 मतों के अंतर से हार गया। इस सीट पर कांग्रेस के श्रेयस एम पटेल विजेता रहे। प्रज्वल को 6,30,339 वोट मिले, जबकि पटेल को 6,72,988 वोट मिले।

जद (एस) के संरक्षक एवं पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल (33) ने राजग उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। 26 अप्रैल को हासन में चुनाव होने के बाद प्रज्वल के खिलाफ महिलाओं के यौन शोषण के आरोप लगाए जाने के बाद जद (एस) ने उसे पार्टी से निलंबित कर दिया था। वह फिलहाल मामलों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) की हिरासत में है।

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 5 जून 2024
वर्ष 5, अंक 199, पृष्ठ 18
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

मिशन विश्वकप का आगाज करेगी टीम इंडिया 15
पिता बने वरुण, पत्नी नताशा ने दिया बेटी को जन्म 16

राजग को बहुमत, 9 को मोदी ले सकते हैं शपथ

सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी भाजपा, सहयोगी दलों के सहारे फिर बनेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा चुनाव के अब तक आए नतीजों के मुताबिक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भले ही बहुमत (272 सीट) से दूर नजर आ रही है लेकिन वह सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरने की ओर अग्रसर है। हालांकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के अपने सहयोगियों की बदौलत उसकी फिर से सरकार बनने जा रही है। राजग की सीटों का आंकड़ा 300 सीटों के करीब पहुंचता दिख रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राजग की नई सरकार का 9 जून को शपथ ग्रहण कार्यक्रम हो सकता है। दरअसल, राष्ट्रपति भवन की ओर से एक बयान जारी किया गया है जिसके मुताबिक राष्ट्रपति भवन का सर्किट-1 बुधवार (5 जून) से लेकर 9 जून तक आम जनता के लिए बंद रहेगा। इस दौरान राष्ट्रपति भवन में नई सरकार के शपथ ग्रहण की तैयारियां की जाएंगी।

नई दिल्ली भाजपा मुख्यालय में समर्थकों का अभिवादन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा। ● एजेंसी

लोकसभा चुनावों के लिए मतों की गिनती जैसे-जैसे आगे बढ़ी, रुझानों में स्पष्ट होता चला गया कि सत्तारूढ़ गठबंधन उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर रहा है और एग्जिट पोल के अनुमान भी गलत साबित हो रहे हैं। अब तक के रूझान और नतीजे इसकी भी तस्दीक कर रहे हैं कि किसी एक दल को बहुमत देने के पिछले एक दशक के जनादेश में बदलाव आया है और एक बार फिर देश की राजनीति में गठबंधन युग की वापसी हो रही है। रात 12 बजे तक के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक भाजपा 240 सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी थी। हालांकि 543 सदस्यों वाली लोकसभा में बहुमत के लिए आवश्यक 272 के जादुई आंकड़े से वह पीछे है। राजग 291 सीटों पर विजय हासिल कर चुका है। वहीं दूसरी ओर 'इंडिया' गठबंधन को 235 सीटें मिली हैं। कांग्रेस 99 सीटें अपने खाते में दर्ज करा चुकी है। 29 सीटें तृणमूल कांग्रेस को मिली हैं। डीएमके को 22 सीटें हासिल हुईं हैं। 92 सीटों पर अन्य दलों ने कब्जा किया। पिछले चुनाव में भाजपा के पास 303 जबकि राजग के पास 350 से अधिक सीटें थीं। नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बनते हैं तो लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में वह जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। लेकिन यह पहली बार होगा जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (73) राजनीति में आने के बाद से, सरकार में अपने सहयोगियों पर निर्भर होंगे। हालांकि मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल की घोषणा की है।

भाजपा को इस चुनाव में उत्तर प्रदेश में में खासा झटका लगा है जहां समाजवादी पार्टी ने उसे पीछे छोड़ दिया है। उत्तर प्रदेश में सपा को 36 और भाजपा को 33 सीटें हासिल हुई हैं। चुनाव आयोग ने 16 मार्च को लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की थी। कुल सात चरणों में 19 अप्रैल से 1 जून तक मतदान संपन्न हुआ। 1952 के बाद 44 दिन का यह चुनाव सबसे लंबा रहा, 1952 में यह 4 महीने चला था।

नई ऊर्जा, नए संकल्पों के साथ हम आगे बढ़ेंगे : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की लगातार तीसरी बार जीत को ऐतिहासिक पल बताया है और इसके लिए देश की जनता के प्रति आभार जताया। मोदी ने कहा है कि गठबंधन देश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नई ताकत से काम करेगा। प्रधानमंत्री ने 18वीं लोकसभा के परिणामों और रुझानों के बीच मंगलवार शाम एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि देश की जनता-जनार्दन ने एनडीए पर लगातार तीसरी बार अपना विश्वास जताया है। भारत के इतिहास में ये एक अभूतपूर्व पल है। मैं इस स्नेह और आशीर्वाद के लिए अपने परिजनों को नमन करता हूं। मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हम नई ऊर्जा, नई उमंग, नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ेंगे। सभी कार्यकर्ताओं ने जिस समर्पण भाव से अथक मेहनत की है, मैं इसके लिए उनका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं, अभिनंदन करता हूं।

आंध्र प्रदेश में अब राजग सरकार, तेदेपा कार्यालय में जश्न

विधानसभा चुनाव

अमरावती, एजेंसी

आंध्र प्रदेश में अपने चुनाव पूर्व सहयोगियों जनसेना और भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाने के लिए तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) ने बहुमत प्राप्त कर लिया है। मंगलवार को राज्यभर में पार्टी के कार्यालयों में खुशियां मनाई जाने लगीं।

निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, तेदेपा ने 135 विधानसभा सीट पर जीत हासिल की है। जबकि जनसेना पार्टी ने 21 सीट पर जीत दर्ज कराई। वहीं, भाजपा ने 8 विधानसभा सीट पर अपना परचम लहराया। सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस महज 11 सीटों पर जीत पाई। गुंटूर लोकसभा सीट से तेदेपा प्रत्याशी पी चंद्रशेखर ने संवाददाताओं से कहा कि इतिहास फिर से लिखा गया है। राजग सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे के तहत तेदेपा ने 144 विधानसभा सीट पर, जबकि भाजपा ने 10 सीट, जनसेना ने 21 सीट पर चुनाव लड़ा। आंध्र में विधानसभा की कुल 175 सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए 74 सीटों की आवश्यकता होती है जिसे राजग गठबंधन ने प्राप्त कर लिया।

तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू को जीत की बधाई देते भाजपा नेता सिद्धार्थ सिंह।

ओडिशा में भाजपा को बहुमत, पटनायक राज खत्म

भुवनेश्वर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ओडिशा की 147-सदस्यीय विधानसभा में 78 सीट जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल कर लिया है। भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार भाजपा ने 78 सीट जीत ली हैं। ओडिशा में वर्ष 2000 से सत्तारूढ़ बीजद को विधानसभा में इस बार 51 सीट मिली हैं। जबकि 4 सीटों पर अन्य दलों का कब्जा हुआ। कांग्रेस को 14 सीट से संतोष करना पड़ा है। ओडिशा में 2019 में हुए विधानसभा चुनाव में बीजद ने 113 सीट पर जीत दर्ज की थी, जबकि भाजपा और कांग्रेस के खाते में क्रमश: 23 एवं नौ सीट गई थीं। इस तरह 24 साल से सत्ता पर काबिज नवीन पटनायक सरकार का एकछत्र राज खत्म हो गया है।

आंध्र के राज्यपाल ने जगन का इस्तीफा किया स्वीकार

अमरावती। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस अब्दुल नजीर ने मंगलवार को मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी का इस्तीफा स्वीकार कर लिया और उनसे नई सरकार के गठन तक पद पर बने रहने का अनुरोध किया। राज्यपाल के विशेष मुख्य सचिव अनिल कुमार सिंघल ने बताया कि नजीर ने मंगलवार को रेड्डी का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। सिंघल ने कहा कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया है।

बरेली सीट पर छत्रपाल का कब्जा भाजपा से फिसला आंवला-बदायूं

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव 2024 में बरेली मंडल की आंवला और बदायूं सीट भाजपा के हाथ से फिसल गई। कड़े मुकाबले में सपा ने ये दोनों सीटें भाजपा से छीन लीं। आंवला में धर्मेंद्र कश्यप को नीरज मौर्य ने सिर्फ 15,969 और बदायूं में दुर्विजय सिंह शाक्य को आदित्य यादव ने 35,067 वोटों से हराया। पीलीभीत, बरेली और शाहजहांपुर सीट पर भाजपा ने कब्जा बरकरार रखा। हालांकि प्रतिष्ठापूर्ण जीत पीलीभीत में ही हुई जहां जितिन प्रसाद 1,64,935 वोटों के अंतर से जीते।

बरेली संसदीय सीट के लिए भाजपा और सपा के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। पहली बार लोकसभा चुनाव लड़े भाजपा के प्रत्याशी छत्रपाल गंगवार को 5,67,127 वोट मिले और उन्होंने सपा प्रत्याशी प्रवीण सिंह ऐरन को 34804 वोटों से हराया। ऐरन को 5,32,323 वोट मिले। आंवला में सपा प्रत्याशी नीरज मौर्य को 4,92,515 वोट मिले और उन्होंने दो बार से सांसद भाजपा के धर्मेंद्र कश्यप को 15,969 वोटों के अंतर से हराया। बसपा प्रत्याशी आबिद अली 95,630 वोट पाकर तीसरे स्थान पर रहे।

पीलीभीत सीट पर भाजपा प्रत्याशी जितिन प्रसाद ने मंडल में 1,64,935 वोटों के सर्वाधिक अंतर से सपा के भगवत सरन गंगवार को हराया। जितिन को 6,07,158 और भगवत सरन को 4,42,223 वोट मिले। बसपा के अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू जमानत भी नहीं बचा सके। उन्हें 88,697 वोट ही मिल पाए। शाहजहांपुर में भाजपा ने लगातार तीसरी बार परचम लहराया। पार्टी के अरुण सागर ने सपा की ज्योत्सना गोंड को 55,521 वोटों से हराया। अरुण को 5,92,227 और ज्योत्सना को 5,36,706 वोट मिले। अरुण लगातार दूसरी बार जीते हैं। बसपा के दोदराम वर्मा को 91 हजार 688 वोट मिले। सपा का गढ़ कहे जाने वाले बदायूं सीट का चुनाव दिलचस्प रहा। सपा के आदित्य यादव ने भाजपा के दुर्विजय सिंह शाक्य को कांटे की टक्कर में 35,067 वोटों से हराकर यह सीट दोबारा पार्टी की झोली में डाल दी। वरिष्ठ सपा नेता शिवपाल सिंह यादव के बेटे आदित्य को 5,01,390 और दुर्विजय को 4,66,323 वोट मिले। बसपा के मुस्लिम खान 97,686 वोट लेकर तीसरे नंबर पर रहे। 2019 के चुनाव में भाजपा की संघमित्रा मौर्य ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव को हराकर सपा से यह सीट छीनी थी।

छत्रपाल गंगवार

जितिन प्रसाद

अरुण सागर

लोस चुनाव

- पीलीभीत से जीते जितिन प्रसाद और शाहजहांपुर में अरुण सागर ने पार्टी की प्रतिष्ठा बरकरार रखी

आदित्य यादव

नीरज मौर्य

एटा-कासगंज : 27611 वोटों से जीते सपा प्रत्याशी देवेश शाक्य

कासगंज। एटा-कासगंज लोकसभा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के पुत्र राजवीर सिंह को समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी देवेश शाक्य ने 27611 वोटों से हरा दिया। देवेश को 473675 वोट मिले जबकि पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के पुत्र राजवीर सिंह (राजू भैया) को 446064 मत प्राप्त हुए।

सफल रहा गठबंधन, दो लड़कों की जोड़ी हिट

- राहुल गांधी का चल गया खटाखट वाला दांव और अखिलेश यादव की पीडीए चाल

अजय दयाल, लखनऊ

अमृत विचार : पिछले चार चुनावों (विधानसभा और लोकसभा) में गठबंधन का असफल प्रयोग कर चुके समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के गठबंधन का प्रयोग इस बार सफल रहा। अखिलेश और राहुल गांधी यानी दो लड़कों की जोड़ी भी हिट हो गई जबकि सत्तासीन दल (भाजपा) ने इस जोड़ी को असफल करार देने में कोई कसर नहीं छोड़ रखी थी।

लोकसभा चुनाव 2024 के परिणामों और रुझानों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में सपा को लगभग 36 तो वहीं कांग्रेस को छह सीटें मिलीं। कांग्रेस उप्र. से 17 सीटों पर चुनाव लड़ी थी जबकि सपा एक सीट टीएमसी को देकर कुल 63 सीट पर लड़ी। दरअसल, उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों पर सबकी निगाहें टिकी हुई थीं। पिछले दो आम चुनावों में मुकाबला एकतरफा रहा था। दोनों में भाजपा ने प्रचंड जीत हासिल की थी। 2014 में भाजपा ने 71 सीटें तो 2019 में 62 सीटों पर जीत हासिल की, लेकिन इस बार के चुनाव में भाजपा काफी पिछड़ गई और विपक्षी गठबंधन मजबूत स्थिति में आ गया। साल 2017 के विधानसभा चुनाव में पहली बार जब राहुल और अखिलेश की जोड़ी सामने आई तो एक नारा खूब चला- यूपी को ये साथ पसंद है। मगर उस चुनाव में जनता ने दोनों की जोड़ी को नकार दिया था। उस वक्त जब सपा और कांग्रेस ने मिलकर चुनाव लड़ा तो 60 सीटें भी नहीं जीत सके। उसी वक्त अखिलेश और राहुल गांधी की जोड़ी को यूपी के लड़के कहा जाने लगा था।

बहरहाल, एक बार फिर उत्तर प्रदेश में दोनों की जोड़ी ने भाजपा और मोदी की गारंटी का सामना करने के लिए साथ आना तय किया और इस बार जनता के दिलो-दिमाग पर छा गए। दोनों ने मिलकर राजनीतिक गणित साधी। राहुल गांधी का जनता के सामने खटाखट वाला दांव और अखिलेश यादव की पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक की रणनीति काम कर गई। स्वार्थ का गठबंधन करने का आरोप झेलते हुए भी सपा और कांग्रेस ने सकारात्मक मुद्दों के साथ चुनाव प्रचार किया और खटाखट सीटें हासिल करने में सफल रहे।

निवेशकों के डूबे 31 लाख करोड़

मुंबई, एजेंसी

लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ भाजपा नेतृत्व वाले राजग को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के रूझानों से निराश निवेशकों की बिकवाली से शेयर बाजार में आज भूचाल आ गया और सेंसेक्स एवं निफ्टी में करीब छह फीसदी की गिरावट दर्ज की गई जिससे निवेशकों के 31 लाख करोड़ रुपये से अधिक डूब गए।

आम चुनाव के एक्जिट पोल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 400 सीटों के करीब बताया गया था लेकिन मतगणना में भाजपा को 244 सीटें और राजग को करीब 300 सीटें मिलने के रूझान से निवेशक हताश हो गए और जमकर बिकवाली की जिसके कारण बाजार में भूचाल आ गया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 4389.73 अंक टूटकर 72079.05 अंक पर तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 1379.40 अंक उतरकर 21884.50 अंक पर रहा। दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली का असर छोटी और मझौली कंपनियों पर पड़ा और बीएसई का मिडकैप 8.07 प्रतिशत फिसलकर 40788.10 अंक पर और स्मॉलकैप 6.79 फीसद गिरकर 44958.48 अंक पर रहा। इस बिकवाली से बीएसई का बाजार पूंजीकरण गिरकर 39483705.27 करोड़ रुपये पर आ गया। पिछले दिवस यह 42591511.54 करोड़ रुपये पर रहा था। इस तरह से निवेशकों के आज 3107806.27 करोड़ रुपये डूब गए।

मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी के परिणाम घोषित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को बताया कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट (स्नातक) के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। एनटीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नतीजे घोषित कर दिए गए हैं, अभ्यर्थी वेबसाइट पर अपने परिणाम देख सकते हैं। सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले अभ्यर्थियों का विवरण भी शीघ्र ही उपलब्ध होगा। इस वर्ष राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) के लिए रिकॉर्ड 23 लाख अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें 10 लाख से ज्यादा पुरुष, 13 लाख से अधिक महिलाएं और 24 थर्ड जेंडर श्रेणी के उम्मीदवार शामिल हैं।

उप्र. में भाजपा के मिशन 80 को लगा करारा झटका

लगातार पांचवीं बड़ी जीत से चूकी पार्टी, राम मंदिर मुद्दे का नहीं मिला फायदा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : इस बार के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को करारा झटका लगा है। यह झटका करारा इसलिए कि पार्टी का न तो मिशन 80 पूरा हुआ और न ही उत्तर प्रदेश में ऐतिहासिक राम मंदिर निर्माण (अयोध्या) की उपलब्धि भाजपा के खाते में आई।

अगर ऐसा होता तो भाजपा राज्य में लगभग 33 सीट जीतने के बजाय कम से कम 70 सीटों के आसपास पा जाती। उत्तर प्रदेश में दो बार विधानसभा और दो बार लोकसभा चुनाव जीत चुकी भाजपा इस बार अपनी पांचवीं प्रचंड जीत से चूक गई।

मतगणना के दौरान वीरान नजर आया लखनऊ स्थित भाजपा कार्यालय।

दरअसल, पिछले दो लोकसभा चुनाव में शानदार नतीजे के बाद खासकर उत्तर प्रदेश में भाजपा अपने बुलंद हौसलों के साथ थी। राम मंदिर की शुरुआत और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद तो ऐसा लग रहा था कि पार्टी राज्य में क्लीन स्वीप करेगी। लेकिन इसे अतिआत्मविश्वास कहें या जनता की नब्ज पकड़ लेने की गलतफहमी, भाजपा नाकाम साबित हुई। पार्टी को लगा कि हिंदुत्व और राम मंदिर का मुद्दा उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ा है। लेकिन विपक्ष के गठजोड़ और सामाजिक समीकरण साधने की रणनीति के आगे भाजपा कमजोर साबित हुई।

गौर करने वाली बात यह है कि लोकसभा चुनाव घोषित हो जाने के बावजूद सपा और कांग्रेस में सीटों के बंटवारे को लेकर सहमति नहीं बन पा रही थी। सत्तासीन दल के नेताओं ने इस पर तफरीह भी ली कि हम यहां प्रचार में उतर गए और विपक्ष सीट बंटवारे में ही उलझा है। इसके बाद भी जिस तरह ऐन चुनाव से पहले सपा और कांग्रेस में सीटों पर सहमति बनी और नामांकन के आखिरी दिन तक उम्मीदवारों को बदलने का सिलसिला रहा, उससे अच्छा संदेश तो नहीं गया लेकिन अब परिणाम चौंकाने वाले सामने आए हैं। इधर, भाजपा के आत्मविश्वास के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी थी तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कुशल प्रशासक वाली छवि। डबल इंजन की इस जोड़ी के बूते भाजपा पिछले चुनावों की तरह इस बार भी बड़े बहुमत को लेकर आश्वस्त थी, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और निकली।

लोकसभा चुनाव जनता का फैसला (यूपी)

सीट	अंतर	1 (विजेता)	कुल मिले मत	2	कुल मिले मत
सहारनपुर (1)	+64542	1 : इमरान मसूद (कांग्रेस)	547967	2 : राघव लखनपाल (भाजपा)	483425
कैराना (2)	+69116	1 : इकरा चौधरी (सपा)	528013	2 : प्रदीप कुमार (भाजपा)	458897
मुजफ्फरनगर (3)	+24672	1 : हरेन्द्र मलिक (सपा)	470721	2 : संजीव बलियान (भाजपा)	446049
बिजनौर (4)	+37508	1 : चंदन चौहान (भाजपा+)	404493	2 : दीपक सैनी (सपा)	366985
नगीना (5)	+151473	1 : चंद्रशेखर (आसपा)	512552	2 : ओम कुमार (भाजपा)	361079
मुरादाबाद (6)	+105762	1 : रुचि वीरा (सपा)	637363	2 : कुंवर सर्वेश सिंह (भाजपा)	531601
रामपुर (7)	+87434	1 : मोहिबुल्लाह नदवी (सपा)	481503	2 : घनश्याम सिंह लोधी (भाजपा)	394069
सम्भल (8)	+121494	1 : जियाउररहमान (सपा)	571161	2 : परमेश्वर लाल सैनी (भाजपा)	449667
अमरोहा (9)	+28670	1 : कंवर सिंह तंवर (भाजपा)	476506	2 : दानिश अली (कांग्रेस)	447836
मेरठ (10)	+10585	1 : अरुण गोविल (भाजपा)	546469	2 : सुनीता वर्मा (सपा)	535884
बागपत (11)	+159459	1 : राजकुमार सांगवान (भाजपा+)	488967	2 : अमरपाल (सपा)	329508
गाजियाबाद (12)	+336965	1 : अतुल गर्ग (भाजपा)	854170	2 : डॉली शर्मा (कांग्रेस)	517205
गौतम बुद्ध नगर (13)	+559472	1 : डॉ. महेश शर्मा (भाजपा)	857829	2 : महेन्द्र सिंह नागर (सपा)	298357
बुलंदशहर (14)	+275134	1 : डॉ. भोला सिंह (भाजपा)	597310	2 : शिवराम (कांग्रेस)	322176
अलीगढ़ (15)	+15647	1 : सतीश गौतम (भाजपा)	501834	2 : बिजेंद्र सिंह (सपा)	486187
हाथरस (16)	+247318	1 : अनूप वाल्मिकी (भाजपा)	554746	2 : जसवीर वाल्मिकी (सपा)	307428
मथुरा (17)	+293407	1 : हेमा मालिनी (भाजपा)	510064	2 : मुकेश धनगर (कांग्रेस)	216657
आगरा (18)	+271294	1 : एसपी सिंह बघेल (भाजपा)	599397	2 : सुरेश चंद कर्दम (सपा)	328103
फतेहपुर सीकरी (19)	+43405	1 : राजकुमार चाहर (भाजपा)	445657	2 : राम नाथ सिकरवार (कांग्रेस)	402252
फिरोजाबाद (20)	+89312	1 : अक्षय यादव (सपा)	543037	2 : विश्वदीप सिंह (भाजपा)	453725
मैनपुरी (21)	+221639	1 : डिंपल यादव (सपा)	598526	2 : जयवीर सिंह (भाजपा)	376887
एटा (22)	+28052	1 : देवेश शाक्य (सपा)	475808	2 : राजवीर सिंह (भाजपा)	447756
बदायूं (23)	+34991	1 : आदित्य यादव (सपा)	501855	2 : दुर्विजय सिंह शाक्य (भाजपा)	466864
आंवला (24)	+15969	1 : नीरज मौर्य (सपा)	492515	2 : धर्मेंद्र कश्यप (भाजपा)	476546
बरेली (25)	+34804	1 : छत्रपाल सिंह गंगवार (भाजपा)	567127	2 : प्रवीण सिंह एरन (सपा)	532323
पीलीभीत (26)	+164935	1 : जितिन प्रसाद (भाजपा)	607158	2 : भगवत सरन गंगवार (सपा)	442223
शाहजहांपुर (27)	+55379	1 : अरुण कुमार सागर (भाजपा)	592718	2 : ज्योत्सना गोंड (सपा)	537339
खीरी (28)	+34329	1 : उत्कर्ष वर्मा 'मधुर' (सपा)	557365	2 : अजय मिश्र (टेनी) (भाजपा)	523036
धौरहरा (29)	+4449	1 : आनंद भदौरिया (सपा)	443743	2 : रेखा वर्मा (भाजपा)	439294
सीतापुर (30)	+89641	1 : राकेश राठौर (कांग्रेस)	531138	2 : राजेश वर्मा (भाजपा)	441497
हरदोई (31)	+27856	1 : जय प्रकाश रावत (भाजपा)	486798	2 : उषा वर्मा (सपा)	458942
मिश्रिख (32)	+33406	1 : अशोक कुमार रावत (भाजपा)	475016	2 : संगीता राजवंशी (सपा)	441610
उन्नाव (33)	+35818	1 : साक्षी महाराज (भाजपा)	616133	2 : अनु टंडन (सपा)	580315
मोहनलालगंज (34)	+70292	1 : आरके चौधरी (सपा)	667869	2 : कौशल किशोर (भाजपा)	597577
लखनऊ (35)	+135159	1 : राजनाथ सिंह (भाजपा)	612709	2 : रविदास मेहरोत्रा (सपा)	477550
रायबरेली (36)	+390030	1 : राहुल गांधी (कांग्रेस)	687649 वोट	2 : दिनेश प्रताप सिंह (भाजपा)	297619
अमेठी (37)	+167196	1 : केएल शर्मा (कांग्रेस)	539228	2 : स्मृति इरानी (भाजपा)	372032
सुल्तानपुर (38)	+43174	1 : राम भुआल निषाद (सपा)	444330	2 : मेनका गांधी (भाजपा)	401156
प्रतापगढ़ (39)	+66206	1 : एसपी सिंह पटेल (सपा)	441932	2 : संगम लाल गुप्ता (भाजपा)	375726
फर्रुखाबाद (40)	+2678	1 : मुकेश राजपूत (भाजपा)	487963	2 : डॉ नवल किशोर शाक्य (सपा)	485285
इटावा (41)	+58419	1 : जितेंद्र दोहरे (सपा)	490747	2 : रामशंकर कठेरिया (भाजपा)	432328
कन्नौज (42)	+170922	1 : अखिलेश यादव (सपा)	642292 वोट	2 : सुब्रत पाठक (भाजपा)	471370
कानपुर (43)	+20968	1 : रमेश अवस्थी (भाजपा)	443055	2 : आलोक मिश्रा (कांग्रेस)	422087
अकबरपुर (44)	+44345	1 : देवेंद्र सिंह भोले (भाजपा)	517423	2 : राजाराम पाल (सपा)	473078
जालौन (45)	+53898	1 : नारायण दास अहिरवार (सपा)	530180	2 : भानु प्रताप वर्मा (भाजपा)	476282
झांसी (46)	+102614	1 : अनुराग शर्मा (भाजपा)	690316	2 : प्रदीप जैन 'आदित्य' (कांग्रेस)	587702
हमीरपुर-महोबा (47)	+2629	1 : अजेन्द्र सिंह लोधी (सपा)	490683	2 : पुष्पेंद्र चंदेल (भाजपा)	488054
बांदा (48)	+71210	1 : कृष्णा देवी पटेल (सपा)	406567	2 : आरके सिंह पटेल (भाजपा)	335357
फतेहपुर (49)	+33199	1 : नरेश उत्तम पटेल (सपा)	500328	2 : निरंजन ज्योति (भाजपा)	467129
कौशाम्बी (50)	+103944	1 : पुष्पराज सरोज (सपा)	509787	2 : विनोद सोनकर (भाजपा)	405843
फूलपुर (51)	+4332	1 : प्रवीण पटेल (भाजपा)	452600	2 : अमरनाथ मौर्या (सपा)	448268
इलाहाबाद (52)	+58795	1 : उज्जवल रमण सिंह (कांग्रेस)	462145	2 : नीरज त्रिपाठी (भाजपा)	403350
बाराबंकी (53)	+215704	1 : तनुज पुनिया (कांग्रेस)	719927	2 : राजरानी रावत (भाजपा)	504223
फैजाबाद (54)	+54567	1 : अवधेश प्रसाद (सपा)	554289	2 : लल्लू सिंह (भाजपा)	499722
अम्बेडकरनगर (55)	+137247	1 : लालजी वर्मा (सपा)	544959	2 : रितेश पांडेय (भाजपा)	407712
बहराइच (56)	+64227	1 : आनंद कुमार गोंड (भाजपा)	518802	2 : रमेश चंद्र (सपा)	454575
कैसरगंज (57)	+148843	1 : करण भूषण सिंह (भाजपा)	571263	2 : भगत राम (सपा)	422420
श्रावस्ती (58)	+76673	1 : राम शिरोमणि वर्मा (सपा)	511055	2 : साकेत मिश्रा (भाजपा)	434382
गोंडा (59)	+46224	1 : कीर्तिवर्धन सिंह (भाजपा)	474258	2 : श्रेया वर्मा (सपा)	428034
डुमरियागंज (60)	+42728	1 : जगदंबिका पाल (भाजपा)	463303	2 : भीष्म शंकर तिवारी (सपा)	420575
बस्ती (61)	+100994	1 : रामप्रसाद चौधरी (सपा)	527005	2 : हरीश द्विवेदी (भाजपा)	426011
सन्त कबीर नगर (62)	+92170	1 : लक्ष्मीकांत पप्पू निषाद (सपा)	498695	2 : प्रवीण निषाद (भाजपा)	406525
महाराजगंज (63)	+35451	1 : पंकज चौधरी (भाजपा)	591310	2 : वीरेंद्र चौधरी (कांग्रेस)	555859
गोरखपुर (64)	+103526	1 : रवि किशन (भाजपा)	585834	2 : काजल निषाद (सपा)	482308
कुशीनगर (65)	+81790	1 : विजय कुमार दुबे (भाजपा)	516345	2 : अजय प्रताप सिंह (सपा)	434555
देवरिया (66)	+34842	1 : शशांक मणि त्रिपाठी (भाजपा)	504541	2 : अखिलेश प्रताप सिंह (कांग्रेस)	469699
बांसगांव (67)	+3150	1 : कमलेश पासवान (भाजपा)	428693	2 : सदल प्रसाद (कांग्रेस)	425543
लालगंज (68)	+115023	1 : दरोगा प्रसाद सरोज (सपा)	439959	2 : नीलम सोनकर (भाजपा)	324936
आजमगढ़ (69)	+161035	1 : धर्मेंद्र यादव (सपा)	508239 वोट	1 : दिनेश यादव निरहुआ (भाजपा)	347204
घोसी (70)	+162943	1 : राजीव राय (सपा)	503131	2 : अरविंद राजभर (सुभासपा)	340188
सलेमपुर (71)	+3573	1 : रमाशंकर राजभर (सपा)	405472	2 : रवींद्र कुशवाहा (भाजपा)	401899
बलिया (72)	+43384	1 : सनातन पांडेय (सपा)	467068	2 : नीरज शेखर (भाजपा)	423684
जौनपुर (73)	+99335	1 : बाबू सिंह कुशवाहा (सपा)	509130	2 : कृपा शंकर सिंह (भाजपा)	409795
मछलीशहर (74)	+35850	1 : प्रिया सरोज (सपा)	451292	2 : बीपी सरोज (भाजपा)	415442
गाजीपुर (75)	+124861	1 : अफजाल अंसारी (सपा)	539912	2 : पारस नाथ राय (भाजपा)	415051
चन्दौली (76)	+21565	1 : बीरेंद्र सिंह (सपा)	474476	2 : महेंद्र नाथ पांडेय (भाजपा)	452911
वाराणसी (77)	+152513	1 : नरेन्द्र मोदी (भाजपा)	612970	2 : अजय राय (कांग्रेस)	460457
भदोही (78)	+44072	1 : डॉ. विनोद कुमार बिंद (भाजपा)	459982	2 : ललितेश पति त्रिपाठी (टीएमसी)	415910
मिर्जापुर (79)	+37810	1 : अनुप्रिया पटेल (भाजपा+)	471631	2 : रमेश चंद बिंद (सपा)	433821
राबर्ट्सगंज (80)	+129234	1 : छोटेलाल खरवार (सपा)	465848	2 : रिंकी कोल (भाजपा+)	336614

भाजपा
चुनाव दर चुनाव

बरेली + आंवला

चुनाव दर चुनाव

2014
517450 + 409533

2019
563533 + 536377

2024
567127 + 476546

बरेली से भाजपा के विजयी प्रत्याशी छत्रपाल सिंह गंगवार को डीएम रविंद्र कुमार और आंवला से जीते सपा के नीरज मौर्या को सीडीओ जगप्रवेश ने जीत का प्रमाण पत्र दिया।

24 के चक्रव्यूह में वोटों का खेल
छत्रपाल-नीरज पास... धर्मेंद्र-ऐरन फेल

बरेली		आंवला	
5,67,127 छत्रपाल सिंह	5,32,323 प्रवीण सिंह ऐरन	4,76,546 धर्मेंद्र कश्यप	4,92,515 नीरज मौर्य
-34,804		-15,969	
लोकसभा चुनाव 2019			
संतोष गंगवार 5,63,533	भगवत सरन गंगवार 3,97,403	धर्मेंद्र कश्यप 5,36,377	रुचि वीरा 4,23,100
-1,66,130		-1,13,277	
लोकसभा चुनाव 2014			
संतोष गंगवार 5,17,450	आयशा इस्लाम 2,77,473	धर्मेंद्र कश्यप 4,09,533	कुंवर सर्वराज सिंह 2,71,207

आंवला में 20 साल बाद...

आंवला संसदीय सीट पर भाजपा को 20 साल बाद हार का सामना करना पड़ा। पिछले तीन चुनावों से उसका इस सीट पर कब्जा था। 2009 में मेनका गांधी यहां से सांसद बनी थी और 2004 और 2019 में धर्मेंद्र कश्यप। इससे पहले 2004 में जनता दल यूनाइटेड के प्रत्याशी के तौर पर सर्वराज सिंह चुनाव जीते थे। इससे पिछले चुनाव में भी सर्वराज सिंह ही समाजवादी पार्टी के टिकट पर आंवला के सांसद बने थे।

बरेली में बढ़े, आंवला में घटे

बरेली में भाजपा की जीत का अंतर जरूर कम रहा लेकिन वोट पिछले चुनाव से ज्यादा मिले। आंवला में उसका वोट घट गया। बरेली और आंवला दोनों को जोड़कर देखा जाए तो भाजपा को इस चुनाव में 57 हजार वोटों का घाटा हुआ। 2014 के चुनाव में दोनों सीटों पर उसे 9,26983 वोट मिले थे जो 2019 के चुनाव में बढ़कर 10,99,910 हो गए लेकिन इस चुनाव में घटकर 10,43,673 रह गए।

आंवला में खुली मोहब्बत की दुकान बरेली में भी मुश्किल से बचा मान

बरेली और आंवला ही नहीं, पूरे मंडल की पांचों सीटों पर विपक्ष के पास इस चुनाव में खोने के लिए कुछ नहीं था। कहने को भाजपा ने बरेली की सीट बचा ली लेकिन आंवला नेतृत्व की जीतोड़ कोशिशों के बाद भी हाथ से निकल गया। दोनों सीटों पर नजदीकी टक्कर का तो अंदाजा पहले से था, लेकिन मतगणना के अंत तक इतनी ज्यादा कशमकश होगी, यह किसी ने भी नहीं सोचा था। विरोध की तेज हवा का सामना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के नाम के सहारे चुनावी वैतरणी पार करने की कोशिश कर रहे धर्मेंद्र कश्यप इतना आगे पहुंच पाएंगे, खुद भाजपा नेताओं को यह यकीन नहीं था। भाजपा के लिए यह कुछ और बड़ा झटका इसलिए भी है, क्योंकि पड़ोस में बदायूं की सीट भी बेहद कड़े मुकाबले में सपा ने हथिया ली है।

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बरेली और आंवला दोनों संसदीय क्षेत्र में 2022 के चुनाव से हालात बदल रहे थे। आंवला में 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा और सपा के बीच वोटों का जो अंतर 11 प्रतिशत के पार था, वह अप्रत्याशित रूप से 2022 के विधानसभा चुनाव में सिर्फ 3.6 प्रतिशत पर आ गया था लेकिन शायद भाजपा का नेतृत्व सत्ता की उलझनों में इतना उलझा हुआ था कि इस पर ध्यान नहीं दिया। बरेली में 2017 के चुनाव में 30 प्रतिशत से घटते-घटते 6.9 प्रतिशत पर आ गया था। गिरावट के इसी सिलसिले ने आंवला को भाजपा के हाथों से छीन लिया। बरेली में उसे जीतने के लाले पड़ गए।

भाजपा नेतृत्व की बेपरवाही ने एक झटके में उसके चुनावी समीकरण बदल डाले और पार्टी को 2004 जैसी स्थिति में पहुंचा दिया। जनता के मन में इस कदर गुस्सा भरा हुआ था कि उसने सपा और कांग्रेस के टूटे-फूटे संगठन की सबसे बड़ी कमजोरी को भी भाजपा के विरोध के जज्बे से ढक दिया। इस तरह आंवला में सपा की जीत से ज्यादा भाजपा की हार हुई। बरेली की सीट भी भाजपा इतनी मुश्किल से जीत सकी कि जश्न मनाने की भी सिर्फ औपचारिकता नहीं मना पाई।

पिछले चुनावी नतीजों के हिसाब से बरेली और आंवला में भाजपा की बढ़त 2017 के विधानसभा चुनाव के बाद से ही कम होनी शुरू हो गई थी। लगभग यही हाल मंडल की दूसरी संसदीय सीटों का भी था। 2022 का नतीजा साफ तौर पर भाजपा को चेतावनी देने वाला था लेकिन ऐन समय पर सबकुछ मैनेज कर लेने के आत्मविश्वास की वजह से ही शायद उसने इस पर काबू करने की कोशिश नहीं की।

जीत के बाद समर्थकों के कंधे पर नीरज मौर्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार ने पहले ही साफ कर दी थी चुनावी तस्वीर

आंवला : 2017 से 2022 के बीच भाजपा का 87 हजार वोट बढ़ा और सपा का करीब दो लाख

24 का चक्रव्यूह

भाजपा : विस चुनाव 2017 में बरेली की पांचों सीटों पर थे तीन लाख वोट ज्यादा, 2022 में रह गए 75 हजार

24 का चक्रव्यूह

खेल नहीं आसान... लड़ानी पड़ेगी जान

कमाल : भाजपा को जितने वोट 2019 के चुनाव में, उतने ही विधानसभा 2022 में

कैंट विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम 84 वोट बढ़े, बरेली में सबसे ज्यादा करीब छह हजार

24 का चक्रव्यूह

भाजपा प्रत्याशी छत्रपाल सिंह जब अपना प्रमाणपत्र लेकर निकले तो समर्थकों ने उन्हें फूलमालाओं से लाद दिया। ● अमृत विचार

मीरगंज और शहर ने जिताया छत्रपाल को

बरेली, अमृत विचार : बरेली के पांच विधानसभा क्षेत्रों में मीरगंज और शहर के मतदाताओं ने छत्रपाल गंगवार की जीत आसान की। उन्हें मीरगंज से 27034 और शहर से 18229 वोट सपा प्रत्याशी प्रवीण सिंह ऐरन से ज्यादा वोट मिले हैं। वहीं नवाबगंज में 904 और भोजीपुरा में 12870 वोट प्रवीण सिंह ऐरन को ज्यादा मिले। कैंट में भाजपा और सपा प्रत्याशी को सबसे कम वोट मिले हैं। भाजपा को कैंट में 95940, मीरगंज में 120977, भोजीपुरा में 118275, नवाबगंज में 106279 और बरेली में 124129 वोट मिले हैं। इस तरह छत्रपाल गंगवार को 567172 मत मिले, जिसमें ईवीएम से 565600 मत और पोस्टल बैलेट से 1527 मत मिले हैं। इसी तरह से सपा के प्रवीण सिंह ऐरन को कैंट में 92654, मीरगंज से 93943, भोजीपुरा में 131145, नवाबगंज में 107183 और शहर में 105900 मत मिले हैं। उन्हें ईवीएम से 530825 और पोस्टल बैलेट से 1498 मत मिले हैं।

बरेली : मौके पर चौका नहीं लगा सकी सपा

बरेली अमृत विचार : सपा बरेली संसदीय सीट पर मौके का फायदा नहीं उठा पाई। संतोष गंगवार का टिकट कटने और बसपा का कोई दावेदार न होने की वजह से कहा जा रहा था कि प्रवीण सिंह ऐरन के लिए इससे ज्यादा आसान मौका नहीं हो सकता लेकिन कांटे की टक्कर में वह लगातार तीसरा चुनाव भी हार गए। मायूस कार्यकर्ता इस हार की वजह अति आत्मविश्वास को बताने में भी संकोच नहीं कर रहे हैं।

भाजपा प्रत्याशी छत्रपाल सिंह ने ऐरन को 34 हजार 804 वोटों से हराया। ऐरन को पांच लाख 32 हजार 323 और छत्रपाल को 5 लाख 67 हजार 127 वोट मिले। समाजवादी पार्टी में इस हार से मायूसी छाई हुई है। पहले ही राउंड में 2262 वोटों से पिछड़े ऐरन ने बीच में एक-दो राउंड में आगे निकलकर कुछ उम्मीद जगाई लेकिन अंतिम दौर के सभी राउंड में और ज्यादा पिछड़ते चले गए। सपा के प्रदेश महासचिव अताउर रहमान का कहना है कि जनादेश का सम्मान है। बरेली भी जीतते तो भाजपा का अहंकार टूटता। यहां की हार की समीक्षा विस्तृत परिणाम आने के बाद की जाएगी।

कार्यकर्ताओं के मुताबिक...

- भाजपा के अंदरूनी असंतोष से अपनी जीत तय मानकर पार्टी नेताओं ने सुस्ती ओढ़ ली। पार्टी के प्रत्याशी भी कई जगह जनसंपर्क के लिए नहीं गए।
- सपा में अनुशासन की कमी और मनभेद भी हार का कारण बना। पार्टी में सभी लोग एकजुट होकर काम करते तो बरेली में भी नतीजा बदल सकता था।

प्रत्याशियों को गोल-गोल घुमाता गया हर राउंड

आंवला में मतगणना ही शुरू से आखिर तक काफी रोमांचक रही। धर्मेंद्र और नीरज कई बार आगे-पीछे होते रहे। सौ, दो सौ वोटों से कम होता अंतर एक बार तो सिर्फ छह वोटों का ही रह गया।

आंवला			बरेली		
राउंड	भाजपा	सपा	राउंड	भाजपा	सपा
1	18917	18072	1	20271	18009
2	35369	34071	2	41251	36775
3	49752	54678	3	60587	56685
4	65171	71557	4	85003	70329
5	79287	89099	5	110529	85140
6	95809	107276	6	129877	102370
7	114619	122560	7	147624	123379
8	133278	139047	8	159868	146757
9	150667	154332	9	179742	163800
11	182615	189484	11	221475	202298
12	199012	206507	12	236478	221666
13	215275	223637	13	260105	235931
14	234874	238795	14	277333	260279
15	253254	253594	15	294937	282371
16	272048	269131	16	314525	303173
17	288195	284850	17	332359	321820
18	302559	301491	18	351873	340714
19	315623	323504	19	376696	354474
20	334071	339871	20	398307	370463
21	354063	353879	21	418686	390608
22	368692	373061	22	438310	409769
23	384456	390236	23	458550	430749
24	400581	405611	24	481300	449239
25	414096	421533	25	501210	468313
26	422142	437815	26	520963	486118
27	434088	445353	27	535770	500266
28	442300	456529	28	544923	511929
29	453035	466109	29	553628	518811
30	461612	476994	30	562537	525452
31	469586	485522	31	565148	530378
32	473111	489137	32	565458	530462
33	475434	491119	33	565600	530825

आबिद को उम्मीद से ज्यादा वोट, इसलिए कठिन हुई नीरज की राह

बरेली, अमृत विचार : उम्मीद जताई जा रही थी कि आंवला में बसपा प्रत्याशी आबिद अली को न मुसलमानों के वोट मिलेंगे, न पार्टी के कैडर वोट माने जाने वाले दलितों के, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने 95 हजार से ज्यादा वोट खींचे और सपा प्रत्याशी नीरज मौर्य की राह में कांटे बोने में कोई कमी नहीं छोड़ी।

● 95 हजार से ज्यादा वोट खींचकर नीरज की राह में आखिरी पल तक बोए कांटे

आबिद के प्रदर्शन ने साफ कर दिया कि उन्हें मुसलमानों का भले ही ज्यादा वोट नहीं मिला, लेकिन दलितों ने अपनी दिशा नहीं बदली। बरेली में बसपा प्रत्याशी छोटेलाल गंगवार का नामांकन खारिज कर दिया गया था। यहां दलित वोटों का ज्यादा हिस्सा मुफ्त राशन जैसी योजनाओं की वजह से भाजपा की ओर डायवर्ट हो गया। यानी आंवला में बसपा की चुनाव मैदान में मौजूदगी से फायदा हुआ, बरेली में गैरमौजूदगी से। हालांकि आंवला की सीट फिर भी नहीं बच पाई।

कड़ी मनाही के बाद भी भाजपा के लोगों ने मतगणना स्थल में घुसने की कोशिश की, पुलिस ने कड़ाई से उन्हें रोक दिया।

भारी पड़ा... पप्पू, डब्बू और बब्बू कुछ नहीं कर पाएंगे

आंवला, अमृत विचार : भाजपा प्रत्याशी धर्मेन्द्र कश्यप पर उनकी क्षत्रियों की नसबंदी करने और फिर पप्पू, डब्बू और बब्बू कुछ नहीं कर पाएंगे, जैसी टिप्पणियां भी भारी पड़ीं। उनकी ऐसे बयानों से क्षत्रिय और ब्राह्मण दोनों वर्ग उनसे नाराज हो गए। चुनाव प्रचार के दौरान उन्हें कई गांवों में विरोध का सामना भी करना पड़ा। पार्टी प्रत्याशी नीरज मौर्य के जीतने के बाद सपा कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह मिठाई बांटकर खुशियां मनाईं। भाजपा के खेमे में मायूसी भरा सन्नाटा छाया रहा। इस चुनाव में कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह की भी साख दांव पर लगी हुई थी, उन्होंने दिन-रात मेहनत कर मतदाताओं को मनाने की भरसक कोशिश की लेकिन उनकी नाराजगी दूर नहीं कर सके।

इस चुनाव में इन फैक्टरों का चौका

धार्मिक मुद्दों पर मुसलमानों की खामोशी

बरेली, अमृत विचार : इस चुनाव की सबसे बड़ी खासियत मुसलमानों की खामोशी रही। चुनाव के बीच लगातार भाजपा की ओर से धार्मिक मुद्दे उछाले जाते रहे लेकिन बरेली में सबसे बड़ा सुन्नी मरकज और विश्वप्रसिद्ध दरगाह आला हजरत होने के बावजूद इन पर कोई प्रतिक्रिया नहीं जताई गई। नतीजा यह हुआ कि काफी कोशिशों के बावजूद यह चुनाव पूरी तरह धर्म के ट्रैक पर नहीं लाया जा सका। दूसरी तरफ सपा भी मुस्लिम परस्त होने का संदेश देने से बचने के लिए लगातार कोशिश करती दिखाई दी।

इस बार सपा की सभाओं में मंच पर मुस्लिम नेताओं की वैसी भरमार नहीं दिखाई दी, जैसी कि पहले रहती थी। बरेली में तो अखिलेश यादव की चुनावी जनसभा के दौरान कई मुस्लिम नेताओं को मंच से उतार दिया गया था जिसके बाद वह जनसभा के दौरान ही मंच के नीचे धरने पर तक बैठ गए थे। भाजपा के खिलाफ सपा की यह कामयाबी रही कि उसने इस चुनाव को कुछ हद तक ओबीसी केंद्रित बना दिया। इसी के चलते सिर्फ ब्राह्मण और क्षत्रियों को भी चुनावी मंचों पर पहले जैसा भाव नहीं मिला। संभवतः इसी माहौल में धर्मेंद्र कश्यप भी कुछ अनर्गल टिप्पणी कर बैठे और उन्हें इसका नुकसान भी उठाना पड़ा।

मेन स्ट्रीम मीडिया बनाम यू ट्यूबर

बरेली, अमृत विचार: लोकसभा चुनाव 2024 में एक और संघर्ष देखने को मिला जो मेन स्ट्रीम मीडिया और यूट्यूबर्स के बीच था। कई प्रमुख यूट्यूबरों ने इस चुनाव में भाजपा के खिलाफ खुला मोर्चा खोले रखा। विपक्ष के बेरोजगारी, महंगाई, पेपर लीक की घटनाओं और संविधान को बदले जाने जैसे उन मुद्दों को सबसे ज्यादा हवा यूट्यूबर्स ने ही हवा दी जो मेन स्ट्रीम मीडिया में उतने ज्यादा नहीं दिखाए जा रहे थे। करीब दो करोड़ सब्सक्राइबर वाले यूट्यूबर ध्रुव राठी और एक करोड़ सब्सक्राइबर वाले रवीश कुमार ने चुनाव पर लगातार वीडियो बनाए। इसके अलावा कई चुनाव बाद पहली बार भाजपा की आईटी सेल भी सोशल मीडिया पर भाजपा का समा बांधने में पिछड़ती दिखाई दी।

पब्लिक के मन से उतर रहे मुद्दों को उसने हवा देने की कोशिश की लेकिन इससे भाजपा को कोई खास फायदा होता नहीं दिखा। इसके उलट कांग्रेस की आईटी सेल पार्टी की ओर से चुनाव के लिए तय किए मुद्दों पर ज्यादा सक्रियता दिखाई। भाजपा की आईटी सेल को काउंटर करने के साथ उसने कई नए प्रयोग भी किए। कांग्रेस के प्रवक्ता भी मेन स्ट्रीम मीडिया से ज्यादा सोशल मीडिया पर सक्रिय रहे। उन्होंने इसी को जनता तक अपनी बात अपने ढंग से पहुंचाने का प्रमुख माध्यम बनाया।

हताशा और मतदाताओं की चुप्पी

बरेली, अमृत विचार : मतदाताओं की चुप्पी ने भी चुनाव के दौरान रहस्य बनाए रखा तो भाजपा के संगठन में भी इस बार उतना जोश नहीं दिखाई दिया, जैसा कि पिछले चुनाव में दिखता था। हताश दिखने की शुरुआत बरेली में संतोष गंगवार का टिकट कटने के बाद से हुई थी। तमाम कार्यकर्ताओं ने इस दौरान हताशा भरी प्रतिक्रियाएं सार्वजनिक रूप से जताने में कोई संकोच नहीं किया।

भाजपा का साथ निभाने वाले पूंजीपति और बुद्धिजीवी वर्ग ने इस बार ज्यादा खुलकर चुनाव में हिस्सा नहीं लिया। माना जा रहा है कि इस वजह से माहौल बनने में दिक्कतें आईं। विपक्ष के मुद्दों पर पार्टी में विचलित होने की स्थिति दिखाई दी। कभी धर्म तो कभी जाति और कभी संविधान और लोकतंत्र के मुद्दे पर भाजपा को अपनी काफी ऊर्जा खपानी पड़ी। इसके बाद जब मतदान का समय नजदीक आया तो पन्ना प्रमुखों और बूथ अध्यक्षों की सक्रियता पर भी सवाल उठने लगे। लगातार बाधा और व्यवधान से गुजरते हुए भाजपा ने आंवला सीट तो गंवाई लेकिन मंडल की तीन सीटें जीतकर काफी हद तक जो नुकसान संभावित बताया जा रहा था, उसे बचा लिया।

हजार-दो हजार वोट काटकर रह गए बाकी सभी प्रत्याशी

बरेली, अमृत विचार: बरेली लोकसभा क्षेत्र में शांति पार्टी के इरशाद अंसारी को 3553, निर्दलीय वसीम मियां 2839, पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया के भूपेंद्र कुमार मौर्य को 1704, निर्दलीय बुद्ध प्रिय कर्मराज राहुल को 1194, जन शक्ति एकता पार्टी के रोहताश कश्यप को 847, सम्राट मिहिर भोज समाज पार्टी के जगपाल सिंह को 656, भारत जोड़ो पार्टी के मोहम्मद नजीम अली को 633, सरदार पटेल सिद्धांत पार्टी के रवि कुमार को 627, निर्दलीय नितिन मोहन को 620, आशीष गंगवार को 616, आयशा बी को 559 मत मिले हैं। आंवला के शांति पार्टी के प्रत्याशी कौसर खान को 4213, वंचित समाज इंसाफ पार्टी के प्रेम पाल सागर को 3330, निर्दलीय मक्खन लाल को 2853, सरदार पटेल सिद्धांत पार्टी के राज कुमार पटेल को 2706, भारत जोड़ो पार्टी के मोहम्मद आमिर खान को 2355, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के निर्मोद कुमार सिंह को 1790 वोट मिले हैं।

शहर विधानसभा क्षेत्र के कई बूथों पर सपा को मिली करारी हार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- **सपा को सबसे ज्यादा 640 वोट विशाल कन्या पीजी कॉलेज में मिले**
- **भाजपा को सरस्वती विद्या मंदिर के एक बूथ पर 580 वोट मिले**

अमृत विचार : बरेली लोकसभा सीट पर शहर विधानसभा क्षेत्र के कई बूथों पर समाजवादी पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा है। शहर के 14 बूथ ऐसे हैं, जहां सपा को पांच पर ही जीत मिली। आंकड़ों के अनुसार फरीदापुर चौधरी में विशाल कन्या पीजी कॉलेज के बूथ संख्या 292 में सपा को सबसे ज्यादा 640 वोट और भाजपा को सिर्फ 18 वोट मिले हैं। सुरेश शर्मा स्मारक विद्यापीठ में बूथ-278 में भाजपा को 385, सपा को 183 वोट, कुंवर रंजीत सिंह इंटर कालेज के बूथ-418 में भाजपा को 468, सपा को 149, हिंद हायर सेकेंड्री स्कूल के बूथ-404 में भाजपा को 93, सपा को 368, सीबीगंज इंटर कॉलेज के बूथ-390 में भाजपा को 329, सपा को 101, प्राथमिक विद्यालय नया भवन में बूथ-348 में भाजपा को 417, सपा को 115 वोट मिले हैं।

कहां किसे कितने वोट मिले

मॉडल प्राइमरी स्कूल के बूथ–334 में भाजपा को 267, सपा को 528 वोट, केन्द्रीय विद्यालय आईवीआरआई के बूथ– 320 में भाजपा को 450, सपा को 251, वुडरो स्कूल के बूथ–250 में भाजपा को 217, सपा को 59, सत्कार मेमोरियल विद्यालय के बूथ–236 में भाजपा को 208 और सपा को 280 वोट मिले हैं। इसी तरह सेंट फ्रांसिस स्कूल के बूथ–222 में सपा को 472 और भाजपा को 18 वोट, इसी स्कूल के बूथ–208 में भाजपा को 399 और सपा को 58, सरस्वती विद्यालय मंदिर के बूथ–152 में भाजपा को 580, सपा को 44, सूरज भान इंटर कॉलेज के बूथ–138 में भाजपा को 368 और सपा को 133 वोट मिले हैं।

ट्रेन से लेकर चाय की दुकानों पर चुनाव नतीजों में अटकी रहीं सांसें

बरेली, अमृत विचार : चुनाव नतीजे आने शुरू हुए तो लोगों की सांसें अटकी रहीं। जंक्शन, ट्रेनों और चाय की दुकानों पर लोग नतीजे जानने में लगे रहे। बरेली जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर एक पर त्रिवेणी एक्सप्रेस आकर रुकी तो स्लीपर कोच के अंदर बैठे यात्री मोबाइल पर ही चुनाव के नतीजों पर नजर गड़ाए दिखे। लखनऊ जा रहे मनोज ने बताया कि आज तो पूरे सफर के दौरान सिर्फ चुनावी नतीजों को देखते देखते ही वक्त गुजरेगा।

चुनावी नतीजों में व्यस्त रहे डॉक्टर, ओपीडी में पसरा रहा सन्नाटा

बरेली, अमृत विचार : जिला अस्पताल की ओपीडी में मंगलवार को सन्नाटा पसरा रहा। मतगणना की वजह से 50 फीसदी कम मरीज पहुंचे। वहीं डॉक्टर भी चुनावी नतीजों को जानने में मोबाइल में व्यस्त रहे। ओपीडी में जहां रोजाना दो से तीन हजार मरीज आते हैं, वहीं मंगलवार को सिर्फ 12 सौ ही पहुंचे।

प्रवेश–पंजीकरण प्रारम्भ
गंगाशील महाविद्यालय
फैजुल्लापुर, नवाबगंज, बरेली
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा 2F एवं 12B में स्वीकृत
सम्बद्ध : म. ज्यो. फु. रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली
वर्तमान में संचालित पाठ्यक्रम
एम. ए. – चित्रकला, शिक्षाशास्त्र, गृहविज्ञान, भूगोल
एम. एस–सी. – वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित, गृह विज्ञान
बी.कॉम – बी.कॉम. बी.कॉम - आनर्स
बी.एस–सी. – प्रथम ग्रुप- जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान; द्वितीय ग्रुप- भौतिक विज्ञान, गणित, रसायन विज्ञान; तृतीय ग्रुप- होमसाइंस
बी.ए. – हिन्दी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, अर्थशास्त्र, भूगोल, इतिहास, राजनीति विज्ञान, चित्रकला, गृहविज्ञान
विशेष आकर्षण
- NCC, NSS एवं रोवर रेंजर की सुविधा
- स्मार्ट बोर्ड द्वारा व्याख्यान
- प्रतिवर्ष राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार एवं कार्यशाला का आयोजन
- समय-समय पर विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण
- पाठ्येत्तर एवं पाठ्य-सहगामी क्रिया-कलापों का आयोजन
- अत्याधुनिक आर्ट गैलरी की सुविधा
- UGC मानकों के अनुसार शिक्षकों की उपलब्धता
- भव्य सुन्दर, स्वच्छ एवं स्वस्थ प्राकृतिक वातावरण
- खेल-कूद की सुविधा
Website: www.gangasheelcollege.com | E-mail: gangasheelmahavidiyalay@gmail.com
दूरभाष:- 7055844442, 9759793825, 9389661704

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
TOSHIBA AIR CONDITIONING
AMBIENCE COOLING CORPORATION LLP
WORLD ENVIRONMENT DAY
5 June 2024
नि:शुल्क पौधा वितरण समारोह
In Association with
Akash Vets
GURUKUL NATIONAL ACADEMY BAREILLY
SUNEIL DENTALS
NATH NISSAN
PAVITRAMENTHE
पौधारोपण करते हुए अपनी सेल्फी भेजें, हम प्रकाशित करेंगे- मो. 9389160526

चन्द्रलोक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस
रजऊ परसपुर, बरेली
मो. 8859492000
8859493000
GNM, DPT*, DOT* & B.Sc. (Nursing)
GNM में प्रवेश प्रारम्भ
हॉस्टल एवं ट्रांसपोर्ट की सुविधा
प्रैक्टिकल हेतु आधुनिक प्रयोगशालाएं
सरकारी मानकों के अनुसार फीस एवं छात्रवृत्ति।
सरकारी, अर्द्धसरकारी, सेना एवं विदेश में नौकरी के लिए मान्य
उ.प्र. स्टेट मेडिकल फैकल्टी लखनऊ एवं उ.प्र. सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
चन्द्रलोक हॉस्पिटल
दूरबीन द्वारा पित्त की थैली, गुर्दे एवं यूरेटर की पथरी और गदूद (प्रोस्टेट) का ऑपरेशन
मेडिक्लेम
आयुष्मान कार्ड में निःशुल्क इलाज
स्त्री एवं प्रसूति रोग
सभी प्रकार की सर्जरी
पैथोलॉजी, अल्ट्रासाउण्ड
ट्रॉमा, हेड इंजरी, फ्रेक्चर आदि
आई.सी.यू., कार्डियक, मॉनिटर, वेन्टिलेटर
हृदय, सांस, गुर्दा रोग एवं डायबिटीज
पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
मो. 9458882565
9410002566

MAXLIFE
मैक्सलाइफ
सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एण्ड फहमी आई.वी.एफ. सेन्टर
मालियों और ईसाइयों की पुलिया के बीच में, सिन्धु नगर, बरेली
डॉ. अनीस बेग
M.B.B.S., D.C.H.
Child Specialist
नवजात शिशु एवं सिरियस बच्चों के विशेषज्ञ आधुनिक नर्सरी वेंटीलेटर सी. पैप
डॉ. फैहमी खान
M.B.B.S, D.G.O D.M.A.S., F.M.AS Gynaecologist
IVF Specialist Fellowship in Laparoscopy
स्त्री रोग विशेषज्ञ
डॉ. अरशद
M.B.B.S., M.S., (Fmas)
Laparoscopic Surgeon
डॉ. दीपक कुमार
M.B.B.S., M.S., MCH
न्यूरोसर्जन
दिमाग व रीढ़ की हड्डी के सर्जन
डॉ. फहद बिन हामिद
D. Ortho, DNB (Ortho)
Trauma, Joint Replacement
Arthoscopy & Sports Injury Specialist
डॉ. शरद खंडेलवाल
MBBS MS (Gen.Surgery)
Mch. (Plastic Surgery)
Cosmetic Hair Transplant.
Microvascular Reconstructive Surgeon
डॉ. मो. जावेद
M.B.B.S., M.D., Physician
ब्लड प्रेशर शुगर एवं पेट रोग विशेषज्ञ
FACILITIES
•CATHLAB
•ICU
•CCU
•ANGIOPLASTY
•NICU
•ECHO TMT
•ANGIOGRAPHY
•HDU
•PACEMAKER
•DIALYSIS
•VENTILATOR
मॉड्यूलर ऑपरेशन
लैप्रोस्कोपिक सर्जरी
एडवांस आई.सी.यू.
एडवांस एन.आई.सी.यू
कैथ लैब
EMERGENCY 24 HOURS
Contact :
0581-2990926
0581-2990928

अमृत विचार की पौधरोपण मुहिम में हों शामिल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- गांधी उद्यान पर निशुल्क पौधों का वितरण आज
- वन मंत्री अमृत विचार कार्यालय परिसर में करेंगे पौधरोपण

अमृत विचार : विश्व पर्यावरण दिवस पर अमृत विचार की ओर से बुधवार को अलग-अलग स्थानों पर निशुल्क पौधों का वितरण किया जाएगा। आयोजन की शुरुआत गांधी उद्यान पर सुबह 6:30 बजे पौधा वितरण से की जाएगी। जबकि मुख्य कार्यक्रम पीलीभीत बाईपास रोड स्थित अमृत विचार कार्यालय पर सुबह 9:30 बजे होगा, जिसमें मुख्य अतिथि वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार शामिल होंगे। यहां वह पौधरोपण और पौधों का वितरण भी करेंगे।

कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करना है। इस दौरान अधिक से अधिक लोगों को पौधे बांटे जाएंगे, ताकि लोग इन पौधों को अपने घरों में लगाएं और आने वाले कल में यह पौधे लोगों को छांव दे सकें।

इस कार्यक्रम का मुख्य प्रायोजक एंबीएंस कूलिंग कोरपोरेशन है, जबकि आकाश वेट्स, गुरुकुल नेशनल एकेडमी, सुनील डेंटल्स, नाथ निसान, गट्टूमल आयुर्वेद और पवित्र मेंथ सहयोगी हैं।

इमरजेंसी वार्ड का शौचालय चोक, स्टाफ परेशान

बरेली, अमृत विचार : जिला अस्पताल में इमरजेंसी वार्ड का शौचालय चोक है। इस वजह से स्टाफ को दिक्कत हो रही है। स्टाफ के अनुसार शौचालय में पानी की सप्लाई भी बाधित है। हाथ भी धोना तो दूसरे वार्ड में जाना पड़ता है, जबकि इमरजेंसी वार्ड में गंभीर मरीज हर समय रहते हैं। इमरजेंसी वार्ड प्रभारी की शिकायत पर एडीएसआईसी डॉ. अलका शर्मा ने कर्मियों को शौचालय की पाइप लाइन ठीक कराने के निर्देश दिए हैं।

आंधी से उड़ी आधे शहर की बिजली, जाग कर कटी रात

फाल्ट की वजह से मंगलवार सुबह तक कई इलाकों में आपूर्ति बाधित रही

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : आंधी और बारिश के चलते सोमवार देर रात आधे शहर की बिजली गुल हो गई। कई इलाकों में पूरी रात लोगों की जागकर कटी। कुछ स्थानों पर मंगलवार सुबह आपूर्ति बहाल हो सकी। सुभाषनगर क्षेत्र में 33 केवी लाइन टूटने से दो घंटे तक बिजली गुल रही।

हरूनगला, महानगर, जगतपुर में तेज हवा के कारण आपूर्ति बाधित हुई। सिविल लाइंस में ब्रेकडाउन से बार बार ट्रिपिंग होती रही। किला क्षेत्र में लोकल फाल्ट से बिजली कटौती की गई। नदोसी सबस्टेशन की लाइन में फाल्ट से एक से दो घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। सुभाषनगर में परसाखेड़ा से आने वाली 33 केवी की लाइन मंगलवार दोपहर दो बजे सीबीगंज के पास टूट गई। इस वजह से दो घंटे बिजली ठप रही। कुंवरपुर में 50 घरों में चार दिन से बिजली समस्या बनी हुई है। इससे लोग परेशान हैं।

मढ़ीनाथ में आज दो घंटे बाधित रहेगी आपूर्ति

मढ़ीनाथ क्षेत्र में ट्रिपिंग की समस्या को दूर करने के लिए बुधवार को पेड़ों की छटाई की जाएगी। एसडीओ सुभाषनगर अभिषेक कपासिया ने बताया कि सुबह 8 से 10 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी।

बकाया बिल पर 50 कनेक्शन काटे

बरेली, अमृत विचार : लोकसभा चुनाव खत्म होते ही बिजली विभाग ने बकाया बिल वाले उपभोक्ताओं पर कार्रवाई शुरू कर दी है। विभाग की टीमों ने मंगलवार को अभियान चलाकर बकाया बिल वालों के 30 कनेक्शन काटे। इसके अलावा 189 खराब मीटर भी बदले गए। अधीक्षण अभियंता ग्रामीण अशोक कुमार चौरसिया ने बताया कि मंगलवार को मतगणना की वजह से कार्रवाई कम रही, लेकिन बुधवार से अभियान तेज किया जाएगा।

तेज हवा और बारिश के बाद भी गर्मी से नहीं मिली राहत

बरेली, अमृत विचार : जिले में सोमवार रात तेज हवा और बारिश से मौसम में कुछ बदलाव हुआ लेकिन मंगलवार दिन में तेज धूप खिलने से गर्मी से राहत नहीं मिली। मौसम विभाग ने दो दिन बूंदाबांदी के बाद तापमान में बढ़ोत्तरी का पूर्वानुमान जताया है। इस दौरान तापमान 43 से 44 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। जिले में 24 घंटे में 0 .4 मिमी बारिश दर्ज की गई। आंचलिक मौसम केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ मौसम विज्ञानी डॉ. अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार को हल्की बूंदाबांदी का पूर्वानुमान है। गुरुवार से एक बार फिर तापमान में बढ़ोतरी के आसार हैं। गुरुवार से अधिकतम तापमान 43– 44 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29– 30 डिग्री सेल्सियस रहने का पूर्वानुमान है।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 7464943582

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
ECG+ECHO+TMT+HOLTER
हृदय रोग के लक्षण:- ♦ घबराहट ♦ छाती में दर्द या भारीपन ♦ सांस फूलना ♦ पैरों में सूजन ♦ हाई ब्लडप्रेशर ♦ हाई कोलेस्ट्रोल ♦ डाइबिटीज (शुगर) ♦ सीने या पेट में जलन या दर्द ♦ हार्ट अटैक ♦ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
आधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
10 वर्षो का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

डॉ. रजनीकांत साहू
MBBS, MS, MCh. (SGPGI, Lucknow)
Ex-Consultant-MAX Hospital, Delhi
वरिष्ठ न्यूरो सर्जन
मो. 7417389433
बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सेन्टर
पताः- सी 427 डिवाइन हॉस्पिटल के सामने, के.के. हॉस्पिटल रोड, राजेन्द्रनगर, बरेली
मिलने का समय प्रातः 10 से 12, सायं 6 से 8
7017678157
सुविधायें:- सिर की चोट का इलाज व ऑपरेशन, ब्रेन ट्यूमर, दिमागी गांठ तथा ब्रेन हैमरेज का ऑपरेशन, गर्दन व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिप डिस्क, स्पाइनल ट्यूमर का इलाज व ऑपरेशन, सिर दर्द व मिर्गी के दौरे का इलाज।

डा० आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS DNB MINAMS
CATARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
Trust your eyes with us
ADITYA
भूतपूर्व चिकित्सक- शहीद भगत सिंह आई हॉस्पिटल, बरेली
50000 से अधिक आँखों के आपरेशन का अनुभव
TIME : 10:00 AM TO 5:00 PM
8077344353
अब इस पते पर उपलब्ध हैं :- आँखों का अस्पताल
आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, रेड टेप शोरूम के बराबर में, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

डॉ. आशीष सक्सेना
MBBS, MS, FIAGES, FELS
जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
मो. 9045849322
उपलब्ध सुविधायें ♦ दूरबीन द्वारा पित्त की पथरी का ऑपरेशन ♦ हर्निया का ऑपरेशन ♦ अपेंडिक्स का ऑपरेशन ♦ पित्त की नली की पथरी ♦ बवासीर, भगन्दर, फिशर ♦ हाइड्रोसील ♦ स्तन की गांठ का ऑपरेशन ♦ पैर की नसों का फूलना (Varicose Veins) ♦ पाइलोनाइडल साइनस ♦ इसके अतिरिक्त सभी प्रकार के ऑपरेशन (दूरबीन विधि एवं चीरे द्वारा) करने की सुविधा।
इसके अतिरिक्त सभी प्रकार के ऑपरेशन (दूरबीन विधि एवं चीरे द्वारा) करने की सुविधा।
यश सर्जिकेयर क्लीनिक
प्रेम नर्सरी चौराहा, मिनी बाईपास रोड, बरेली-243122

आईकेएस के तीसरे प्रशिक्षण के लिए डॉ. अवनीश का चयन

बरेली, अमृत विचार : बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के अंतर्गत कॉलेज ऑफ ह्यूमनिटीज एंड जर्नलिज्म विभाग के प्राचार्य डॉ. अवनीश सिंह चौहान को शिक्षा मंत्रालय के आईकेएस डिवीजन की ओर से तीसरे चरण के प्रशिक्षण के लिए चयनित किया गया है। डॉ. अवनीश ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से उन्हें ईमेल के माध्यम से सोमवार को सूचित किया गया है। यह प्रशिक्षण वाराणसी के वसंत कॉलेज फॉर वीमेन में 24 से 27 जून तक आयोजित होगा, जिसमें विषय केंद्रित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

छह महीने बाद मशीन हुई ठीक, आज से होंगी एक्सरे जांचें

बरेली, अमृत विचार : तीन सौ बेड अस्पताल में छह महीने से खराब मशीन को शासन की फटकार के बाद सही करा दिया गया है। अब बुधवार से मरीजों की जांचें शुरू हो जाएंगी। अस्पताल की ओपीडी में आने वाले मरीजों को डॉक्टर एक्सरे जांच लिखते थे लेकिन मशीन खराब होने की वजह से उन्हें परेशान होना पड़ता था। उन्हें जिला अस्पताल में जांच कराने जाना पड़ता था। अस्पताल के एक्स–रे यूनिट में लगी मशीन को छह महीने तक प्रबंधन ने सही नहीं कराया। इसकी वजह से जिला अस्पताल प्रबंधन पर भार बढ़ रहा था। पिछले दिनों शासन की ओर से वर्चुअल बैठक में एक्स–रे जांच बंद होने पर नाराजगी जाहिर कर तुरंत मशीन सही कराने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद मशीन को सही कराया गया। अब बुधवार से मरीजों की एक्सरे जांचें शुरू हो जाएंगी। वहीं, पैथोलॉजी लैब में भी करीब पांच महीने से जांच में उपयोग होने वाले रिजेंट का कमी है लेकिन इस ओर अभी भी प्रबंधन ने ध्यान नहीं दिया है।

महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर पति को पीटा

बरेली, अमृत विचार : सुभाषनगर थाना क्षेत्र में पति ने पत्नी को घर में प्रेमी के साथ पकड़ लिया। पति ने विरोध किया तो पत्नी और प्रेमी ने मिलकर उसपर हमला कर दिया। एसएसपी के आदेश पर पुलिस ने प्रेमी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। युवक के मुताबिक पीलीभीत के धुंधरी निवासी अजय से उनकी पत्नी का कई साल से प्रेम प्रसंग चल रहा है। सोमवार को वह काम पर गए थे कि इसी दौरान अजय उनके घर पहुंच गया। जब वह घर पहुंचे तो पत्नी को अजय के साथ पकड़ लिया। उन्होंने विरोध किया तो अजय और पत्नी ने उनकी पिटाई कर दी।

सार-संक्षेप

गुलफ्शा ने रोशनी बनकर सूरज से की शादी

बरेली, अमृत विचार : युवती ने धर्म परिवर्तन कर गुलफशा से रोशनी बनकर प्रेमी सूरज से शादी कर ली। दोनों की सुभाषनगर के अगस्त मुनि आश्रम में महंत पं. केके शंखधर ने शादी कराई। सीतापुर की रहने वाली गुलफ्शा के मुताबिक उसकी बदायूं के कतगांव निवासी सूरज मौर्या से चार साल पहले हरियाणा के पानीपत जिले में मुलाकात हुई थी। वहां दोनों एक फैक्ट्री में सिलाई का काम करते थे। दोनों पहले अच्छे दोस्त बने और बाद में एक दूसरे से प्यार करने लगे। गुलफ्शा ने अपने परिजनों को सूरज के बारे में बताया तो सभी नाराज हो गए। सूरज से बात करने पर परिजन उसे जान से मारने की धमकी देते थे। इससे उसने धर्म परिवर्तन कर सूरज से शादी का फैसला लिया। सोमवार को अगस्त मुनि आश्रम के महंत पं. केके शंखधर ने दोनों की शादी कराई।

ओवर रेटिंग की शिकायत पर सीएमआई ने चेक किए स्टॉल

बरेली, अमृत विचार : खानपान की वस्तुओं पर ओवर रेटिंग की शिकायत पर मुख्य वाणिज्य निरीक्षक (सीएमआई) राकेश कुमार सिंह ने मंगलवार को बरेली जंक्शन के स्टॉलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सूचीबद्ध उत्पाद नहीं बेचने पर कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने प्लेटफार्म एक पर जनता खाना स्टॉलों को चेक किया। निर्देश दिए कि किसी भी कीमत पर जनता खाना की कमी नहीं आनी चाहिए। रेल नीर का स्टॉक पूरा रखने को कहा। सीएमआई ने बताया कि रेल नीर डिस्ट्रीब्यूटर और स्टॉल संचालकों से आपूर्ति बनाए रखने के लिए कहा गया है। कहा किसी भी कीमत पर स्टेशन पर उन उत्पादों को नहीं बिकने दिया जाएगा, जो सूचीबद्ध नहीं हैं। अगर कोई ऐसा करता पाया गया तो कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, निरीक्षण के दौरान किसी प्रकार की ओवर रेटिंग नहीं मिली। जनता खाना की आपूर्ति स्टेशन पर ठीक मिली।

छबील लगाकर राहगीरों को बांटा शरबत

बरेली, अमृत विचार : अग्रवाल सभा कल्याण सोसायटी ने मंगलवार को कालीबाड़ी में छबील लगाकर राहगीरों को शरबत का वितरण किया। सोसायटी अध्यक्ष उमानाथ अग्रवाल, संरक्षक अजय कुमार अग्रवाल एडवोकेट, महामंत्री दिनेश अग्रवाल एडवोकेट, आनंद गोयल, पंकज अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल, मीडिया प्रभारी हर्ष कुमार एडवोकेट अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

447 अग्निवीरों ने ली देश सेवा की शपथ

बरेली, अमृत विचार : जाट रेजिमेंटल सेंटर में मंगलवार को पासिंग आउट परेड का आयोजन हुआ, जिसमें 447 अग्निवीरों ने देश सेवा की शपथ ली। परेड की अगुवाई अग्निवीर चंदन यादव ने की। जाट रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर मनीष कुकरेती ने अग्निवीरों से देव सेवा की उच्चतम परंपराओं का अनुसरण करने का आह्वान किया।

प्याऊ लगाकर राहगीरों को पहुंचाई राहत

बरेली, अमृत विचार : स्वतंत्रता सेनानी शांति शरण विद्यार्थी स्मारक ट्रस्ट और कायस्थ चेतना मंच ने मंगलवार को प्रेमनगर मैकेनियर रोड पर पांचवें प्याऊ की शुरुआत की। इससे राहगीरों को राहत मिली। सीए राजेन विद्यार्थी ने कहा कि भीषण गर्मी में शीतल जल उपलब्ध कराना सेवा का कार्य है। इससे पहले प्याऊ का आरंभ जीएसटी अधिवक्ता मितुल विद्यार्थी ने किया। कायस्थ चेतना मंच के अध्यक्ष संजय सक्सेना, शालिनी विद्यार्थी,अनीता मुकेश, महिला अध्यक्ष रचना सक्सेना, महासचिव अमित सक्सेना, बिंदु, अखिलेश सक्सेना, अविनाश सक्सेना, निर्भय सक्सेना आदि मौजूद रहे।

तिरंगे का अपमान करने पर दो गिरफ्तार

बरेली, अमृत विचार : इज्जतनगर थाना क्षेत्र में तिरंगे का अपमान करने वाले दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी चिकन कॉर्नर में तिरंगे से कढ़ाई को साफ करते थे। पुलिस ने दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। थाना प्रभारी जयशंकर सिंह के मुताबिक मिनी बाईपास पर मुरादाबादी चिकन कॉर्नर की दुकान है। यहां पर परसाखेड़ा निवासी कार्नर मालिक मोहम्मद सरफुद्दीन और उसका साथी बिजनौर के कासमपुर थाना गढ़ी निवासी साहबू तिरंगे से कढ़ाई साफ कर अपमान कर रहे थे। दोनों मीट से भरी हुए बर्तन उठाते थे। इस मामले में आदित्य मौर्य ने तहरीर दी थी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

एलएलबी छात्र ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

बरेली, अमृत विचार : कैंट थाना क्षेत्र के लक्ष्मीनगर कांधरपुर में घरेलू विवाद की वजह से एलएलबी छात्र ने फंदे पर लटक कर जान दे दी। छात्र के पिता ने ससुराल वालों के खिलाफ तहरीर दी है। लक्ष्मीनगर निवासी चेतन की शादी तीन साल पहले बभिया की रहने वाली युवती से हुई थी। परिजनों के मुताबिक आए दिन चेतन का विवाद पत्नी से होता रहता था। इससे ससुराल वालों से भी अनबन रहती थी। चेतन के पिता रिटायर्ड फौजी रक्षपाल के मुताबिक मंगलवार को बहू से बेटे का करीब दो घंटे झगड़ा हुआ। इसके बाद बेटे ने ससुराल वालों के दबाव में आकर फांसी लगा ली। जब वह घर पहुंचे तो देखा कि बेटे ने फंदे से लटककर जान दे दी है और ससुराल वाले वहां मौजूद थे। उन्होंने ससुराल वालों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की बात कही है।

चार घंटे के ब्लॉक से तीन ट्रेनों का संचालन निरस्त

बरेली, अमृत विचार : इज्जतनगर रेल मंडल यांत्रिक कारखाना के पास अंडरपास के निर्माण के लिए दूसरे चरण का ब्लॉक मंगलवार देर रात से शुरू हुआ। चार घंटे के ब्लॉक के दौरान गर्डर हटाए गए। इसकी वजह से तीन ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहा। पहले चरण में ब्लॉक लेकर सेगमेंट बॉक्स रखे गए थे। इज्जतनगर रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि पहले अस्थाई रूप से जो गर्डर रखे गए थे, उन्हें मंगलवार देर रात तक हटाया गया। उन्होंने बताया कि 14–14 मीटर के दो और साढ़े सात मीटर का एक सेगमेंट बॉक्स रखा गया है। तीन सेगमेंट बॉक्स रेलवे लाइनों के नीचे रखे गए हैं। उन्होंने बताया कि रात में 21:45 से 1:45 बजे तक ब्लॉक के दौरान 05307 टनकपुर बरेली, 05311 और 05312 पीलीभीत–बरेली सिटी–पीलीभीत ट्रेनों का संचालन निरस्त रहा। इसी अवधि में बुधवार को भी ब्लॉक लिया जाएगा, जिसकी वजह से 05308 बरेली–टनकपुर ट्रेन का संचालन निरस्त रहेगा।

एमडी के दौरे की सूचना पर बस अड्डों पर व्यवस्थाएं कीं दुरुस्त

बरेली, अमृत विचार : परिवहन निगम के एमडी मासूम अली सरवर के दौरे की वजह से जिले में अधिकारी अलर्ट पर रहे। अधिकारियों ने पुराने और सेटेलाइट बस अड्डे पर साफ सफाई के साथ अन्य व्यवस्थाएं सही रखीं। इसके अलावा नियमित बसों को भी चलाया गया लेकिन एमडी नहीं पहुंचे तो अधिकारियों ने राहत की सांस ली। अब एमडी गुरुवार को जिले में निरीक्षण कर सकते हैं।

पिछले सप्ताह के मुकाबले भले ही मंगलवार को तापमान कम रहा लेकिन मतगणना के दौरान तेज धूप और गर्मी से लोग बेहाल हो गए। पीने के पानी के लिए मतदान कर्मियों और सुरक्षा कर्मियों को काफी जद्दोजहद करनी पड़ी। ● अमृत विचार

जनता ने नफरत और अहंकार को हराया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में देश को झूठे सपने दिखाकर ठगा था। अब उनके अहंकार को तोड़ते हुए उन्हें जनता ने बहुमत से दूर कर मजबूत विपक्ष खड़ा किया है। अब वह बैसाखी पर चलने वाली जोड़तोड़ की सरकार ही बना पाएंगे। देश की जनता ने नफरत और अहंकार को हराकर देश को जोड़ने वालों को मजबूती दी है। जो पार्टी अहंकार से कांग्रेस मुक्त भारत की बात करती थी, वह बहुमत तक नहीं पहुंच पाई। यूपी में इंडिया गठबंधन की जीत जनता की जीत है। **– मिर्जा अशफाक सकलैनी**, कांग्रेस जिलाध्यक्ष

जनता का फैसला स्वीकार है। आंवला लोकसभा क्षेत्र की जनता और बसपा संगठन ने काफी प्यार और आशीर्वाद दिया। काफी कम समय की चुनावी तैयारी के बावजूद लगभग एक लाख वोट मिले हैं, इसके लिए जनता का धन्यवाद। जिस तरह बिना पक्षपात लोगों की सेवा करते थे, उसी तरह आगे भी करते रहेंगे।
– आबिद अली, बसपा उम्मीदवार

यह जनादेश भाजपा की गलत नीतियों, और अग्निवीर जैसी गलत योजना के खिलाफ है। पेपरलीक जैसी नाकामियों की वजह से भाजपा को प्रदेश में हार का सामना करना पड़ा। समाजवादी पार्टी देश में तीसरे सबसे बड़े दल के रूप उभर कर आई है और इस लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया है। **–मयंक शुक्ला**, प्रदेश प्रवक्ता समाजवादी पार्टी

बरेली लोकसभा चुनाव के नतीजों ने साबित कर दिया है कि आमजन धर्म और नफरत की राजनीति से बाहर आना चाहता है। भविष्य की नई सरकार से हम उम्मीद करते हैं कि वह देश में सौहार्द को कायम करने के साथ विकास और आम आदमी की प्राथमिकता पर ध्यान देगी। **–एडवोकेट मुहम्मद खालिद जीलानी**, आरटीआई एवं सोशल एक्टिविस्ट

मोदी, मुद्दों और मुसलमानों ने तय की चुनाव की दिशा

मुद्दों से निपटने के लिए ध्रुवीकरण की और तेज कोशिशों ने मुसलमानों को भाजपा के खिलाफ और एकजुट किया

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बरेली और आंवला की सीटों पर चुनाव की दिशा काफी हद तक मोदी, मुद्दों और मुसलमानों ने तय की। मोदी और मुद्दों के बीच मुसलमानों की भूमिका और भी ज्यादा प्रमुख रही। चुनाव को ध्रुवीकरण की ओर ले जाने की कोशिशों के बीच ही भाजपा ने अपने खिलाफ इस ताकत को नाकाम करने के लिए भरपूर कोशिश की। विरोधी दलों के कुछ मुस्लिम नेताओं को सीधे तौर पर तोड़कर भाजपा में लाया गया तो कुछ से अंदरखाने हाथ मिलाया गया। बरेली में आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर और मौलाना शहाबुद्दीन की ओर से सपा का खुला विरोध भी भाजपा के माफिक रहा। हालांकि मुसलमानों का रुख ज्यादा नहीं बदला।

धार्मिक मुद्दों पर मुसलमानों में खामोशी जुबां पर छाए शिक्षा और रोजगार के मुद्दे

विधानसभा चुनाव 2017 के बाद मुसलमानों का सपा से जुड़ाव चुनाव दर चुनाव कमजोर होता गया। इसकी वजह चाहे भाजपा की यूपी में अपने प्रमुख विरोधी दल का वोट बैंक तोड़ने की कोशिशें रही हों या ध्रुवीकरण की राजनीति के नए दौर में मजबूर हुई सपा की बदली नीतियां, बहरहाल सपा नेता भी मानते हैं कि मुस्लिमों से कम हुए जुड़ाव की वजह से पार्टी पिछले कई चुनाव में अपना पुराना प्रदर्शन नहीं दोहरा पाई। यह स्थिति शायद इस बार भी बहाल रहती, लेकिन महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों से मुकाबले के लिए धार्मिक ध्रुवीकरण के लिए भाजपा की और ज्यादा कोशिशों ने मुसलमानों को कुछ अलग ही संदेश दे दिया। यही वजह मानी जा रही है कि उन्होंने इस बार भाजपा को हराने के लिए पूरा जोर लगा दिया।

बरेली और आंवला दोनों संसदीय क्षेत्रों में इस उलझे समीकरण का साफ असर दिखाई दिया। मुसलमानों के लगभग एकतरफा ध्रुवीकरण का ही नतीजा था कि बरेली में संतोष गंगवार को लोकसभा चुनाव 2019 में मिले वोटों से ज्यादा वोट पाने के बावजूद उनकी जीत का अंतर काफी कम रह गया। आंवला में पूरी तरह मोदी के नाम के सहारे चुनाव लड़े धर्मेंद्र कश्यप तो हार ही गए। बसपा प्रत्याशी आबिद के 95 हजार से ज्यादा वोट पाने के बावजूद वह न जीत सके, न ही अपने पिछले रिकॉर्ड की बराबरी कर सके। इससे काफी हद तक साफ हो गया कि विपक्ष जिन मुद्दों को लेकर चुनाव में उतरा, उसने भाजपा को अच्छा-खासा नुकसान पहुंचाया।

यूं तो लोकसभा चुनाव पूरे देश में मोदी, मुद्दों और मुसलमान के समीकरणों में उलझा रहा। भाजपा को उम्मीद थी कि मोदी के चेहरे और मुसलमानों के इर्द गिर्द राजनीति रखकर चुनावी नैया पार लगाई जा सकती है। इस चुनाव में मुसलमानों को लेकर भाजपा की दो तरफा राजनीति भी साफ देखने को मिली। एक तरफ तो भाजपा के नेता मुसलमानों के खिलाफ बयानबाजी कर रहे थो तो दूसरी तरफ मुस्लिम वोट बैंक में सेंधमारी करने का भी पूरा प्रयास किया गया। भाजपा को इसका कुछ हद तक तो फायदा मिला मगर फिर भी मुसलमान एक तरफा सपा-कांग्रेस गठबंधन के पक्ष में नजर आए।

ध्यान में रखने की बात यह भी है कि निवर्तमान सांसद संतोष गंगवार का मुस्लिम वोटरों पर भी अच्छा प्रभाव था। धर्मेंद्र कश्यप की भी मुसलमानों में इतनी पैठ थी ही कि चुनावी समीकरण कुछ हद तक बदले जा सकते थे। लेकिन चुनावी परिस्थितियों ने शुरू से ही जिस तरह करवट ली, उसकी वजह से धर्मेंद्र कश्यप तो चुनाव हारे ही, भाजपा को भी एक सीट खोनी पड़ी।

मौलाना तौकीर और शहाबुद्दीन से अब ये सवाल चर्चा में

आप ही बताइए... आपके कहने से कितने लोगों ने दबाया नोटा

लोकसभा चुनाव के दौरान आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर और आल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन ने सपा को मुस्लिमविरोधी पार्टी बताते हुए मुसलमानों से नोटा का बटन दबाने की अपील की थी। अब नोटा को पड़े वोटों से लोग दोनों की मुसलमानों में पैठ की तुलना कर रहे हैं। दरअसल, बरेली में इस बार सिर्फ 6260 वोट ही नोटा को मिले हैं जो लोकसभा चुनाव 2014 की तुलना में डाले गए 6,737 वोटों से कम हैं। लोकसभा चुनाव 2019 में भी नोटा को 3,824 वोट ही मिले थे। जाहिर है कि मुसलमानों पर अपने कथित प्रभाव के दम पर राजनीतिक दलों में धाक जमाने वाले इन दोनों के दावों पर सवाल खड़े हुए हैं। मौलाना शहाबुद्दीन की टिप्पणियों पर सोशल मीडिया पर उन्हें भाजपा में शामिल होने की भी सलाह दी जाती रही है।

मतगणना स्थल पर दिन भर रही हलचल

मतगणना स्थल से हार के बाद सपा नेताओं के साथ बरेली के प्रत्याशी प्रवीण सिंह ऐरन।

मतगणना स्थल पर आंवला से भाजपा प्रत्याशी धर्मेंद्र कश्यप। ● अमृत विचार

आंवला सीट से हार के बाद मतगणना स्थल से वापस जाते बसपा प्रत्याशी आबिद अली।

मतगणना स्थल पर जीत का चिह्न दिखाते कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

मतगणना स्थल पर पुलिस-प्रशासन के अधिकारी रहे सतर्क। ● अमृत विचार

जीत के बाद कार्यकर्ताओं का जश्न भी रहा फीका फीका

बरेली, अमृत विचार : बरेली से भाजपा प्रत्याशी छत्रपाल सिंह की जीत पर कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया लेकिन उनका जोश फीका-फीका रहा। ढोल-नगाड़े की धुन पर कुछ ही कार्यकर्ता जश्न मनाते दिखे। कुछ ने गुलाल भी खेला और आतिशबाजी भी की।

एक सीट जीतने की आधी खुशी

- आंवला हारने के साथ चार सौ पार का दावा धराशायी होने से भी लगा झटका
- 2014 में 2.40 लाख और 2019 में 1.67 लाख वोट से बरेली में जीती थी भाजपा

बरेली, अमृत विचार: भाजपा अपना गढ़ कहे जाने वाले बरेली की सीट तो बचाने में कामयाब रही लेकिन इस जीत पर भी पुरानी छाप नजर नहीं आई। पड़ोस में आंवला की सीट हार जाने और राष्ट्रीय स्तर पर चार सौ पार के दावे के धराशायी होने से यह खुशी और कम हो गई। बरेली के नए सांसद बने छत्रपाल सिंह की जीत पर जश्न तो मना लेकिन इसमें जोश नजर नहीं आया।

भाजपा आंवला सीट पर अपने प्रदर्शन को लेकर जरूर सशंकित थी लेकिन बरेली में बड़े अंतर से सुनिश्चित जीत का दावा किया जा रहा था। मंगलवार को मतगणना हुई तो दावा आधा ही पूरा होता नजर आया। छत्रपाल जीते तो लेकिन सिर्फ 35025 वोटों के अंतर से। इससे पहले पिछले दो चुनाव में संतोष गंगवार ने यह सीट भारी अंतर से जीती थी। लोकसभा चुनाव 2014 में संतोष को 5,18,258 मत मिले थे और उन्होंने प्रतिद्वंद्वी सपा प्रत्याशी आयशा इस्लाम को 2,40,685 वोटों के अंतर से हराया था। लोकसभा चुनाव 2019 में संतोष को 5,65,270 वोट मिले, उन्होंने प्रतिद्वंद्वी सपा-बसपा के संयुक्त प्रत्याशी भगवत सरन गंगवार को 1,67,282 मतों से हराया था।

जीत के बाद विजयी चिह्न दिखाते भाजपा प्रत्याशी छत्रपाल सिंह। ● अमृत विचार

संतोष का टिकट कटने से लगा था तगड़ा झटका

आठ बार सांसद रहे संतोष गंगवार का टिकट इस बार काटा गया तो स्थानीय भाजपा नेता सकते में आ गए। पार्टी का चुनाव अभियान भी कई दिन के लिए थम सा गया। इसी बीच पार्टी के एक धड़े के बरेली छोड़कर दुर्विजय सिंह शाक्य का चुनाव लड़ाने बदायूं चले जाने के मामले ने भी तूल पकड़ा। माना जा रहा है कि बाद में भाजपा नेतृत्व की कोशिशों से चुनाव अभियान पटरी पर जरूर आ गया लेकिन नुकसान की पूरी भरपाई नहीं हो पाई। इस घटनाक्रम का कुछ असर आंवला में भी पड़ा।

अमृत विचार
सूचना
प्रिय पाठक,
यदि आपका अपना प्रिय अखबार "अमृत विचार" मिलने या शुरू करने में कोई असुविधा हो रही हो तो निम्न नम्बर पर हमें सम्पर्क करें।
मो. : 9149383028, 8171573817
8218557116, 9627606999, 7017495144
9410632807
पढ़ते रहिये "अमृत विचार" सिर्फ ₹ 5/-

प्रवेश प्रारम्भ
बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, बरेली
बी.आई.यू. कॉलेज ऑफ ह्यूमनटीज एण्ड जर्नलिज्म
- बी.ए. (जर्नलिज्म)
- बी.ए. (मास कम्युनिकेशन)
- एम.ए. (जर्नलिज्म)
- एम.ए. (मास कम्युनिकेशन)
- एम.ए. (अंग्रेजी)
- एम.ए. (मनोविज्ञान)
बी.आई.यू. कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट
- बी.कॉम. (ऑनर्स)
- बी.बी.ए. (फाइनेन्स एण्ड टेक्सेशन)
- बी.सी.ए. (आई.टी. एंड मल्टीमीडिया)
- एम.कॉम.
- एम.बी.ए.
प्रवेश हेतु संपर्क करें :-
डॉ. आशीष शर्मा (9105500202) श्रीमती रिचा गुप्ता (9105500404) श्री अतुल बाबू (7409998289)

बरेली-आंवला से ज्यादा राष्ट्रीय रुझानों पर नजर

- पूरे दिन टीवी से चिपके रहे पक्ष-विपक्ष के समर्थक, रुझानों के उतार-चढ़ाव के साथ धीमी-तेज होती रहीं धड़कनें

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : शहर से कुछ दूर परसाखेड़ा में बरेली और आंवला सीट की मतगणना हो रही थी लेकिन लोगों की ज्यादा दिलचस्पी यह जानने में थी कि इस बार देश में किसकी सरकार बनने जा रही है। टीवी पर आने वाले रुझान दोपहर तक पल-पल भाजपा और विपक्ष दोनों का समर्थन करने वालों की धड़कन बढ़ाते रहे। शाम को जब तय हो गया कि एनडीए का आंकड़ा बहुमत को पार कर गया है, तब कहीं लोगों की नजरें टीवी से हटीं।

स्थानीय नतीजों से ज्यादा लोगों ने राष्ट्रीय स्तर के नतीजों में दिलचस्पी दिखाई। सुबह ही साफ हो गया कि भाजपा का चार सौ पार का आंकड़ा धराशायी होने जा रहा है तो भाजपा के समर्थकों को झटका लगा और विरोधियों की बांछें खिलने लगीं। हालांकि कुछ ही देर बाद यह भी तय हो गया कि बहुमत के नजदीक एनडीए ही पहुंच रहा है। बहुमत के आंकड़े पर तस्वीर कुछ साफ हुई तो लोगों की दिलचस्पी यह जानने में बढ़ गई केंद्रीय स्तर पर सरकार बनाने के लिए क्या उठापटक चल रही है। टीवी चैनलों पर किए जा रहे अलग-अलग दावे कभी लोगों को उत्साहित तो कभी मायूस करते रहे।

यूपी में भाजपा के मुकाबले इंडिया गठबंधन की बढ़त ने भी भाजपा समर्थकों को तगड़ा झटका दिया। लोगों का कहना था कि इस बार लोकसभा चुनाव में मध्यम वर्ग और नौकरीपेशा लोगों ने महंगाई, बेरोजगारी, पुरानी पेंशन, प्रतियोगी परीक्षाओं के रद्द होने जैसे तमाम मुद्दों पर वोट करके यूपी की सियासी तस्वीर बदल दी है।

भाजपा नेताओं में भी छाया सन्नाटा

उम्मीद के मुताबिक राष्ट्रीय स्तर के परिणाम न आने के साथ आंवला और बदायूं की सीट हारने का साफ असर भाजपा नेताओं पर दिखाई दिया। कुछ समय के लिए इन नतीजों ने पूरे भाजपाई खेमे को सन्नाटे में डुबा दिया। बरेली की सीट जीतने का शहर में हल्का-फुल्का ही जश्न मनाया गया। कुछ समय के लिए सरकार को लेकर भी अटकलें चलती रहीं।

– लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष होना आवश्यक है। यही संदेश भारत की जनता की ओर से दिया गया है। केंद्र सरकार लगातार विपक्ष पर हमला कर रही थी। जनता ने अब उसकी ताकत छीन ली है। हालांकि सरकार किसकी बनती है, इसके बाद ही कुछ कहा जा सकता है।
– अनुज शुक्ला

– लंबे समय से पीड़ित नौकरीपेशा लोगों की नाराजगी यूपी में सामने आई है। पुरानी पेंशन, लगातार बढ़ते टैक्स, महंगाई के मुद्दे प्रमुख थे जिन्हें विपक्ष ने हथियार बनाया, भाजपा ने इन मुद्दों को दूरी बनाकर सिर्फ धर्म के आधार पर चुनाव लड़ा। यही उसके लिए घाटे का सौदा साबित हुआ।
– पीके माहेश्वरी

– इस बार एक्स फैक्टर के रूप में युवाओं ने चुनाव में ज्यादा भागीदारी की है। बेरोजगारी, तमाम परीक्षाओं के रद्द होने से उनमें सरकार के खिलाफ काफी गुस्सा था। इंडिया गठबंधन ने युवाओं को अग्निवीर, पेपर लीक जैसे कई मुद्दों से जोड़े रखा जिसका फायदा उसे मिला।
– रमीज अली

– महंगाई चुनाव से पहले देश में एक बड़ा मुद्दा बनकर उभरी थी। काफी लोगों ने इसी मुद्दे को जेहन में रखते वोट किया, जिसका परिणाम आज साफ दिखाई दे रहा है। अब गठबंधन से कोई सरकार बनती भी है तो उसे निश्चित तौर पर महंगाई को कम करने पर ध्यान देना होगा।
– वर्तिका श्रीवास्तव

School Education
ADMISSION OPEN
For Advertisement Contact :
7906732664, 8445507002

EXCELLENT IAS ACADEMY
www.excellentias.org
विगत 14 वर्षों की सफलता के साथ.....सिविल सेवा परीक्षा के लिये समर्पित बरेली का सर्वोत्तम संस्थान
अजीत सिंह के निर्देशन में प्रयागराज व दिल्ली के विशेषज्ञों द्वारा संचालित
IAS/PCS
नये बैच शीघ्र प्रारम्भ
अब रामपुर गार्डन में
उपदेश कुमार (डिप्टी जेलर)
उत्तर प्रदेश पीसीएस परीक्षा 2023 में चयनित
7983948124, 9935264849
FULLY AC SMART CLASS ROOMS
L/2A35, रामपुर गार्डन, पतंजलि स्टोर के सामने, बरेली

PLACEMENT WITH 12-18 LACS CTC IS HABIT HERE
FUTURE
Learn · Assimilate · Transcend
BAREILLY
ADMISSIONS OPEN
B.Tech. • MBA • MCA • B.Pharm. • D.Pharm.
BAMS • BBA • BCA • ANM • GNM • B.Ed. • D.El.Ed
Polytechnic • B.Sc. (Nursing) • Diploma in X-Ray Tech./ OT Tech./ Optometry
Bareilly office: D-46, 2nd Floor, Butlar Plaza Ph.: 9012313333
Aonla : Pragati Nagar Gate, Shahbad Road. Ph.: 9105050471
Campus: Bareilly-Lucknow Road, Near Faridpur, Bareilly
Call: 9917480040 | www.futureinstitutions.org

समस्या आपकी समाधान

INTERNATIONAL SEXOLOGIST

Neat & Clean Hygiene
Clinic Activity

Fast Appointment

for Maximum 25 Minute only
Offline, Online

Justdial

PHIMOSIS (फिमोसिस) संक्रमण
पोस्ट हाइटिस, वैलानो हाइटिस मधुमेह के कारण भी हो सकता है।

Foreskin Panis Not Open, No Eract
कभी-कभी यौन सम्बन्ध नहीं बनाते एवं नामर्दी के शिकार हो जाते हैं (नपुसंका)

Phimosis and Paraphimosis Adult ED
शीघ्रपतन से पीड़ित हो सकते हैं।

Adult Circumcision Buried Penis
व्यस्कों जवान युवाओं की स्कीन पूरी खुल नहीं पाती जिसके कारण यौन सम्बन्ध नहीं बना पाते दर्द होता है और हर समय दर्द बना रहता है जिसके कारण वह मानसिक तनाव से ग्रसित रहते हैं।

नरेन्द्र कुमार-
मेरी शादी को 4 वर्ष हो चुके थे। मैं शीघ्रपतन रोग से पीड़ित था। कम्प्यूटर इंजीनियर होने के साथ-साथ जॉब में अपने पार्टनर से मिलता था तब मुझे 30 से 40 सेकेन्ड में मेरा शीघ्रपतन हो जाता था। एक दिन हम दोनो ने फैसला लिया और सीधे सिंह क्लीनिक पहुंचे दोनों ने इलाज करवाया। डॉ. सिंह ने जैसे मुझे दवाई दी मैं एक सप्ताह में ठीक हो गया। मुझमें वही जोश आने लगा जो जोश जवानी में आता था। आज मेरा वैवाहिक जीवन सफल हुथा। आज में जो कुछ हूं वो डॉ. सिंह की वजह से हूं।

पवन कुमार-
आयु 11 वर्ष बदायु बरेली, मेरा बेटा 11 वर्ष का हो चुका था शारीरिक एवं मानसिक रूप से देखने में ठीक था जन्म से लिंग एवं अण्डकोष छोटे थे जिसकी वजह से हम अत्यधिक परेशान रहते थे किस डाक्टर को दिखाएं एक दिन हमने अपने बच्चे को डॉ. वी.पी. सिंह को दिखाया पहले उन्होंने जाँच कराई और जाँच के बाद इलाज सही तरीके से करवाया 8 महीने में बच्चे के लिंग का विकास होने लगा और क्रमश: बेटा ठीक हो गया।

धन्यवाद..DR. V.P. SINGH

नि:संतान स्त्री एवं पुरूष गुप्त रोगों से पीड़ित महिलायें ल्यूकोरिया पुरानी से पुरानी ल्यूकोरिया बांझपन आदि फलोपियन ट्यूब का बन्द होना IUI (इंट्रा यूटेराईन इन्सेमिनेशन, (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) IVF करवाना व पुरूषों में शुक्राणुओं का कम बनना आदि के लिए उचित परामर्श लें।

Singh Clinic
An ISO 9001-2008 Certify Clinic

Marriage Counseling
Pre n Post Marriage & Married Counsltant

Dr. V.P. Singh

D.Lit. (Ayurveda)
स्त्री एवं पुरूष
गुप्त रोग विशेषज्ञ
International Sexologist

रायल कालोनी, पीलीभीत बाईपास रोड, सैटेलाइट बस स्टैण्ड से 1 किमी. आगे, सतीपुर चौराहा, बरेली

9837057107
9837343729

Website: sexologistvpsingh.com
Website: drvpsinghsexologist.com

Google Maps

FOLLOW US :

भगन्दर, बवासीर

सभी प्रकार के बार-बार ऑपरेटेड
Complex Fistula (जटिल भगन्दर)
पाइल्स तथा एनल फिसर एवं
Anal Stenosis की क्षार सूत्र द्वारा
पूर्ण सफल चिकित्सा

सुश्रुत क्लीनिक

क्षार चिकित्सा गुदा एवं वृहदांत्र रोग
[COLO-RECTAL-CENTER]
28.बी, एकता नगर
स्टेडियम रोड, बरेली
9897030475
9411221895
7060162071

डॉ. लालता प्रसाद (सर्जन)
B.sc., B.A.M.S., D.Ay.M. सर्जरी
(I.M.S), (B.H.U.) वाराणसी
गुरू /प्रोफेसर - राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ
आयुष मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली
भू,पू, वरिष्ठ लेक्चरार
एस. आर. एम. स्टेट आयु कॉलेज, बरेली
Life-Member Association of Anaesthetists of Indian Medicine

45 वर्षों का कुशल अनुभव

डॉ. अभय प्रकाश (सर्जन)
B.A.M.S., M.S सर्जरी
क्षार सूत्र एवं गुदा रोग विशेषज्ञ

बाल गुदा रोग विशेषज्ञ
व समस्त गुदा रोग
भगन्दर, बवासीर,
ऐनल फिसर रेक्टल
पालिप, पाइलोनिडल
साइनस, कोलाइटिस

गुदा रोगों के लक्षण

मलद्वार से खून मवाद आना गांठ का मल द्वार से बाहर निकलना मल द्वार के आस पास बार-बार फोड़ा बनना एवं फूटना, बार-बार मल त्याग करना, मल द्वार में दर्द एवं खुजली होना

समय
प्रातः 10:00 से 2:00 बजे तक
सायं 7:00 से 8:00 बजे तक
रविवार
प्रातः 10:00 से 2:00 बजे तक
सायंकाल अवकाश

सैक्स रोगी मिलें

सैक्स रोगों का एकमात्र स्थायी समाधान

डॉ. रफीक

समय-रोजाना प्रातः 9 बजे से
सायं 5 बजे तक (रविवार अवकाश)
बड़ी बिहार, निकट डेलापीर मण्डी,
बरेली। मो. 9319929913

नामर्दी Impotance, नसों की कमजोरी, संभोग से घबराहट, उत्तेजना की कमी, स्त्रियों में सैक्स की इच्छा न होना, मानसिक तनाव आदि के लिए नि:संकोच मिलें।

ताकत, जोश, रुकावट और वैवाहिक जीवन का आनन्द उठाएं।

- शीघ्र पतन (Premature Ejaculation)
- धात रोग (Spermatorrhoea)
- स्वप्न दोष (Night Fall)
- वीर्य का पतलापन बगैरा का इलाज विशेष प्रकार की भस्मों, माजून, तिलों द्वारा किया जाता है।
- निल शुक्राणु (Azoospermia)
- शुक्राणुओं की कमी (Oligospermia)
- बांझपन (Sterility)
- सफेद पानी (Leucorrhoea)
- पेट में दर्द (Pelvic Pain)
- बार-बार गर्भपात होना

35 वर्षों का अनुभवी
आयुर्वेदिका, यूनानी इलाज कराएं,
जीवन में खुशियां लाएं।

ALA Herbal

ताकत, जोश, रुकावट
का स्थायी समाधान
कैप्सूल मैनसूल
(काम्बो पैक)

धात, शीघ्रपतन, नपुंसकता
के सम्पूर्ण समाधान के लिए इस पैक में तीन प्रकार के कैप्सूल है। तीनों तरह के एक-एक कैप्सूल दूध के साथ खाने से हर प्रकार की कमजोरी ठीक हो जाती है। यह शुक्राणुओं की कमी को दूर करता है। इम्युनिटी पावर को बढ़ाता है। Streess, Depression में लाभ करता है।

यह पूर्णतयः हर्बल है, इसका कोई साइड इफैक्ट नहीं है

Flipkart, Amazon
पर उपलब्ध है।

Helpline No.
8439818102
7451039913

स्टॉकिस्ट
आरोग्य सदन बरेली
9837007202

बवासीर भगन्दर

ऑपरेशन से बचें
दर्द रहित उपचार

सैक्स

रोगियों का यूनानी आयुर्वेदिक इलाज

डॉ. एस.के. गुप्ता

(गुप्त रोग चिकित्सक)
बवासीर भगन्दर रोग विशेषज्ञ
ऑपरेशन से बचें # दर्द रहित उपचार

धातरोग स्वप्नदोष, नामर्दी इन्द्रियों में ढ़ीलापन उत्तेजना के बाद ढ़ीलापन हो जाना, पेशाब में पीलापन जलन शीघ्रपतन शुक्राणु लिकोरिया- स्वेतप्रदर रक्त प्रदर, कमर में दर्द, महावारी टाइम पर न होना नलों का बंद होना योनि का ढ़ीलापन सेक्स की इच्छा न होना। चर्म रोग कील मुहासों का आयुर्वेदिक यूनानी दवाओं द्वारा इलाज।

नशा छुड़ाए? नशे से कुछ ही दिनों में छुटकारा पायें।

नोट:- हर जगह से निराश रोगी एक बार अवश्य मिलें।

डॉ. सी.पी. गुप्ता क्लीनिक

स्थापित 1960

माध्यमिक शिक्षा परिषद बोर्ड आफिस के सामने, चौपुला से कुतुबखाना रोड, बरेली।

मो. 9259082174

अम्बा हैल्थ क्लीनिक

डा. आर. एस. सिंह

B.A.M.S.F.R.H.S. (आयुर्वेदाचार्य)

स्वास्थ्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ

- रजि. भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा मान्यता प्राप्त
- 27 सालों से स्वास्थ्य एवं गुप्त रोगों का चिकित्सा अनुभव

पतले दुबले, गाल पिचके व कमजोर स्त्री/पुरूष तंदरूस्ती प्राप्त करें।

मोटे होने का रामवाण इलाज

नवयुवक-युवतियां 3 से 4 इंच तक लम्बाई बढ़ायें

विशेष चिकित्सा:- ● भूख न लगना ● कब्ज ● अपच ● गैस ● खाने के बाद शौचालय जाना ● शारीरिक अंगों का विकास रूकना ● पुलिस फोर्स एवं फिल्मों में आदि में भर्ती में नाप-तोल में कमी होना ● 3 से 4 इंच कद लम्बा करें। ● बच्चों का बिस्तर में पेशाब करना मोटे व थुल-थुले व्यक्ति वजन कम करें। ● कील, मुंहासे, झाइयां, सफेद दाग दूर करें सावलांपन हटायें और सुन्दर बनें। ● बालो का झड़ना व टूटना एवं सफेद होना व गंजापन दूर करें। ● खूनी व वादी बवासीर का रामबाण इलाज।

शराबी को बिना लाये, बिना बताये शराब व अन्य नशा छुडायें।

नारी तत्व को सुडौल व आकर्षक बनायें एवं वैवाहिक जीवन को सफल बनायें

सैक्स समस्यायें

छिपाएं नहीं बताएं या मिलें

स्वप्नदोष, शीघ्रपतन, मर्दाना कमजोरी

- शुरु से लाभ, 40 से 80 दिनों में इलाज सम्भव।
- हस्तमैथुन व धात जाने से नसों में खराबी।
- इन्द्री का ढ़ीलापन, पतलापन, छोटापन दूर करें।
- वीर्य में शुक्राणु निल होना या कम होना।
- ल्यूकोरिया, बांझपन, बच्चेदानी में रसौली होना।
- योनि का ढ़ीलापन होना व सैक्स इच्छा कम होना।
- मासिक धर्म अनियमित होना या उम्र पहले बन्द होना।

Sexually Transmitted Bacterial Disease

सुजाक, गिनोरिया, एड्स, यौन अंगो पर खुजली या छाले पड़ने पर तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें।

गलत फिल्में देखने व फोन पर बातें करने से या पेशाब में चिपचिपा पदार्थ निकलने पर तुरन्त सम्पर्क करें।

10 से 21 वर्ष शादी से पहले जिन बच्चों की इन्द्री का छोटापन, पतलापन, मोटापन का रामबाण इलाज के लिए उन माता-पिता से निवेदन है कि अवश्य मिलें। कहीं ऐसा न हो कि शादी के बाद पछताना पड़े। (25 वर्षों का अनुभव)

विज्ञापन साथ लाने पर मेडिसिन पर 10% की विशेष छूट

मिलें सुबह 11 से सायं 5 बजे तक

दिनांक :- 09 जून 2024, रविवार
07 जुलाई 2024, रविवार

निकट बरेली कॉलेज, होटल मोती महल
काली बाड़ी चौराहा, बरेली

9837069463
7599211076

नीट में होनहारों ने लहराया सफलता का परचम

11722 छात्रों ने दी थी परीक्षा, उत्तीर्ण होने वाले अभ्यर्थियों के घरों में जश्न का माहौल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने मंगलवार को नीट (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा) का परीक्षाफल घोषित कर दिया।

परीक्षा में सफल हुए अभ्यर्थियों के घरों में जश्न का माहौल रहा। पांच मई को जिले में 17 केंद्रों पर परीक्षा हुई थी। 12 हजार अभ्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था। इसमें 11722 ने परीक्षा में भाग लिया था।

सौम्या का माता-पिता की तरह डॉक्टर बनने का था सपना

शहर के वरिष्ठ सर्जन डॉ. अमित अग्रवाल की बेटी सौम्या अग्रवाल ने बताया कि पिता और मां डॉ. मोनिका अग्रवाल के निर्देशन में परीक्षा की तैयारी की। वह नियमित पढ़ाई करने के साथ शाम को दो घंटा बैडमिंटन भी खेलती थीं। उन्होंने 720 में 683 अंक अर्जित किए। उनका शुरू से ही माता पिता की तरह डॉक्टर बनने का सपना था। डॉ. अमित ने बताया कि बेटी ने इंटर की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया था।

ध्रुव ने पहले प्रयास में ही पाई सफलता

स्टेडियम रोड निवासी ध्रुव अग्रवाल ने पहले प्रयास में ही सफलता प्राप्त की। उन्हें 720 में 700 अंक मिले। वह एक साल से परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। उन्होंने सफलता का श्रेय माता पिता और गुरुजनों को दिया है। पिता डा. सचिन अग्रवाल और मां गोल्डी अग्रवाल ने बताया कि ध्रुव ने काफी मेहनत की और लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखा। उसने पढ़ाई के साथ खेलकूद को भी समय दिया।

कुशाग्र ने आठ घंटे की रोजाना पढ़ाई

हार्टमन निवासी कुशाग्र सक्सेना ने नीट में 685 अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की है। उन्होंने मां मंजू सक्सेना को सफलता का श्रेय दिया है। बताया कि परीक्षा की तैयारी करीब डेढ़ साल से कर रहे थे। इसके लिए उन्होंने नियमित रूप से रोजाना 8 घंटे पढ़ाई की। इस दौरान सोशल मीडिया से दूरी बनाकर रखी।

कलश शुक्ला की सफलता से माता पिता खुश

ग्रीन पार्क निवासी कलश शुक्ला ने नीट में 720 में 705 अंक प्राप्त किए हैं। बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत पिता एआरपी लक्ष्मी कांत शुक्ला और मां एसआरजी डा. लक्ष्मी शुक्ला बेटी की इस सफलता से गदगद हैं। कलश के भाई हर्ष शुक्ला एमबीबीएस कर रहे हैं। माता पिता ने बताया कि बेटी शुरू से ही होनहार रही है। उसने मेहनत के दम पर यह सफलता प्राप्त की है।

तीसरे प्रयास में हुए सफल

नवाबगंज के ग्राम टाह प्यारी नवादा वासी किसान मो. लईक अल्बी के पुत्र मो. सरफराज ने तीसरे प्रयास में कामयाबी हासिल की, वह 680 अंक पाकर नीट में सफलता प्राप्त की हैं।

सरफराज।

मेडिट के छात्रों का रहा शानदार प्रदर्शन

बरेली, अमृत विचार : नीट में मेडिट कोचिंग संस्थान के छात्रों का प्रदर्शन शानदार रहा। सुहानी वार्ष्णेय ने 720 में 686, उत्कर्ष गुप्ता ने 676, सायम सिंह ने 667, अंजलि गंगवार ने 653 और पंखुड़ी माथुर ने 649 अंक अर्जित कर संस्थान का नाम रोशन किया। परीक्षाफल घोषित होने के बाद से ही संस्थान में जश्न का माहौल बना हुआ है। संस्थान के डायरेक्टर विशाल वार्ष्णेय, विपुल गोविल, ओमेंद्र यादव आदि शिक्षकों ने सफल हुए छात्रों को बधाई दी है।

ओमेगा के छात्रों ने भी नीट में पाई सफलता

बरेली, अमृत विचार : नीट में ओमेगा क्लासेज के छात्रों ने संस्थान का नाम रोशन किया है। नीट में मो. आकिब रजा ने 720 में से 696, नंदनी टंडन और अमान खां ने 694, अमान बेग ने 685, सृष्टि सिंह ने 682, जिबरान ने 677, अंशिका ने 672, अनमता अंसारी और अयान इस्माईल ने 667, सालिहा अंजुम ने 660, रिफत अंसारी ने 667, खुशबू ने 666, सोहेल खां ने 663, प्रखर पटेल ने 659, जैफी कॉजी ने 655, अशमी नूर ने 652, सलीम खां ने 655, गौरव कुमार ने 652, कपिल कुमार ने 657 और बुशरा मिर्जा ने 639 अंक अर्जित किए। संस्थान के एमडी मो. कलीमुद्दीन ने सभी छात्रों को बधाई दी है।

कपिल। अस्मी नूर। अनमता अंसारी। प्रखर पटेल।
अंशिका। तुषार कुमार सिंह। मो. आकिब। अमान खां।
जिबरान। सृष्टि सिंह। अमान बेग।

प्रवेश प्रारम्भ

B.I.U. BIUCOP BAREILLY Towards Professional Excellence

बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, बरेली

बी.आई.यू. कॉलेज ऑफ फार्मेसी

फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (PCI), न्यू दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त

- डी. फार्मा (2 वर्षीय)
- बी. फार्मा (4 वर्षीय)
- एम. फार्मा (फार्मास्यूटिक्स) (2 वर्षीय)
- एम. फार्मा (फार्माकोलॉजी) (2 वर्षीय)

रोहिलखंड कॉलेज ऑफ फार्मेसी

फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (PCI), न्यू दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त

- डी. फार्मा (2 वर्षीय)
- बी. फार्मा (4 वर्षीय)

रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल कैंपस, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली (उत्तर प्रदेश)

केशलता कॉलेज ऑफ फार्मेसी

फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (PCI), न्यू दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त

- डी. फार्मा (2 वर्षीय)

मो. 9457672942

केशलता हॉस्पिटल कैंपस, डेलापीर रोड, बरेली (उत्तर प्रदेश)

बी.आई.यू. कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट

- एम.एच.ए. (2 वर्षीय)
- एम.पी.एच. (2 वर्षीय)

रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल कैंपस, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

For Registration : Online - www.biu.edu.in, offline - Admission Cell Administrative Block, BIU (9105500202),
E-mail : repsbareilly@gmail.com, bareillyrcps@gmail.com

प्रवेश हेतु संपर्क करें :-

डॉ. आशीष शर्मा (9105500202) श्रीमती रिचा गुप्ता (9105500404) योगेन्द्र सिंह (9760578366)

नवाबगंज की बेटियों ने नीट में किया नाम रोशन

नवाबगंज, अमृत विचार : नीट में क्षेत्र के तीन युवाओं ने कामयाबी हासिल कर नवाबगंज का नाम रोशन किया है। जिनमें नगर की दो बेटियों ने तो ग्रामीण अंचल से एक युवा ने तीसरे प्रयास में सफलता प्राप्त की है। नवाबगंज के चावल व्यवसाई मो. अकबर की बेटी शुमायरा अकबर ने अपने पहले प्रयास में 682 अंक पाकर कामयाबी हासिल की है। तीन भाई बहनों में सबसे बड़ी शुमायरा ने इंटर की परीक्षा नगर के ही सेंट थामस स्कूल से पास की है। नई बस्ती निवासी सिलाई कारीगर नसीर अंसारी की बेटी सलिहा अन्जुम ने भी अपने तीसरे प्रयास में नीट परीक्षा 660 अंक प्राप्त कर कामयाबी पाई है।

सुमायरा। सलिहा अंजुम।

फरीदपुर में डंपिंग ग्राउंड में लगी आग से मचा हड़कंप

फरीदपुर, अमृत विचार : फैक्ट्री से निकला कचरा खरीदकर डंपिंग ग्राउंड में रखा था, जिसमें आग लगने से फैक्ट्री कर्मचारी दहशत में आ गए। सूचना पर दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया।

फरीदपुर के ग्राम अंधरपुरा शंकरपुर निवासी बलिस्टर सिंह ने अपना खेत रूद्रपुर निवासी याकूब को किराए पर दे रखा है, जिसमें एक कमरा भी बतौर गोदाम बना हुआ है। याकूब के अनुसार उसने 5 साल से खेत को किराए पर ले रखा है और उसी में कारोबार करता है जिसमें वह फैक्ट्री के निकाले गए पन्नी फोम का कचरा पेंट के डिब्बे आदि को खरीद कर जमा करता है और जमा होने के बाद गाड़ियों से लोड कर कर बेच देता है। याकूब ने बताया मंगलवार लगभग दोपहर 2:00 बजे उसने अपने डंपिंग ग्राउंड में आग को सुलगता देखा, जो धीरे-धीरे विकराल हो गई, जिसकी सूचना उसने अग्नि शमन विभाग को दी। आग बुझाने के लिए फरीदपुर और बरेली की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका धीरे-धीरे पूरे डंपिंग ग्राउंड में फैल गई। पास में बने गोदाम को भी आग ने अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी भयंकर थी कि गोदाम की दीवारों में दरार आ गई। पास में खड़े पीपल का पेड़ भी जल गया, आग देखकर शंकरपुर गांव के लोग भी दहशत में आ गए।

डीबीओएल ने राहगीरों को बांटा शरबत

मीरगंज, अमृत विचार : धामपुर बायो ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (डीबीओएल) ने मीरगंज में मंगलवार को गर्मी को देखते हुए शरबत वितरण किया। इस दौरान मिल के अधिकारी और कर्मचारियों के साथ ही राहगीरों ने शरबत का आनंद लिया। शरबत वितरण संजय कुमार श्रीवास्तव इकाई प्रमुख के नेतृत्व में किया गया। इस मौके पर मिल प्रबंधक अरविंद गंगवार, रवि गुप्ता, जय गोपाल चावला, आजाद सिंह, सुमोध सिंह, संजय कुमार सिंह, विजय शुक्ला समेत अन्य रहे।

संदिग्ध हालत में महिला की मौत परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

- हत्या का संदेह जताने पर दोनों पक्षों में हुई मारपीट

भमोरा, अमृत विचार : एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में सोमवार को पानीपत में मौत हो गई, परिजन मंगलवार शाम को शव लेकर जब गांव पहुंचे तो मायके वालों ने हत्या का संदेह जताया तो दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। इसके बाद परिजनों ने थाने पहुंचकर पुलिस पोस्टमार्टम कराने को तैयार हो गई। दातागंज के गांव सपरेडा निवासी चुन्नीलाल ने बताया उन्होंने बेटी प्रीति (23) की शादी ढाई साल पहले भमोरा थाना क्षेत्र के गांव बल्लिया निवासी राहुल के साथ की थी। जिसके बाद राहुल परिवार के साथ हरियाणा के पानीपत मजदूरी करने चला गया मंगलवार सुबह प्रीति के भाई सत्यवीर के पास फोन आया की प्रीति की बीमारी से मौत हो गई है जिसे लेकर गांव आ रहे हैं। मंगलवार शाम 5:00 बजे पानीपत से जब शव बल्लिया आया तो प्रीति के पिता चुन्नीलाल भाई सतवीर मां कुसुम लता और गांव के 10-12 लोग साथ आए जब प्रीति के शव को देखा तो हत्या की आशंका का जताने लगे। जिस पर दोनों पक्षों में मारपीट हो गई जिसके बाद थाने पहुंचे प्रीति के परिजनों को पुलिस ने घटना पानीपत की बताते हुए वहीं रिपोर्ट दर्ज कराने को कहा। इसके बाद परिजनों की मांग पर पुलिस ने तहरीर लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

प्रवेश प्रारम्भ

B.I.U. FOPS BAREILLY Towards Professional Excellence

बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, बरेली

फैकल्टी ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज

उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी, लखनऊ द्वारा मान्यता प्राप्त

- बैचलर इन मेडिकल लेबोरेटरी साइंस (बी.एम.एल.एस.) (3 वर्षीय)
- बैचलर इन फिजियोथिरेपी (बी.पी.टी.) (4 वर्षीय)
- बैचलर ऑफ आप्टोमेट्री (बी. आप्टम) (3 वर्षीय)
- बैचलर इन मेडिकल रेडियोलॉजिक इमेजिंग टेक्नॉलॉजी (बी.एम.आर.आई.) (3 वर्षीय)
- बैचलर इन ऑपरेशन थियेटर टेक्नोलॉजी (बी.ओ.टी.टी) (अगामी पाठ्यक्रम) (3 वर्षीय)
- एम.एस.सी. क्लीनिकल एंब्रियोलॉजी (अगामी पाठ्यक्रम) (2 वर्षीय)
- मास्टर इन मेडिकल लेबोरेटरी साइंस (एम.एम.एल.एस. (अगामी पाठ्यक्रम) (2 वर्षीय)
- मास्टर ऑफ फिजियोथिरेपी (एम.पी.टी.) (अगामी पाठ्यक्रम) (2 वर्षीय)

फैकल्टी ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज

- बी.एस.सी. फॉरेंसिक साइंस (3 वर्षीय) (डिग्री कोर्स)

रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल

उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी, लखनऊ द्वारा मान्यता प्राप्त

- डिप्लोमा इन एक्स-रे टेक्नीशियन (2 वर्षीय)
- डिप्लोमा इन लैब टेक्नीशियन (2 वर्षीय)
- डिप्लोमा इन रेडियोथिरेपी टेक्नीशियन (आगामी पाठ्यक्रम) (2 वर्षीय)

रोहिलखंड कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज

उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी, लखनऊ द्वारा मान्यता प्राप्त

- डिप्लोमा इन डायलेसिस टेक्नीशियन (2 वर्षीय)
- डिप्लोमा इन एम.आर.आई. टेक्नीक्स (2 वर्षीय)
- डिप्लोमा इन इमरजेन्सी एण्ड ट्रामा केयर टेक्नीशियन (2 वर्षीय)
- सर्टिफिकेट इन सेनीटेशन (1 वर्षीय)

For Registration : Online - www.biu.edu.in, offline - Admission Cell Administrative Block, BIU (9105500202),
E-mail : repsbareilly@gmail.com, bareillyrcps@gmail.com

प्रवेश हेतु संपर्क करें :-

डॉ. आशीष शर्मा (9105500202) श्रीमती रिचा गुप्ता (9105500404) डॉ. प्रशांत गुप्ता (8445508214)

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बरेली संस्करण

स्मृतियाँ शेष

निधन | अंतिम यात्रा | पुण्यतिथि
पीपलपानी | स्मृतियां | उठावनी | पगड़ी

साइज व रेट

साइज --------5cmX8cm / 1000 with GST
साइज --------10cmX8cm / 1800 with GST
साइज --------15cmX8cm / 2500 with GST

अन्य साइज कलर 25 रुपए प्रति वर्ग सेमी.।

शोक संदेश प्रकाशित कराने हेतु सम्पर्क करें :-

0581-4000222

हेड ऑफिस :- 932, कटरा चांद खां भारत पेट्रोल पम्प के सामने, पीलीभीत बाईपास रोड बरेली 243006

यज्ञ कर पानी सहेजने का दिया मंत्र

भोजीपुरा, अमृत विचार : पूर्व जिला पंचायत सदस्य जसवंत सिंह गंगवार के सौजन्य से गांव कमुआ में जल प्रवर्षण यज्ञ हुआ। पंडित हरिओम गौतम ने लोक कल्याण के लिए 1017 वां यज्ञ करते हुए कहा कि आने वाला कल जल संकट खड़ा कर सकता है। प्राकृतिक आपदाओं से रक्षा के लिए पहले ऋषि मुनि यज्ञ करते थे, हम भी यज्ञ के माध्यम से ईश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं साथ ही लोगो को जागरूक एवं सावधान कर रहे हैं, कि पानी का दुरुपयोग न करें और न होने दें। इस मौके पर प्रधान संघ अध्यक्ष कुलवंत सिंह व विकास गंगवार का विशेष सहयोग रहा।

पुलिस मुठभेड़ में दो मांस तस्कर दबोचे

भोजीपुरा, अमृत विचार : मुठभेड़ में पुलिस ने दो मांस तस्करों को गिरफ्तार किया है। एक के पास से देशी तमंचा और दूसरे के कब्जे से एक चाकू बरामद हुआ है। दोनों पिछले दिनों पिपरिया रामदयाल में हुई गोवंशीय पशुओं की हत्या में नामजद थे। सोमवार रात दो बजे पुलिस को सूचना मिली कि रिठौरा रोड से सिंचाई कायस्तान जाने वाले रोड पर मांस तस्कर गोवंशीय पशुओं की हत्या करने की फिराक में घूम रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही मांस तस्करों ने पुलिस दल पर फायर कर दिया। पुलिस ने बचते हुए दोनों को पकड़ लिया। आरोपियों की पहचान मोहम्मद शरीफ निवासी अलीनगर और भूरा निवासी अलीनगर थाना भोजीपुरा के रूप में हुई।

सार-संक्षेप

प्रभु को ही सुनानी चाहिए अपनी पीड़ा

बरेली, अमृत विचार : मॉडल टाउन स्थित श्री हरि मंदिर में चल रही नौ दिवसीय श्रीराम कथा के चौथे दिन मंगलवार को कथाव्यास पं. बृजेश पाठक ने कहा कि लोगों का स्वभाव होता है कि जब उन्हें कोई अपनी पीड़ा सुनाते है तो वे संवेदना दिखाते हैं, लेकिन बाद में हंसकर समाज में कह देते हैं, इससे कुछ लाभ नहीं होता। संत अपना दुख सुनाने के लिए मना करते हैं, कहते हैं कि अपना दुख प्रभु को ही सुनाना चाहिए, जो तुम्हारा दुख सुनेंगे और उसका निवारण भी कर देंगे। प्रभु अपने भक्त की बात हर जगह से सुनते हैं। मंदिर समिति के अध्यक्ष सतीश खट्टर, सचिव रवि छाबड़ा, विश्वनाथ सपरा, गिरीश आनंद, संजीव अरोरा, हरीश लुनियाल, कपिल साहनी समेत अन्य रहे।

दोहरे शतक के करीब पहुंचे मलेरिया के मरीज

बरेली, अमृत विचार : जिले में मलेरिया के मरीज बढ़कर करीब दो सौ हो गए हैं। बारिश के बाद मलेरिया मरीज तेजी से नए मामले बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि मरीजों की संख्या शहर की तुलना में देहात क्षेत्र में ज्यादा है। 1 से 30 जून तक मलेरिया रोधी महीने की शुरुआत हुई है। जिला मलेरिया अधिकारी ने मेडिकल मोबाइल यूनिट (एमएमयू) को संवदेनशील पांच ब्लॉकों में स्क्रीनिंग के लिए लगाया है। एमएमयू की टीमें लगातार गांव-गांव जाकर बुखार के रोगियों की जांच करने के साथ लोगों को जागरूक भी कर रही हैं। जिला मलेरिया विभाग से मिली रिपोर्ट के अनुसार जिले में अब तक मलेरिया के 197 मरीज सामने आ चुके हैं। जिला मलेरिया अधिकारी सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि शहर की तुलना में देहात क्षेत्र में मलेरिया का प्रकोप अधिक है। जहां भी मरीज सामने आ रहे हैं वहां टीमें निरोधात्मक कार्रवाई कर रही हैं।

बिजली केबल में लगी आग, दमकल कर्मियों ने बुझाई

आंवला, अमृत विचार : बिजली केबल में आग लगने से दुकान के बाहर लगा बोर्ड जल गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग पर काबू पाया। लोगों की सजगता से बड़ा हादसा टल गया। आंवला के सरगम रिसॉर्ट तिराहे के समीप कमल इंटरप्राइजेज की दुकान से गुजर रही बिजली केबल में मंगलवार सुबह करीब 4:30 बजे अचानक आग लग गई। आग की लपटों से दुकान का बोर्ड जलने लगा। सुबह टहलने निकले नगरवासियों ने आग को देख तत्काल पुलिस बुला ली। लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, परंतु सफलता नहीं मिली। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

सांड़ की हत्या से पहले गोरक्षकों ने छुड़ाया

फरीदपुर, अमृत विचार : गोतस्करों ने रात में वध के लिए गन्ने के खेत में गोवंशीय पशु को रस्सी से बांधकर डाल दिया, रात में उसका वध करने के फिराक में थे, सुबह खेत पर काम करने गए किसानों ने देखा तो इसकी सूचना गौ रक्षकों को दी पुलिस भी पहुंच गई। सामूहिक कार्रवाई में तस्करों के शिकंजे में फंसे गोवंशीय पशु को खोला, डॉक्टर को बुलाकर इलाज कराया और कार्रवाई की मांग की। फरीदपुर के गांव नौगवा में सांड़ को तस्करों ने गन्ने के खेत में बांधकर डाल दिया, जिसका मंगलवार रात को वध करने की तैयारी में थे, लेकिन खेतों में काम करने गए किसान की नजर खेत में बधे सांड़ पर पड़ गई, जो रस्सी से जकड़ा हुआ था और बुरी तरह घायल था। किसानों की सूचना पर गौरक्षक और पुलिस पहुंच गई। ग्रामीणों की मदद से सांड़ को खोलकर डॉक्टर की टीम को बुलाकर उसका इलाज कराया इससे पहले भी इसी गांव में गोवंशीय के अवशेष मिले थे, जिस पर हिंदू संगठनों ने नाराजगी जताई थी फिर भी गोवंशीय पशुओं के वध पर लगाम नहीं लगी।

भाजपा की जीत पर कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

बरेली, अमृत विचार : भाजपा की जीत पर नवाबगंज, आंवला, फरीदपुर समेत देहात क्षेत्र में कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। बहेड़ी में पीलीभीत- बहेड़ी लोकसभा क्षेत्र से जितिन प्रसाद और बरेली लोकसभा सीट से छत्रपाल गंगवार की जीत पर पसमांदा समाज ने खुशी मनाई। इसी क्रम में नगर पालिका परिषद की वरिष्ठ सभासद शशि मिश्रा के आवास पर सजातीय बंधुओं की एक बैठक हुई जिसमें एक दूसरे का मुंह मीठा कराकर जीत की बधाई दी गई। दुनका में इस मौके पर सुबोध उपाध्याय, भरत शर्मा, आलोक उपाध्याय, मुंशी राठौर, प्रेम राठौर, डालचंद राठौर, हरीश राठौर, पप्पू रस्तोगी, अनमोल रस्तोगी, लक्ष्मी गंगवार, यश पंडित समेत अन्य ने मिठाई बांटी। भाजपा की जीत पर शेरगढ़ में चेयरमैन बुद्धसेन मौर्य, पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रमोद अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, भूपराम श्रीवास्तव, डॉ नत्थू लाल गंगवार, राजेंद्र गंगवार, कल्याण राय श्रीवास्तव, सत्यपाल शर्मा, बाबू राम मौर्य, पूर्व चेयरमैन ओमप्रकाश चंद्रा, ठाकुर वीरपाल सिंह, प्रधान संजय सिंह, हीरेंद्र गंगवार, पूर्व प्रधान अनिल गंगवार, केपी गंगवार, पूर्व प्रधान ओमवीर सिंह, ग्राम प्रधान मान सिंह, राहुल गंगवार, दिनेश शर्मा, राजीव बाजपेई, राघवेंद्र पाठक आदि मौजूद रहें। नवाबगंज में विधायक डॉ. एम पी आर्य, लेखराज गंगवार, पालिकाध्यक्ष पति भाजपा के जिला उपाध्यक्ष नीरेंद्र सिंह राठौर के साथ ही पूर्व पालिकाध्यक्ष पूर्व जिलाध्यक्ष रविन्द्र सिंह राठौर, विमला शुक्ला, राजीव शुक्ला, आचार्य अरविन्द, प्रेम प्रकाश रस्तोगी, नीरू सिंह सागर आदि के अलावा भाजपा के मण्डल अध्यक्ष राजीव गंगवार, पूर्व प्रधान मनोज शर्मा, रामपाल गंगवार, सरजू गंगवार आदि ने श्री गंगवार को इस जीत पर बधाई दी है। इसी क्रम में देवरनियां में सर्वेश कुमार कश्यप, मानसिंह, भगत सिंह राजपूत, रामवीर, मुकेश कुमार, विजय कुमार, अजय कुमार, नन्द प्रकाश, अमन मौर्या, ओमशंकर, रामकुमार, बाबू राम, शेर सिंह, राजीव कुमार वर्मा, जमुना प्रसाद, महेन्द्र पाल आदि ने जश्न मनाया।

निकाह का वादा करके किशोरी का किया शोषण

फरीदपुर, अमृत विचार : युवक ने किशोरी को निकाह का झांसा देकर शोषण किया। बातों में फंसाकर उससे घर से पचास हजार नकद और सोने के जेवर भी मंगा लिए। रात में उसके साथ दुष्कर्म करने के बाद वह निकाह से मुकर गया। धोखा मिलने के बाद किशोरी ने कोतवाली पहुंचकर परिजनों के साथ आरोपी और उसके भाई और मां के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराके कार्रवाई की मांग की। दर्ज कराई रिपोर्ट में किशोरी ने बताया कि वह जब स्कूल जाती थी तो रास्ते में युवक उसे मिलता था, उसने उसे प्रेम जाल में फंसाकर उसका शारीरिक शोषण करने लगा। उसे निकाह का झांसा देकर 31 मई को भाई और मां के सहयोग से अपने घर बुलाया और उससे दुष्कर्म किया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

आवश्यकता है

रेस्टोरेन्ट में एक बिलिंग कार्य करने वाले एकाउन्टेंट की व एक तन्दूरी शेफ की।
(रहने व खाने की सुविधा फ्री)

सम्पर्क करें

श्री कृष्णा रिजॉर्ट

बड़ा बाईपास, लखनऊ-दिल्ली हाइवे, NH-27, बरेली

मो. 6398112074

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

दक्षिण भारत से भाजपा को सिर्फ एक सीट का फायदा

दक्षिण भारत से कुल 132 सांसद चुनकर आते हैं। दक्षिण भारत की ये सीटें तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी, लक्षद्वीप और अंडमान निकोबार जैसे कुल आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आती हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में इन 132 सीटों में से कांग्रेस और भाजपा दोनों ने 29-29 सीटों पर जीत हासिल की थी। वहीं, इन दलों से काफी आगे क्षेत्रीय पार्टियों के 74 सांसद चुनकर लोकसभा पहुंचे थे। इस बार भाजपा को दक्षिण के इन राज्यों से अपेक्षित सफलता नहीं मिली है, जबकि पार्टी ने उत्तर भारत से होने वाले नुकसान की भरपाई दक्षिण से करने की व्यूह रचना की थी। भाजपा इस बार दक्षिण में केवल 30 सीटें जीत पा रही है।

केरल वोट शेयर

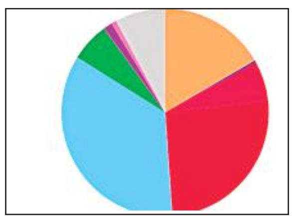

बीजेपी	16.68%
बीएसपी	00.25%
सीपीआई	06.17%
सीपीआई (एम)	25.79%
आईएनसी	35.00%
आईयूएमएल	06.10%
केईसी (एम)	01.37%
नोटा	00.79%
अन्य	07.84%

देश में तीन सबसे बड़ी जीत

इंदौर से भाजपा उम्मीदवार शंकर ललवानी ने 11.75 लाख वोटों से चुनाव जीतकर सबसे बड़ी जीत का रिकार्ड बनाया है। दूसरी बड़ी जीत कांग्रेस के नाम रही। असम में कांग्रेस उम्मीदवार रकीबुल हुसैन ने एआईडीयूएफ के प्रत्याशी बदरुद्दीन अजमल को 9.20 लाख वोटों के अंतर से हराया। मध्यप्रदेश में पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा में तीसरी बड़ी जीत हासिल की। शिवराज सिंह की जीत का अंतर 8 लाख 21 हजार वोट का रहा। साल 2019 में भाजपा के सीआर पाटिल ने साल 2019 में नवसारी (गुजरात) से सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी। साल 2019 में यूपी के मछलीशहर लोकसभा सीट से सबसे कम अंतर 181 वोट से जीत-हार का फैसला हुआ था।

केरल में पहली बार खिला कमल, कर्नाटक में लगी बड़ी चपत

मनोज त्रिपाठी

अमृत विचार। भाजपा जहां पहली बार केरल में खाता खोलने में कामयाब रही, वहीं कर्नाटक में उसे तगड़ा नुकसान उठाना पड़ा। 2019 में भाजपा ने कर्नाटक की 28 में से 25 सीटें जीत ली थीं। लेकिन इस बार भाजपा को 8 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है। पार्टी को 17 लोकसभा सीटों पर जीत मिली है। कांग्रेस ने लंबी छलांग लगाते हुए पिछली बार की एक सीट से आगे बढ़ते हुए इस बार 9 सीटों पर कब्जा कर लिया। भाजपा की सहयोगी पार्टी जेडीएस को दो सीटों पर सफलता मिली है। अश्लील सीडी कांड में आरोपी एचडी रेवन्ना के बेटे प्रज्वल रेवन्ना हासन से चुनाव हार गए हैं। कर्नाटक कभी भाजपा का गढ़ था, लेकिन वहां इस बार सीटें बढ़ने के बजाय घट गई हैं। कर्नाटक में भाजपा को जेडीएस के साथ अलायंस में उम्मीद थी कि वो पूरी 28 सीटें जीत लेगी। राज्य में क्लीन स्वीप के मकसद से भाजपा ने आधे से ज्यादा प्रत्याशी बदल दिए थे। इसका कई जगह विरोध हुआ। अंदर ही अंदर इस बात को लेकर नाराजगी भी थी। नतीजों में इसका असर दिख रहा है। इसके मुकाबले कांग्रेस ने अपनी 5 गारंटी को प्रमोट किया, जो सरकार में आने के बाद उसने लागू की थीं। इसमें महिलाओं को दो हजार रुपये महीना देना और फ्री बस यात्रा शामिल है। इनके चलते राज्य में शून्य पर पहुंच चुकी कांग्रेस इस बार 7 सीटें जीत गई।

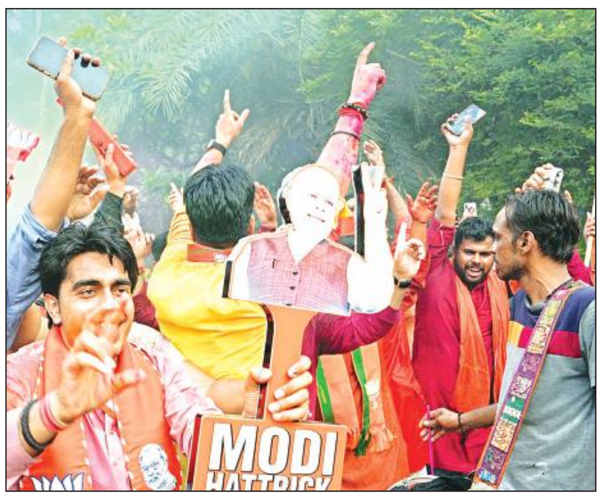

दिल्ली में जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता। अमृत विचार

दो दशक में दूसरा सबसे दयनीय प्रदर्शन

- 2004 : भाजपा ने 18 सीटें जीती
- 2009 : भाजपा ने 19 सीटें जीती
- 2014 : भाजपा ने 17 सीटें जीती
- 2019 : भाजपा ने 25 सीटें जीती
- 2024 : भाजपा ने 17 सीटें जीती

त्रिशूर जीतकर भाजपा ने इतिहास रचा कांग्रेस की एक सीट घटी

अमृत विचार। केरल में भाजपा ने त्रिशूर की सीट जीतकर पहली बार कमल खिला दिया। राज्य में 20 लोकसभा सीटें हैं। 2019 के चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने 19 सीटें जीती थीं। इसमें कांग्रेस को 15, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी को एक, केरल कांग्रेस (एम) को एक और आईयूएमएल ने दो सीटें मिली थीं। दूसरी तरफ वाम दलों के गठबंधन (एलडीएफ) में माकपा ही एक सीट जीत पायी थी। त्रिशूर को केरल की सांस्कृतिक राजधानी कहा जाता है। यहां भाजपा ने दूसरी बार अभिनेता से नेता बने सुरेश गोपी को मैदान में उतारा था। पिछली बार 2019 में भी वह इस सीट से चुनाव लड़े थे, लेकिन तीसरे नंबर पर पिछड़ गए थे। भाजपा ने उन्हें 2021 के विधानसभा चुनाव में भी त्रिशूर से मौका दिया था, लेकिन सफल नहीं हो पाए थे। आखिरकार इस बार सुरेश गोपी ने भाकपा प्रत्याशी वीएस सुनील कुमार को 75 हजार मतों से हराकर केरल में भाजपा को पहली सफलता दिलाकर इतिहास रच दिया। राज्य में इस बार कांग्रेस 14 सीटे जीतती नजर आ रही है। उसकी सहयोगी आईयूएमएल पिछली बार की तरह दो सीटें जीत रही है।

सुरेश गोपी।

असदुद्दीन ओवैसी। अमृत विचार

तेलंगाना में भाजपा ने दोगुनी की सीटों की संख्या

- तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी ने 8 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की है, तो राज्य की सत्ता पर काबिज कांग्रेस को भी 8 सीटों पर जीत मिली है। हैदराबाद से एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी चुनाव जीतने में सफल रहे हैं। पिछले चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 4 सीटों पर जीत मिली थी। इस तरह भाजपा को राज्य में 4 सीटों का फायदा मिला है।

तिरुवनंतपुरम में दूसरी बार दूसरे नंबर पर पिछड़ी भाजपा

2019 के चुनाव में भाजपा सिर्फ तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट पर दूसरे नंबर पर रही थी। इस बार पार्टी ने यहां से मोदी सरकार में आईटी मंत्री राजीव चंद्रशेखर को उतार कर जीत की उम्मीद लगाई थी। लेकिन तिरुवनंतपुरम सीट पर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने लगातार चौथी जीत दर्ज कर ली। उन्होंने राजीव चंद्रशेखर को कड़े मुकाबले में 16 हजार वोटों से हरा दिया। शशि थरूर को 3,58,155 जबकि राजीव चंद्रशेखर को 3,42,078 वोट मिले। तीसरे नंबर पर रहे सीपीआई के पन्नियन रवीन्द्रन 2,47,648 ने वोट पाए।

शशि थरूर।

ओडिशा में भाजपा को 10% का स्विंग, पटनायक नहीं रहे नायक

अमृत विचार। ओडिशा में विधानसभा की 147 और लोकसभा की 21 सीटों के चुनाव में भाजपा को बड़ा फायदा हुआ है। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 10 फीसदी वोट शेयर बढ़ाकर सूबे में बीजद की नवीन पटनायक सरकार को तगड़ा झटका दिया है। पिछले लोकसभा चुनाव में बीजद ने 12, भाजपा ने 8 और कांग्रेस ने एक सीट जीती थी। इस बार भाजपा ने 19 सीटें जीती हैं। उसका वोट शेयर 42 फीसदी है, जो कि 2019 में 32.49 फीसदी था। कांग्रेस और बीजद एक-एक सीट पर सिमट गए हैं। संबलपुर लोकसभा सीट पर भाजपा ने कब्जा कर लिया है। भाजपा उम्मीदवार धर्मेंद्र प्रधान 59162 वोट से जीत दर्ज की है। बीजद दूसरे नंबर पर रही। भुवनेश्वर संसदीय क्षेत्र से भी भाजपा ने जीत दर्ज की है। यहां अपराजिता सारंगी ने कड़े मुकाबले में बीजद के मन्मथ कुमार राउत्रे को शिकस्त दी। अपराजिता सारंगी को 512519 इतने वोट मिले जबकि मन्मथ को 477367 वोट मिले। कटक से भाजपा के भर्तुहरी महताब जीत गए हैं। उन्होंने बीजद के संत्रुप्त मिश्रा को हरा दिया है।

कांताबाजी सीट पर मिली हार: बीजद को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब मुख्यमंत्री नवीन पटनायक कांताबंजी सीट से चुनाव हार गए। उन्हें भाजपा के लक्ष्मण बाग ने 15 हजार मतों से पराजित कर दिया। बीजद अध्यक्ष पटनायक लगातार पांच बार से राज्य के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने साल 2000 में मुख्यमंत्री का पदभार संभाला था।

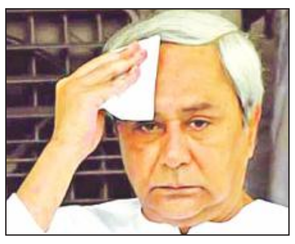

नवीन पटनायक।

- राज्य की 21 में से 19 लोकसभा सीटों पर खिलाया कमल
- विधान सभा चुनाव में पार्टी ने सरकार के लिए बहुमत पाया

विधान सभा चुनाव में भाजपा का परचम

- भाजपा ओडिशा में जीती गई और रुझान मिलाकर 85 विधानसभा सीटों पर आगे है। बीजू जनता दल (बीजद) के उम्मीदवार 47 सीटों पर आगे हैं। कांग्रेस 12 सीट पर और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) एक सीट पर आगे है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक विधानसभा सीट हिंजिली से जीत हासिल करते दिख रहे हैं। लेकिन उनके मंत्रिमंडल के कम से कम आठ मंत्री चुनाव हार गए हैं। ओडिशा विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 74 सीटों का है। 2019 के विधानसभा चुनावों में बीजद को 112 सीटें मिली थीं। जबकि भाजपा को 23 सीटें, कांग्रेस को नौ, सीपीआई एम को एक और एक सीट निर्दलीय के खाते में गई थी। पिछली बार बीजद को करीब 45 फीसदी वोट मिले थे। भाजपा को 33 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे। कांग्रेस के खाते में 16 फीसदी और अन्य को 6 फीसदी से कुछ अधिक वोट मिले थे।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने एक सीटगंवाई, भूपेश भी हार गए

अमृत विचार । छत्तीसगढ़ में भाजपा ने 10 तो कांग्रेस ने 1 सीट पर जीत दर्ज की है। 2019 में कांग्रेस ने 2 सीट जीती थीं, लेकिन इस बार वह बस्तर में चुनाव हार गई है। राजनांदगांव से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 44 हजार से ज्यादा वोटों से चुनाव हार गए हैं। कोरबा एक मात्र सीट कांग्रेस के हाथ में आई है। यहां से सांसद ज्योत्सना महंत ने फिर जीत दर्ज की है। उन्होंने भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय को 43 हजार से वोटों से हराया।

दिल्ली के दिल में मोदी क्लीन स्वीप की हैट्रिक

अमृत विचार । दिल्ली की 7 लोकसभा सीटों पर एक बार फिर भाजपा ने भगवा लहरा दिया है। साल 2019 में भी पार्टी ने यहां सातों सीटें अपने नाम की थी। हालांकि दिल्ली में इस बार कांग्रेस और आम आदमी पार्टी गठबंधन के तौर पर चुनाव मैदान में उतरी थी। लेकिन इसका फायदा उन्हें नहीं मिल पाया। भाजपा ने सभी सातों सीटों पर क्लीन स्वीप की हैट्रिक लगा दी। भाजपा ने 2014 और 2019 में भी दिल्ली की सभी सीटों पर जीत दर्ज की थी।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने 4 जबकि कांग्रेस ने 3 सीटों पर लोकसभा का चुनाव लड़ा था। भाजपा ने अकेले दम पर सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए थे। भाजपा के सभी प्रत्याशियों चांदनी चौक से प्रवीण खंडेलवाल, उत्तर पूर्वी दिल्ली से मनोज तिवारी, पूर्वी दिल्ली से हर्ष मल्होत्रा, नई दिल्ली से बांसुरी स्वराज, उत्तर पश्चिम दिल्ली से योगेंद्र चंदोलिया, पश्चिमी दिल्ली से कमलजीत सहरावत और दक्षिण दिल्ली से रामवीर सिंह बिधूड़ी ने जीत दर्ज की है। इंडिया गठबंधन के साथ बसपा के प्रत्याशी भी सभी सीटों पर हार गए। लोकसभा में मिली जीत से भाजपा दिल्ली में और मजबूत होगी। वहीं आम आदमी पार्टी की परेशानी बढ़ेगी। भ्रष्टाचार के आरोप में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित अन्य नेताओं के जेल में होने से आप के सामने पार्टी को एकजुट रखने की चुनौती होगी। मनोज तिवारी के मुकाबले कन्हैया कुमार ने हार मानते हुए कहा उत्तर पूर्वी दिल्ली की जनता ने विपक्ष की भूमिका का आदेश दिया है।

तमिलनाडु ने सीट नहीं दी, झोली में डाल दिए 11% वोट

चुनाव डेस्क

अमृत विचार । तमिलनाडु में इस बार भाजपा के पास खोने के लिए कुछ नहीं था। इसके चलते पार्टी ने पूरी ताकत झोंक रखी थी। पूर्व आईपीएस अफसर अन्नामलाई को चेहरा बनाकर राज्य भाजपा की कमान सौंपी थी। अन्नामलाई ने पदयात्राओं से माहौल भी बनाया। भाजपा को उम्मीद थी कि उनकी लोकप्रियता और ब्रांड मोदी से 4 से 5 सीटें आएंगीं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। तमिलनाडु में भाजपा को सीटों के लिहाज से बड़ी निराशा हाथ लगी, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य में कई रैलियां और रोड शो किए थे। इनमें भीड़ भी जुटी, लेकिन लोगों ने अपेक्षित समर्थन नहीं दिया। हालांकि इस बार के चुनाव ने तमिलनाडु में भाजपा के लिए आगे की राह खोल दी है। भाजपा का वोट शेयर 10.87 फीसदी तक पहुंच गया है। डीएमके, एआईएडीएमके और कांग्रेस के बाद भाजपा वोट शेयर के मामले में राज्य की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गयी है। उसके साथ अलायंस में लड़ रही पीएमके एक सीट जीतते हुए नजर आ रही है।

तमिलनाडु से 39 संसद सदस्य चुने जाते हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में डीएमके ने 24 सीटें, कांग्रेस ने 8, विदुथलाई चिरुथिगल काची ने एक, सीपीआई (एम) ने 2, सीपीआई ने 2, आईयूएमएल ने एक और एआईएडीएमके ने एक सीटें जीती थीं। इस बार राज्य में भाजपा के जोरदार चुनाव अभियान का मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बखूबी बचाव किय। उन्होंने केंद्र सरकार पर राज्य से भेदभाव का मुद्दा गर्म रखा और कहा कि राज्य सरकार केंद्र को एक रुपये भेजती है, तो केंद्र से 28 पैसे मिलते हैं। जीएसटी का बकाया नहीं दिया जा रहा। इससे राज्य का विकास रुका हुआ है। इसके मुकाबले उत्तर प्रदेश को एक रुपये के बदले केंद्र दो रुपये देता है। उन्होंने अपनी हर रैली में मिचौंग तूफान का जिक्र किया और कहा कि केंद्र ने न कोई मदद नहीं दी है।

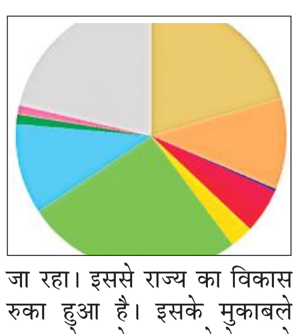

- डीएमके, एआईएडीएमके और कांग्रेस के बाद भाजपा वोट शेयर के मामले में राज्य की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी

एडीएमके	20.48%
बीजेपी	10.90%
बीएसपी	00.32%
सीपीआई	02.36%
सीपीआई (एम)	02.94%
डीएमडीके	02.77%
डीएमके	25.91%
आईएनसी	10.72%
आईयूएमएल	01.16%
नोटा	01.07%
अन्य	21.38%

आंध्र में नायडू नंबर वन, पार्टी को बनाया एनडीए में नंबर दो

चुनाव डेस्क

अमृत विचार । आंध्र प्रदेश में एनडीए गठबंधन को बड़ी सफलता मिली है। राज्य में कांग्रेस का खाता नहीं खुल पाया है। राज्य की 25 लोकसभा सीटों से एनडीए गठबंधन को 21 सीटों पर जीत मिली है। इसमें भाजपा ने 3 सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि टीडीपी को 16 सीटों पर सफलता मिली है। गठबंधन की सहयोगी जनसेना पार्टी को 2 सीटों पर जीत मिली है। राज्य में वाईएसआरसीपी को 4 सीटों पर जीत मिली है। भाजपा को इस बार चुनाव में 11.55 प्रतिशत वोट मिले हैं। 2019 के चुनाव में वाईएसआरसीपी ने राज्य की 25 लोकसभा सीटों में से 22 पर जीत हासिल की थी। टीडीपी केवल 3 सीटों पर सिमट गई थी। भाजपा और कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाई थीं।

विधानसभा चुनाव में टीडीपी का परचम : आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव के नतीजे भी घोषित किए गए हैं। राज्य में एन चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) की वापसी तय नजर आ रही है। पार्टी ने घोषणा की है कि नायडू 9 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। पार्टी मुख्यालय में जश्न भी चल रहा है। सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस केवल 24 सीटों के साथ बहुत पीछे रह गई है। वाईएसआरसीपी ने अकेले राज्य की सभी 175 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ा था।

टीडीपी ने 144 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। पार्टी 122 सीटों पर बढ़त बनाए है। पवन कल्याण की अगुआई वाली जन सेना पार्टी (जेएसपी) ने 21 सीटों पर और भाजपा ने 10 सीटों पर चुनाव लड़ा था।

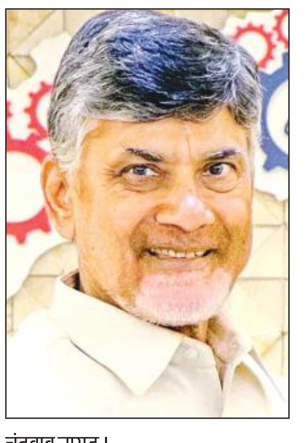

चंद्रबाबू नायडू।

मध्य प्रदेश में मोहन की बंसी पर खिला कमल

चुनाव डेस्क

अमृत विचार । मध्य प्रदेश के आंकड़ों ने इंडिया गठबंधन में कांग्रेस को बुरी तरह चौंकाया। यहां भाजपा और कांग्रेस में ही सीधा मुकाबला था। हालांकि कांग्रेस राज्य में चार-पांच सीटों से अधिक उम्मीद नहीं कर रही थी। लेकिन भाजपा ने क्लीन स्वीप करते हुए स्वतंत्रता के बाद पहली बार मध्य प्रदेश में सभी 29 लोकसभा सीटों पर कमल खिला दिया। माना जा रहा है कि प्रदेश में संघ ने सत्ता और संगठन के साथ मिलकर बेहतर तरीके से काम किया तो मुख्यमंत्री मोहन यादव की रणनीति भी काम कर गई। उन्होंने लोकसभा चुनाव के लिए 'अबकी बार छिंदवाड़ा पार' का नारा दिया था। मोहन यादव ने साफ-साफ कहा था कि छिंदवाड़ा में इस बार कमल खिलेगा। कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह भी हार गए।

मध्य प्रदेश में 2014 की मोदी लहर में कांग्रेस के बड़े-बड़े गढ़ ढह गए थे। सिर्फ गुना और छिंदवाड़ा में ही कांग्रेस को जीत मिली थी। 2019 में गुना में ज्योतिरादित्य सिंधिया को हार मिली। कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा से उनके बेटे नकुल नाथ महज 25 हजार वोट से जीत सके थे। 2023 के विधानसभा चुनावों के नतीजों के आधार पर कांग्रेस को उम्मीद थी कि वह कम से कम 5 सीटों पर चुनौती देने की स्थिति में है। लेकिन पार्टी कहीं भी भाजपा का रास्ता नहीं रोक पाई।

भाजपा नेता पूर्व मुख्यमंत्री विदिशा से प्रत्याशी शिवराज सिंह चौहान ने 8 लाख से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 2024 के लोकसभा चुनाव में अब तक की सबसे बड़ी जीत हासिल कर गुना सीट पर जबरदस्त वापसी की। सिंधिया ने गुना सीट 5 लाख 29 हजार 193 लाख के अंतर से चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया है। उनके निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के यादवेन्द्र राव देशराज सिंह को 3,78,298 लाख वोट प्राप्त हुए।

ज्योतिरादित्य सिंधिया।

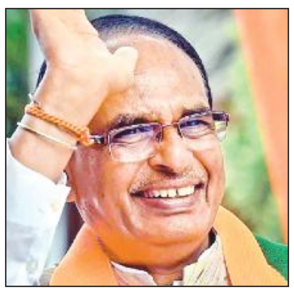

शिवराज सिंह चौहान।

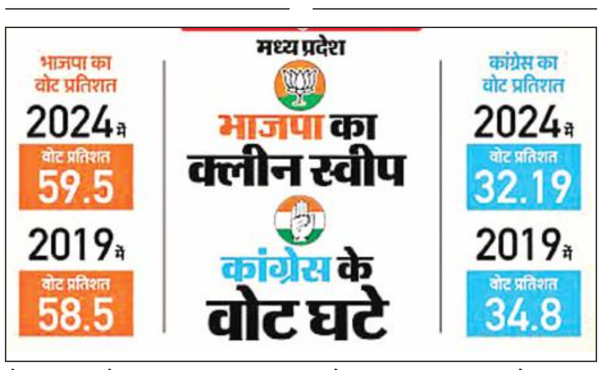

मध्यप्रदेश

29	00	00
भाजपा	कांग्रेस	अन्य

- भाजपा ने पहली बार किया क्लीन स्वीप, कमलनाथ का गढ़ छिंदवाड़ा भी ढहा

इंदौर में एक लाख वोट नोटा में पड़े

- इंदौर लोकसभा सीट से शंकर लालवानी विजयी घोषित किए गए। उन्होंने एक लाख से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की है। सीट पर नोटा को एक लाख से ज्यादा वोट मिले। इंदौर से कांग्रेस प्रत्याशी ने नामांकन के बाद भाजपा का दामन थाम लिया था।

भाजपा ने एक प्रतिशत ज्यादा मत लेकर किया कमाल

- भाजपा ने प्रदेश की 29 सीटों पर करीब 59.5 प्रतिशत वोट हासिल किए। यह 2019 के 58.5 प्रतिशत के मुकाबले सिर्फ एक प्रतिशत ज्यादा है। कांग्रेस को साल 2019 के चुनाव में मिले 34.8 प्रतिशत के मुकाबले इस बार 32.19 प्रतिशत वोट ही मिल पाए। ढाई प्रतिशत मतों की कमी से पार्टी शून्य पर आ गई।

ममता के गढ़ में भाजपा को लगा बड़ा झटका

चुनाव डेस्क

अमृत विचार । भाजपा को पश्चिम बंगाल से काफी उम्मीदें थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा गृहमंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथउत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में धुआंधार प्रचार किया था. लेकिन ममता के गढ़ में भाजपा की स्थिति सुधरने की जगह इस बार और ज्यादा खराब हो गई। जहां एक ओर 2019 में भाजपा को 18 सीटें मिली थीं तो वहीं इस बार पार्टी 12 सीट पर ही सिमट गई है। तृणमूल कांग्रेस ने 2019 में 22 सीटों पर जीत हासिल की थी। वह अब बढ़कर 29 सीटों पर पहुंच गई है। कांग्रेस अपने नेता अधीर रंजन चौधरी की सीट गंवाने के बाद एक सीट जीतने में सफल रही है। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने राज्य में बड़ी जीत का रिकॉर्ड बनाया। 7,10,930 वोटों के अंतर से जीत हासिल की है।

गुजरात में क्लीन स्वीप से चूक गई भाजपा: भाजपा अपने गढ़ गुजरात में जीत की हैट्रिक लगाने से चूक गई। इस बार पार्टी राज्य की सभी 26 सीटों जीत नहीं पाई हैं। कांग्रेस ने भाजपा को कई सीटों पर कड़ी टक्कर देते हुए बनासकांठा की सीट छीन ली। यहां से कांग्रेस की महिला विधायक गेनीबेन ठाकोर विजयी घोषित हुईं। उन्होंने भाजपा की डा. रेखा बेन चौधरी को 30,406 मतों से पराजित किया। अपने ठेठ देसी अंदाज में ससुराल में घूंघट निकालकर वोट मांगती गेनी बेन को मतदाताओं ने वोटों के साथ ही क्राउड फंडिंग के जरिये करीब 27 लाख रुपये भी दिए थे। गांधी नगर से गृह मंत्री अमित शाह ने पिछला रिकॉर्ड तोड़ते हुए 7.44 लाख मतों के अंतर से चुनाव जीता।

ममता बनर्जी।

- पिछली बार 18 सीटें जीतने वाली भाजपा ने इस बार बंगाल में गंवा दी आधा दर्जन सीटें

अमृत विचार
www.amritvichar.com

क्षिप्रं विजानाति चिरं शृणोति विज्ञाय चार्थं भते न कामात्।
नासम्पृष्टो व्युपयुङ्क्ते परार्थे तत् प्रज्ञानं प्रथमं पण्डितस्य ॥

ज्ञानी लोग किसी भी विषय को शीघ्र समझ लेते हैं, लेकिन उसे धैर्यपूर्वक देर तक सुनते रहते हैं। किसी भी कार्य को कर्तव्य समझकर करते है, कामना समझकर नहीं और व्यर्थ किसी के विषय में बात नहीं करते।

संपादकीय

जनता की जीत

लोकसभा चुनाव 2024 के चुनावों की मतगणना जारी है। मतगणना में सामने आए रुझान और नतीजों से देश के मौजूदा राजनीतिक हालात की बनती तस्वीर नजर आ रही है। इंडिया गठबंधन ऊर्जा और उत्साह से भर गया है। उत्तर प्रदेश ने सबको चौंकाया है। अखिलेश यादव दमदार नेता साबित हुए। प्रदेश से इस तरह के परिणाम मिलेंगे, इस बात का आंकलन तो भाजपा के विरोधियों को भी नहीं था। जबकि एक्जिट पोल्स ने जो रूझान दिखाए, तकरीबन सभी एक स्वर में फिर से भाजपा की बड़ी जीत के अनुमान लगा रहे थे। नतीजों ने राजनीति के साथ-साथ जनता के बदलते मिजाज को भी रेखांकित किया है। चुनाव परिणाम कायदे से जनता को विजेता बना रहे हैं। लगभग डेढ़ वर्ष पहले तक जिन मोदी एवं भाजपा के लिए 2024 का चुनाव बेहद आसान माना जाता था, उसकी तस्वीर राहुल गांधी की यात्राओं ने बदल दी। भाजपा के मुकाबले चेहरे, विमर्श तथा संगठन तीनों ही स्तरों पर विकल्प तैयार हुए। इतना ही नहीं, संयुक्त विपक्ष भी खड़ा हुआ। साथ ही अजेय होने का मिथ टूटा। परिणाम साबित कर रहे हैं कि देश लोकतंत्र व संविधान की रक्षा के लिए संकल्पित है। संविधान को बदलने की भाजपा की मंशा का नैरेटिव जो विपक्ष ने तय किया, उसके जरिए बाबा साहेब आंबेडकर के नाम पर दलित समाज को भावनात्मक रूप से जोड़ने की कोशिश की गई, जो सफल होती नजर आई। विपक्ष के इस दांव ने बसपा के उस दलित वोट बैंक को अपनी ओर शिफ्ट करा लिया जो पिछले चुनावों में भाजपा के साथ खड़ा रहता था।

इस बार चुनाव जिस तरीके से लड़ा गया, वह कई सवाल खड़े करता है। देश के इतिहास में यह पहला चुनाव है जिनमें कई घटनाएं पहली बार हुईं। इससे पहले किसी चुनाव में इतने झूठ नहीं बोले गए थे। चुनाव में नेताओं का बड़बोलापन ही दिखता रहा। सैकड़ों अरब खर्च करने के बावजूद देश में पिछली बार से औसतन वोट कम क्यों पड़े? चुनाव नतीजों से देखना यह है कि भारत ने अपनी भारतीयता को कितना बचाकर रखा है और अभी 'भारतीय पुनर्निर्माण' के लिए आत्मनिरीक्षण, आत्मसुधार और संघर्ष करना कितना बाकी है। एक बड़ी समवेत आवाज बनने को आगे का रास्ता कैसे तय करते हैं। चुनाव के आंकड़े से ज्यादा महत्वपूर्ण है देश की विविधता, सामाजिक न्याय और बौद्धिक स्वतंत्रता की रक्षा। इस दृष्टि से कहा जा सकता है कि आज के नतीजे हम सब के लिए अच्छा संदेश है।

खेतों से उजड़ते पेड़, मानवीय अस्तित्व पर खतरा

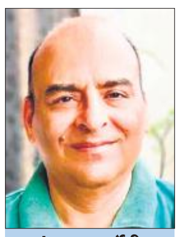
पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

यह विचार करना होगा कि आखिर किसान ने अपने खेतों से पेड़ों को उजड़ा क्यों? यह किसान भलीभांति जानता है कि खेत कि मेढ़ पर छायादार पेड़ होने का अर्थ है, पानी संचयन, पत्ते और पेड़ पर बिराजने वाले पंछियों की बीट से निशुल्क कीमती खाद, मिट्टी की मजबूत पकड़ और सबसे बड़ी बात- खेत में हर समय किसी बड़े बूढ़े के बने रहने का एहसास।

न तो अब खेतों में कोयल की कूक सुनाई देती है और न ही सावन के झूले पड़ते हैं। यदि फसल को किसी आपदा का ग्रहण लग जाए तो आय का जरिया होने वाले फल भी गायब हैं। अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका "नेचर सस्टैनबिलिटी" में 15 मई 2024 को प्रकाशित आलेख बताता है कि भारत में खेतों में पेड़ लगाने की परंपरा अब समाप्त हो रही है। कृषि-वानिकी का मेलजोल कभी भारत के किसानों की ताकत था। देश के कई पर्व-त्योहार, लोकाचार, गीत- संगीत खेतों में खड़े पेड़ों के इर्द गिर्द रहे हैं। मार्टिन ब्रांट, दिमित्री गोमिंस्की, फ्लोरियन रेनर, अंकित कररिरिया, वेंकन्ना बाबू गुथुला, फ़िलिप सियाइस, ज़ियाओये टोंग, वेनमिन झांग, धनपाल गोविंदराजुलु, डैनियल ऑर्टिज़-गोंज़ालो और रासमस फेंशोल्टन के बड़े दल ने भारत के विभिन्न हिस्सों में आंचलिक क्षेत्रों में जा कर शोध कर पाया कि अब खेत किनारे छाया मिलन मुश्किल है। इसके कई विषम परिणाम खेत झेल रहा है।

जब देश में बढ़ता तापमान व्यापक समस्या के रूप में सामने खड़ा है और सभी जानते हैं कि धरती पर अधिक से अधिक हरियाली की छतरी ही इससे बचाव का जरिया है। ऐसे में इस शोध का यह परिणाम गंभीर चेतावनी है कि बीते पांच वर्षों में हमारे खेतों से 53 लाख फलदार व छायादार पेड़ गायब हो गए हैं। इनमें नीम, जामुन, महुआ और कटहल जैसे पेड़ प्रमुख हैं।

इन शोधकर्ताओं ने भारत के खेतों में मौजूद 60 करोड़ पेड़ों का नक्शा तैयार किया और फिर लगातार दस साल उनकी निगरानी की। कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अध्ययन के अनुसार, देश में प्रति हेक्टेयर पेड़ों की औसत संख्या 0.6 दर्ज की गई। इनका सबसे ज्यादा घनत्व उत्तर-पश्चिमी भारत में राजस्थान और दक्षिण-मध्य क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में दर्ज किया गया है। यहां पेड़ों की मौजूदगी प्रति हेक्टेयर 22 तक दर्ज की गई। रिपोर्ट से सामने आया कि खेतों में सबसे अधिक पेड़ उजाड़ने में तेलंगाना और महाराष्ट्र अव्वल रहे हैं। जिन पेड़ों को 2010-11 में दर्ज किया गया था उनमें से करीब 11 फीसदी बड़े छायादार पेड़ 2018 तक गायब हो चुके थे। बहुत जगहों पर तो खेतों में मौजूद आधे पेड़ गायब हो चुके हैं। अध्ययन से यह भी पता चला है कि 2018 से 2022 के बीच करीब 53 लाख पेड़ खेतों से अदृश्य थे। यानी इस दौरान हर किमी क्षेत्र से औसतन 2.7 पेड़ नदारद मिले। वहीं कुछ क्षेत्रों में तो हर किमी क्षेत्र से 50 तक पेड़ गायब हो चुके हैं।

इन शोधकर्ताओं ने भारत के खेतों में मौजूद 60 करोड़ पेड़ों का नक्शा तैयार किया और फिर लगातार दस साल उनकी निगरानी की। कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अध्ययन के अनुसार, देश में प्रति हेक्टेयर पेड़ों की औसत संख्या 0 .6 दर्ज की गई। इनका सबसे ज्यादा घनत्व उत्तर-पश्चिमी भारत में राजस्थान और दक्षिण-मध्य क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में दर्ज किया गया है। यहां पेड़ों की मौजूदगी प्रति हेक्टेयर 22 तक दर्ज की गई। रिपोर्ट से सामने आया कि खेतों में सबसे अधिक पेड़ उजाड़ने में तेलंगाना और महाराष्ट्र अव्वल रहे हैं। जिन पेड़ों को 2010-11 में दर्ज किया गया था उनमें से करीब 11 फीसदी बड़े छायादार पेड़ 2018 तक गायब हो चुके थे।

यह विचार करना होगा कि आखिर किसान ने अपने खेतों से पेड़ों को उजड़ा क्यों? यह किसान भलीभांति जानता है कि खेत कि मेढ़ पर छायादार पेड़ होने का अर्थ है, पानी संचयन, पत्ते और पेड़ पर बिराजने वाले पंछियों की बीट से निशुल्क कीमती खाद, मिट्टी की मजबूत पकड़ और सबसे बड़ी बात-खेत में हर समय किसी बड़े बूढ़े के बने रहने का एहसास। इन पेड़ों पर पक्षियों का बसेरा भी रहता था। जो फसलों में लगने वाले कीट-पतंगों से रक्षा करते थे। फसलों को नुकसान करने वाले कीटाणु सबसे पहले मेड़ के पेड़ पर ही बैठते हैं। उन पेड़ों पर दवाओं को छिड़काव कर दिया जाए तो फसलों पर छिड़काव करने से बचत हो सकती है। जलावन, फल- फूल से अतिरिक्त आय तो है ही।

इसके बावजूद नीम, महुआ, जामुन, कटहल, खेजड़ी (शमी), बबूल, शीशम, करोई, नारियल आदि जैसे बहुउद्देशीय पेड़ों का काटा जाना, जिनका मुकुट 67 वर्ग मीटर या उससे अधिक था, किसान की किसी बड़ी मजबूरी की तरफ इशारा करता हैं। एक बात समझनी होगी कि हमारे यहां तेजी से खेती का रकबा कम होता जा रहा है। एक तो घरों में ही खेती की जमीन का बंटवारा हुआ, फिर लोगों ने समय-समय पर व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए खेतों को बेचा। आज से पचास साल पहले 1970-71 तक देश के कुल किसानों में से आधे किसान सीमांत थे। सीमांत यानि जिनके पास एक हेक्टेयर या उससे काम जमीन हो। 2015-16 आते-आते सीमांत किसान बढ़कर 68 प्रतिशत हो गए हैं। अनुमान यही आज इनकी संख्या 75 फीसदी है। सरकारी आंकड़ा कहता है कि सीमांत किसानों की औसत खेती 0.4 हेक्टेयर से घटकर 0.38 हेक्टेयर रह गई है। ऐसा ही छोटे, अर्ध मध्यम और मझोले किसान के साथ हुआ। कम जोत का सीधा असर किसानों की आय पर पड़ा है। अब वह जमीन के छोटे से टुकड़े पर अधिक कमाई चाहता है तो उसने पहले खेत की चौड़ी मेंढ़ को ही तोड़ डाला। इसके चलते वहां लगे पेड़ कटे। उसे लगा कि पेड़ के कारण हाल चलाने लायक भूमि और सिकुड़ रही है तो उसने पेड़ पर कुल्हाड़ी चला दी। इस लकड़ी से उसे तात्कालिक कुछ पैसा भी मिल गया। इस तरह घटती जाट का सीधा सर खेत में खड़े पेड़ों पर पड़ा। सरकार खेतों में पेड़ लगाने की योजना, सब्सिडी के पोस्टर छापती रही और किसान अपने काम होते रकबे को थोड़ा सा बढ़ाने की फिराक में धरती के श्रृंगार पेड़ों को उजाड़ता रहा। देश में बड़े स्तर पर धान बोने के चस्के ने भी बड़े पेड़ों को नुकसान पहुंचाया। साथ ही खेतों में मशीनों के इस्तेमाल बढ़ने ने भी पेड़ों की बली ली। काई बार भारी भरकम मशीनें खेत की पतली पगडंडी से लाने में पेड़ आड़े आते थे तो तात्कालिक लाभ के लिए उन्हें काट दिया गया।

यह किस से छुपा नहीं हैं कि चरम मौसम की हर अवस्था खेत की फसल को नुकसान पहुंचाती है-अधिक गर्मी में डायना छोटा हो जाता है तो अधिक बरसात में फसल गिर कर सड़ने की संभावना ज्यादा होती है। यदि खेत में छायादार पेड़ हों तो हर चरम मौसम में ये फसल के लिए राहत की निशानी होते हैं। यह कड़वा सच है कि जमीन उपयोग के विस्तार से खेत तो कम होंगे ही, लेकिन पेड़ों का कम होना मानवीय अस्तित्व पर बड़े संकट का आमंत्रण हैं। आज समय की मांग है कि खेतों के आसपास सामुदायिक वानिकी को विकसित किया जाए, जिससे जमीन की उर्वरा, धरती की कोख का पानी और हरियाली का सारा बना रहे।

प्रसंगवश

साहित्य में पर्यावरण चिंतन

पर्यावरण विमर्श आधुनिक जीवन में महत्वपूर्ण और चर्चित विषय है। पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक सौंदर्य, वन्य जीवन, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण से संबंधित कहानियां और गीतों का विवेचन भी साहित्य में एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मनुष्य ने अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए आरंभ में प्रकृति को समझने, उसे नियंत्रित करने में और अनुकूल बनाने की कोशिश की। मनुष्य प्रकृति की देखी-अनदेखी शक्तियों से डरा और उसे प्रसन्न करने के लिए उसकी वंदना में ऋचाएं और गीत भी लिख डाले। दुर्दम्य प्रकृति को उसने उस मात्रा में अपने अनुकूल बना लिया जितना कि उसके जीवन रक्षा के लिए आवश्यक था। वेदों की ऋचाएं हो या आदि कवि की वाणी सब में प्रकृति और मनुष्य का सहज संबंध व्यक्त किया गया है। रामायण, महाभारत, कालिदास संस्कृत साहित्य की अन्य महाकाव्यात्मक कलेवर वाली रचनाओं में प्रकृति और मनुष्य का सहज संबंध प्रदर्शित होता नजर आ रहा है। इन्हीं महाकाव्यात्मक कथानकों को आधार बनाकर आधुनिक काल में लिखी गई रचनाओं में जनजीवन और प्रकृति का बदला हुआ संबंध साफ दिखाई देता है।

प्रो. मीना यादव
हिंदी विभाग, बरेली कॉलेज बरेली

आदिकालीन वीर काव्यात्मक रचनाओं में प्रकृति का वर्णन वीर काव्य की पृष्ठभूमि के अनुरूप हुआ है। साथ ही एक दूसरा बड़ा क्षेत्र जीवन की क्षणभंगुरता को दिखाने के लिए प्रकृति को उपदेश की तरह पेश करना है-कबीर आदि भक्त कवियों में यह बखूबी देखा जा सकता है जैसे "माली आवत देखकर कलियां करें पुकार फूली फूली सब चुन लियो काल्ह हमारी बार"।

इसी तरह गर्मी के मौसम की निकटता को प्रकट करने के लिए बिहारी ने लिखा है- "कहलाने एके बसत अहि मयूर, मृग बाघ जगत तपोवन सो कियो दीरघ दाघ निदाघ"।

प्रकृति के साथ तालमेल और उत्प्रेरणा का शानदार उदाहरण आधुनिक काल के हिंदी साहित्य का छायावादी काव्य है। यहां प्रकृति सिर्फ लुभाती नहीं है। वह प्रसन्नता तथा सुख-दुख की साथी भर नहीं है। वह प्रेरणा है, बंधन से मुक्ति की। 1930 का भारत जिसमें औपनिवेशिक गुलामी के बंधन में छटपटाता भारत है वही प्रकृति की उन्मुक्तता, बंधनहीनता, आत्मीयता, निराशा पूर्ण वातावरण में आशा और प्रफुल्लता का संचार करती है। मनुष्य को अपने बंधनों से मुक्त होकर स्वतंत्र भाव से जीने की प्रेरणा भी रचनाकारों को प्रकृति से मिली।

प्रकृति का मानवीकरण छायावाद की एक अद्भुत संवृति थी, जो छायावाद में घटित हुई महादेवी वर्मा ने इस विचार को अपने साहित्य में स्थान दिया और नामवर सिंह ने छायावाद शीर्षक से अपनी आलोचना पुस्तक में इसे स्थापित किया। कामायनी (जयशंकर प्रसाद) की चिन्ता प्रकृति और मनुष्य समाज के बीच का बढ़ता असंतुलन है। इसका कारण प्रसाद ने आधुनिक पूंजीवादी सभ्यता के लालच को ठहराया है। प्रसंगवश कहा जाए कि वर्तमान में असीमित पूंजीवादी लालच का दूसरा नाम विकास है। प्रकृति के साथ तालमेल और उत्प्रेरणा का शानदार उदाहरण आधुनिक काल के हिंदी साहित्य का छायावादी काव्य है। प्रकृति का मानवीकरण छायावाद की एक अद्भुत संवृति थी, जो छायावाद में घटित हुई। महादेवी वर्मा ने इस विचार को अपने साहित्य में स्थान दिया और नामवर सिंह ने छायावाद शीर्षक से अपनी आलोचना पुस्तक में इसे स्थापित किया। कामायनी (जयशंकर प्रसाद) की चिन्ता प्रकृति और मनुष्य समाज के बीच का बढ़ता असंतुलन है।

इसका कारण प्रसाद ने आधुनिक पूंजीवादी सभ्यता के लालच को ठहराया है। जीने के लिए जरूरी चीजों से ज्यादा प्रकृति के पास है लेकिन मनुष्य के लालच और मुनाफे के लिए नहीं। लालच से असंतुलित होकर प्रकृति क्रुद्ध रूप धारण करती है और फिर सब कुछ नष्ट हो जाता है। प्रसंगवश कहा जाए कि वर्तमान में असीमित पूंजीवादी लालच का दूसरा नाम विकास है इस कारण हम आज पर्यावरण संतुलन की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। छायावाद के महत्वपूर्ण कवि सुमित्रानंदन पंत प्रकृति के सुकुमार कवि कहलाए तो सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ने स्वयं को बसंत का अग्रदूत कहा। नागार्जुन की रचना-वरुण के बेटे, सर्वेश्वर की-कुआनो नदी, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की-भेड़िया, नासिरा शर्मा की-कुइयांजान, काशीनाथ सिंह का-जंगल जातकम, रत्नेश्वर कुमार सिंह की-एक लड़की पानी पानी पर्यावरण के संदर्भ में लिखी गई है। पर्यावरण की समस्या अंतर्राष्ट्रीय समस्या है इस समस्या पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन भी होते रहते हैं। आज धरातल पर इस दिशा में ठोस कार्य किया जाना बाकी है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता : अर्थ और प्रयोजन

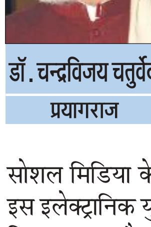
डॉ. चन्द्रविजय चतुर्वेदी
प्रयागराज

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ और प्रयोजन है की वेदनाओं से आहत लोक को करुणा के भाव से समाधान मिले। क्रूर मजाकों का पर्दाफाश हो।

भारतीय संविधान में स्वतंत्रता का अधिकार मूल अधिकारों में शामिल किया गया है, जिसमे भारतीय नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सहित छह प्रकार की स्वतंत्रता दी गई हैं। संविधानविदों ने कदाचित सोचा होगा कि लोकतांत्रिक पद्धति में विभिन्न राजनैतिक विचारों का प्रादुर्भाव होगा। अतः यह आवश्यक है कि नागरिकों के सोच विचार का स्वागत होना चाहिए जिससे रचनात्मक प्रवृत्ति को बल मिले।

लोकतांत्रिक समाज के लोकतांत्रिक पद्धति के विकास के लिए विचारों का खंडन मंडान, तर्क-वितर्क, आरोप-प्रत्यारोप नकारा नहीं जा सकता परन्तु इसके साथ साथ यह भी अपेक्षित है कि यह सब मर्यादित तरीके से होना चाहिए, संयत भाषा में, सौम्यनसता के साथ, सैद्धांतिक सच को मुखरित करते हुए। प्रयोजन होना चाहिए अपने विचारों के माध्यम से व्यापक हित में रचनात्मक तत्वों को प्रतिस्थापित करना।

आजादी के पूर्व से ही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के एक सबल पक्ष के रूप में पत्रकारिता को अनौपचारिक रूप से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में समाज में महत्व मिला जिसका एक गौरवपूर्ण इतिहास और परंपरा रहा है। उम्मीद जगी की पत्रकारिता लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में व्यक्ति, समाज, और विचार के अभिव्यक्ति का प्रमुख कारक बनते हुए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का रक्षक बनेगा। समय की बात है तमाम अन्य मूल्यों के ह्रास के साथ साथ ही पत्रकारिता भी ह्रास के प्रभाव से मुक्त नहीं रह सका। इसका भी जितना राजनीतिकरण, बाजारीकरण हुआ, उतना लोकीकरण नहीं हो पाया।

पत्रकारिता अब जो प्रमुख रूप से मीडिया और सोशल मिडिया के रूप में स्थापित हो गया है। इस इलेक्ट्रानिक युग में, आज सर्वाधिक लांछित किया जा रहा है। इस लांछन से कि यही सबसे अधिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरूपयोग कर रहा है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समस्यायों को गंभीर बनाने का प्रयास किया जाता है, समाधानों को भटकाया जाता है, अतिवाद को प्रोत्साहित किया जाता है, सत्य और सार्थक अभिव्यक्ति की उपेक्षा होती है, लोक को दिग्भ्रमित किया जाता है। यह बिडंबना ही है कि जिस पत्रकारिता पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संरक्षण का उत्तरदायित्व रहा है, वही कटघरे में खड़ा किया जा रहा है।

विगत कई वर्षों से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रश्न संविधानविदों, राजनीतिज्ञों तथा न्यायविदों के चिंतन का विषय रहा है। समय समय पर इसके अर्थ और प्रयोजन को भी विद्वजनों ने व्याख्यायित भी किया है। यह सच है कि किसी विचार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता वहीं तक हो सकती है जिससे किसी अन्य के अधिकार, स्वतंत्रता पर न तो प्रहार हो, न ही उसका हनन हो। सामान्य रूप से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अर्थ और प्रयोजन को परिभाषित किया जा सकता है कि सच्चाई और साहस के साथ कल्याणकारी विचारों को सुन्दरतापूर्वक देश के, समाज के समक्ष मुखरित करना। अभिव्यक्ति में न तो निरंकुशता होनी चाहिए न ही मनमानीपन, न ही कुंठा, न अतिवादिता। सत्य सबके लिए एक होता है। एक के लिए जो कल्याणकारी है वह दूसरों के लिए अकल्याणकारी क्यों कर है। सौंदर्यबोध संवेदना की चेतना पर निर्भर करता है। अभिव्यक्ति का आवश्यक कारक है -संवेदनशीलता, सौमनस्यता और समन्वय। स्वतंत्रता एक उत्कृष्ट मूल्य है इसे स्वच्छंदता और अराजकता न बनाया जाए।

आज के परिप्रेक्ष्य में, इस विपत्तिकाल में जब मानव अस्तित्व के संकट से गुजर रहा है। ऐसी स्थिति में मीडिया सोशल मीडिया पर संवेदनहीन अमर्यादित बहसें, वाट्सअप पर अतिवादी अनर्गल प्रसारण, अमानवीयता की पराकाष्ठा है जो संवेदनशीलता, सौमनस्यता, समन्वय पर ही क्रूर प्रहार कर रहे है-फिर क्या शेष बच पाएगा। विपत्ति का राजनीतिकरण सारी मर्यादायों का उल्लंघन करता जा रहा है। निरीह किंकर्तव्यविमूढ़ अन्यान्य वेदनाओं को झेलता लोक समझ नहीं पा रहा है कि उसके साथ कौन यह क्रूर मजाक कर रहा है। समय सब कुछ जानता है वह किसी को क्षमा नहीं करता।

ऐसी स्थिति में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ और प्रयोजन है की वेदनाओं से आहत लोक को करुणा के भाव से समाधान मिले। क्रूर मजाकों का पर्दाफाश हो। आसन्न संकट का संवेदनशीलता, सौमनस्यता, समन्वय के साथ सामर्थ्यवान हल ढूंढे।

सोशल फोरम

आत्ममंथन का समय

उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में भाजपा की दुर्गति का विश्लेषण चलता रहेगा। मगर तमाम दुरभिसंधियों, दुष्प्रचारों, टूल किटों और बाह्य हस्तक्षेपों के बावजूद एनडीए का राष्ट्रीय स्तर पर सबसे बड़ी गठबंधन की पार्टी के रुप में उभरना कोई कम उपलब्धि नहीं है। एक संकेत स्पष्ट देख रहा हूं कि इस बार वोट जिहाद का फतवा कामयाब हुआ है। इसलिए भाजपा को अभी और दृढ़ता के साथ अपने एजेंडे पर कायम रहना चाहिए। मोदी के नाम पर जिस तरह की आत्ममुग्धता, बेपरवाही भाजपा के पूरे कैडर में व्याप्त है उससे यथाशीघ्र उबरना होगा। उत्तर प्रदेश में प्रत्याशियों के चयन में घोर चूक की गई। स्थानीय नेतृत्व के बजाय जबर्दस्ती प्रत्याशी थोपे गए। अमित शाह द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री की उपेक्षा करके प्रत्याशी उतारे गए, ऐसी चर्चाएं आम जनता में व्याप्त है। कहीं कहीं दूसरे चर्चित और लोकप्रिय प्रत्याशियों को भाजपा के प्रत्याशी के पक्ष में जबरिया बैठा दिया गया। जनता को यह धौंसबाजी पसंद नहीं आई। इस सीमा तक जाने की जरुरत नहीं थी। दुष्परिणाम सामने है। जनता के मनोभावों और नब्ज को पकड़ने में उत्तर प्रदेश में भाजपा से चूक अवश्य हुई है।

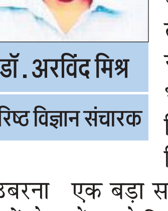
डॉ. अरविंद मिश्र
वरिष्ठ विज्ञान संचारक

संविधान को मोदी बदल देंगे। पिछड़ी जातियों और दलितों का आरक्षण छीन लेगी जैसे अनर्गल प्रचारों की काट कर पाने में भाजपा कैडर पूरी तरह नाकाम रहा। तरह-तरह की गलतबयानियां होती रहीं, फिजां बदलती रही मगर भाजपा कैडर केवल मोदी का चेहरा देखता रहा। न तो होमवर्क किया और न ही ग्राउंड वर्क। यह भी एक सपाट सत्य है कि भाजपा के साथ अति पिछड़ों और दलित का जो एक बड़ा सपोर्ट था वह उत्तर प्रदेश में उससे खिसक गया। सभी भाजपाई इसी खयाम खयाली में डूबे रहे कि मोदी हैं तो मुमकिन है। बाकी छुट्टे गोवंश से फसलों का नुकसान आदि मुद्दे प्रभावी रहे। बहरहाल जो हुआ सो हुआ। अभी केंद्र में और प्रदेश में भाजपा का शासन ही है। उसे अपनी भूलों से सबक लेकर समर्पित भाव से जनता जनार्दन की सेवा में अभी से जुट जाना चाहिए। 2027 का विधान सभा चुनाव अब लक्ष्य होना चाहिए।

-फेसबुक वॉल से

400 पार: अहंकार पर प्रहार

करुणानिधि मन दीख विचारी। उर अंकुरेउ गर्व तरु भारी/ बेगि सो मैं डारिहउँ उखारी।पन हमार सेवक हितकारी।। वही हुआ। दो तिहाई से ज्यादा बहुमत की कहीं आवश्यकता नहीं होती है।

कुछ काम करने और अधिक भावनात्मक मुद्दे उभार कर, अतिशय प्रचार द्वारा अनिश्चित काल तक देश पर राज्य करने के नरेंद्र मोदी के सपने को ग्रहण लग गया है। उनकी अपनी पार्टी 240 के आसपास सिमट रही है। रही बात एनडीए गठबंधन की, तो राजनीति में कोई स्थायी मित्र या शत्रु नहीं होता। कोई किसी से मिल सकता है। स्वार्थ सिद्ध होना चाहिए। पर्दे के पीछे की वार्ताओं के दौर शुरू हो गए हैं। ऊंट किस करवट बैठेगा, यह चंद रोज़ में साफ हो जाएगा, किंतु इतना तो स्पष्ट हो ही गया है कि भाजपा का नारा 'अबकी बार, चार सौ पार' ध्वस्त हो गया और मोदी-शाह का अहंकार चूर चूर। यह पार्टी भगवान और धर्म वाली मानी जाती थी। इन्हें यह जान लेना चाहिए था कि भगवान गर्व-प्रहारी हैं। समय समय पर उन्होंने अपने भक्तों के भी अहंकार चूर्ण किए हैं, दैत्यों की कौन कहे। नारद जी को जब अहंकार हुआ कि उन्होंने काम को जीत लिया और सब जगह गाते फिरे, तो शंकर जी ने उन्हें मना किया कि भगवान विष्णु को यह प्रसंग न सुनाना। वे नहीं माने और क्षीरसागर जाकर श्री हरि को अपनी अहंकार मूलक काम विजय कथा सुना ही डाली। बस फिर क्या था भगवान ने गर्व चूर्ण करने की ठान ली-

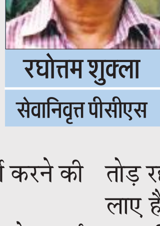
रघोत्तम शुक्ला
सेवानिवृत्त पीसीएस

करुणानिधि मन दीख विचारी। उर अंकुरेउ गर्व तरु भारी/ बेगि सो मैं डारिहउँ उखारी।पन हमार सेवक हितकारी।। वही हुआ। दो तिहाई से ज्यादा बहुमत की कहीं आवश्यकता नहीं होती है। पार्टी ने अधिनायकवाद पनपाया। व्यक्ति पूजा शुरू हो गई। जनता से कहा गया 'समझो हर सीट से मोदी खड़े हैं'। मोदी को भगवान बताने की होड़ लग गई। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि 'पुरी के जगन्नाथ स्वामी भी मोदी के भक्त हैं'। एक कार्यक्रम में एक विशाल माला मोदी के गले में डाली जा रही थी, तो राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा ने भी अपना सिर उसमें डाल दिया। अमित शाह ने तुरंत इशारा किया और इन नेताओं को माला के बाहर सिर करना पड़ा। यह दंभ! पार्टी के एक से एक कद्दावर नेताओं को दूध की मक्खी की तरह तिरस्कृत किया गया। विपक्षी मुख्यमंत्री तक जेल में डाले गए। जिस पर मोदी की निगाह टेढ़ी हुई, उस के पीछे प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग और सीबीआई लगाए गए। लोकतंत्र दम तोड़ रहा था। नारा यहां तक दिया गया कि 'मोदी राम को लाए हैं'। अतः अब राम उन्हें लाएंगे'। यानी राम अपने ऊपर किए गए उपकार का बदला देंगे। इस सारे अहंकार को चूर्ण होना ही था। अच्छा हो कि भाजपा अपने संसदीय दल का नेता अब मोदी के अतिरिक्त किसी दूसरे को चुने और तब आगे बढ़े।

ग्लोब स्किमर ड्रैगनफ्लाई केन्या से हिमालय में पहुंचे

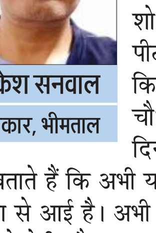
राकेश सनवाल
पत्रकार, भीमताल

यदि आप हिमालय क्षेत्र में रहते हैं तो इन दिनों और एक विशेष प्रकार की ड्रैगनफ्लाई हजारों लाखों की संख्या में अपने आस पास उड़ते हुए देख रहे होंगे। यह ड्रैगनफ्लाई इन दिनों अरबों खरबों और उससे भी अधिक संख्या में इन दिनों हिमालय क्षेत्र में प्रवास में आई हुई हैं। बटर फ्लाई शोध संस्थान के निदेशक पीटर स्मैटाचैक बताते हैं कि यह ड्रैगन फ्लाई अपनी चौथी पीढ़ी के रूप में इन दिनों हिमालय क्षेत्र में हैं। बताते हैं कि अभी यह ड्रैगनफ्लाई भारत में केन्या से आई है। अभी इसकी यह पीढ़ी भारत में अंडे देगी और मर जाएगी। अंडों से निकली ड्रैगन फ्लाई फिर केन्या वापस जाएगी। वहां वह पीढ़ी अंडे देगी और वह मर जाएगी। उन अंडों से निकले बच्चे केन्या से दक्षिण अफ्रिका जाएंगे। वहां अंडे देंगे और मर जाएंगे। वहां अंडों से निकले बच्चे केन्या का रूख करते हैं और वहां अंडे देंगे। वहां भी अंडे देने के बाद वह मर जाएगी और वहां अंडों से निकले बच्चे फिर भारत पहुंचेंगे। बताते हैं कि यह चार पीढ़ी में लगभग 25 हजार किमी का सफर तय करते हैं।

ग्लोब स्किमर ड्रैगनफ्लाई

दक्षिण भारत में पाई जाने वाली ड्रैगन फ्लाई भी इसी प्रजाति की ड्रैगनफ्लाई है। दक्षिण भारत की यह ड्रैगन फ्लाई माइग्रेट नहीं करती है।

पीटर स्मैटाचैक
निदेशक, बटर फ्लाई शोध संस्थान

अमूर फाल्कन से इस ड्रैगन फ्लाई का विशेष संबंधः अमूर फाल्कन बाज़ परिवार का एक छोटा शिकारी पक्षी है। यह दक्षिणी और पूर्वी अफ्रीकी तटों में सर्दियों के लिए भारत और अरब सागर में बड़े झुंडों में प्रवास करने से पहले दक्षिण-पूर्वी साइबेरिया और उत्तरी चीन में प्रजनन करता है। पक्षी विशेषज्ञों के मुताबिक अमूर फाल्कन एक मात्र ऐसा मांसहारी पक्षी है जो कि माइग्रेट करते हुए समुद्र के बीच से भी गुजरती है और ऐसे में भी कभी यात्रा के दौरान नहीं उतरती है। बताते हैं कि अमूर फाल्कन ग्लोब स्किमर ड्रैगनफ्लाई के साथ उड़ान भरती है और रास्ते में इनको खाती है और इसलिए रास्ते भर उसको भोजन मिलता रहता है। बाकी माइग्रेट पक्षी समुद्र के किनारे किनारे माइग्रेट करती हैं।

मुरादाबाद में सपा की रुचिवीरा ने रचा इतिहास, चुनी गईं पहली महिला सांसद

मंडल में सपा को तीन, भाजपा, रालोद व आसपा को एक-एक सीट मिली

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : मंडल में लोकसभा की तीन सीटें सपा, एक भाजपा, एक आजाद समाज पार्टी (आसपा) और एक सीट रालोद के खाते में गई हैं। सपा प्रत्याशी रुचिवीरा ने मुरादाबाद सीट पर इतिहास रच दिया है। वह इस सीट पर अब तक हुए चुनाव में पहली महिला सांसद चुनी गई हैं। रुचि वीरा ने भाजपा के सर्वेश सिंह (दिवंगत) को 1,05,762 वोटों से हराया। रुचि वीरा को कुल 6,37,363 वोट मिले। जबकि भाजपा के सर्वेश सिंह को 5,31,601 वोट प्राप्त हुए। बसपा के इरफान सैफी 92,313 वोट पाकर तीसरे स्थान पर रहे। इस सीट पर कुल 12 प्रत्याशी थे।

अमरोहा सीट से दूसरी बार सांसद बने भाजपा के कंवर सिंह तंवर ने कांग्रेस गठबंधन के प्रत्याशी कुंवर दानिश अली को 28670 मतों से पराजित किया है। तंवर को 4,76,506 वोट मिले, जबकि दानिश अली को 4,47,836 मत मिले। बसपा के मुजाहिद हुसैन 1,64,099 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

संभल सीट पर सपा के जियाउर्रहमान बर्क ने भाजपा के परमेश्वर लाल सैनी को121494 मतों से हराया। बर्क को 571161वोट मिले जबकि सैनी को 449667 मत मिले।

बसपा के सौलत अली को 152460 वोट मिले। रामपुर सीट पर सपा प्रत्याशी मौलाना मोहिब्बुल्लाह नदवी को 4,81,503 वोट मिले। उन्होंने 87,434 मतों से जीत दर्ज की। जबकि, उनके निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा प्रत्याशी घनश्याम सिंह लोधी को 3,94,069 वोट मिले। बसपा के जीशान खान को 79,692 मत मिले। बिजनौर सीट पर राष्ट्रीय लोकदल के प्रत्याशी चंदन सिंह चौहान ने जीत दर्ज की है। उन्होंने 404493 मत हासिल कर 37508 वोटों से सपा के दीपक सैनी को हराया। सैनी को 366995 वोट मिले हैं। नगीना सीट से आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर उर्फ रावण को 151473 वोटों से जीत मिली। उन्हें 512552 वोट मिले। उन्होंने भाजपा के ओम कुमार को हराया। ओम को 36107 मत मिले हैं।

सीट	विजेता	कुल मिले मत	जीत का अंतर
मुरादाबाद सीट	रुचि वीरा (सपा)	6,37,363	1,05,762
अमरोहा सीट	कंवर सिंह तंवर (भाजपा)	4,76,506	28,670
रामपुर सीट	मौ. मोहिब्बुल्लाह नदवी (सपा)	4,81,503	87,434
संभल सीट	जियाउर्रहमान बर्क (सपा)	5,71,161	1,21,494
बिजनौर सीट	चंदन सिंह चौहान (रालोद)	4,04,493	37,508
नगीना सीट	चंद्रशेखर उर्फ रावण (आसपा)	5,12,552	1,51,473

सपा समर्थकों और पुलिस के बीच झड़प

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: धौरहरा और खीरी सीट पर सपा प्रत्याशियों की जीत होने की घोषणा के बाद उत्साहित समर्थकों और पुलिस के बीच राजापुर मंडी गेट के बाहर तीखी झड़प हो गई। गुस्साए समर्थकों ने पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पुलिस पर जूते-चप्पल फेंके। पुलिस ने लाठियां फटकार कर भीड़ को खदेड़ दिया।

शहर की राजापुर स्थित मंडी समिति में मंगलवार को लोकसभा धौरहरा और खीरी सीट की मतगणना हो रही थी। पुलिस ने मतगणना स्थल के आसपास भीड़ न लगे। इसको लेकर सौजन्या चौराहा से लेकर राजापुर तक दो जगहों पर बैरियर भी लगाए थे। इसके बाद भी हजारों की संख्या में सपा के समर्थक राजापुर मंडी गेट तक पहुंच गए। बताते हैं कि प्रत्याशियों की जीत के बाद समर्थक मंडी समिति परिसर में जाना चाह रहे थे, लेकिन पुलिस बल ने उन्हें रोक दिया।

इसको लेकर पुलिस और समर्थकों के बीच तीखी बहस हो गई। समर्थक नारेबाजी करने लगे। इसी बीच भीड़ में शामिल कुछ शरारती तत्वों ने पुलिस पर जूते-चप्पल फेंकने लगे। हालात बेकाबू होते देख पुलिस ने लाठियां फटकार कर उन्हें खदेड़ दिया।

उन्नाव से साक्षी और अकबरपुर से भोले तीसरी बार जीते, कानपुर से रमेश विजयी

सीट	विजेता	कुल मिले मत	जीत का अंतर	निकटतम प्रतिद्वंद्वी	कुल मिले मत
कानपुर सीट	रमेश अवस्थी (भाजपा)	4,43,055	20,968	आलोक मिश्रा (कांग्रेस)	4,22,087
अकबरपुर सीट	देवेंद्र सिंह भोले (भाजपा)	5,14,256	44,490	राजाराम पाल (सपा)	4,69,766
उन्नाव सीट	साक्षी महाराज (भाजपा)	6,13,911	37,130	अन्नू टंडन (सपा)	5,76,721

बृजेश श्रीवास्तव, कानपुर

- वर्ष 1014 से कानपुर में भाजपा की लगातार विजय
- उन्नाव में साक्षी महाराज के जीत का अंतर घट गया

अमृत विचार : कानपुर संसदीय सीट में भारतीय जनता पार्टी ने लगातार तीसरी बार जीत का परचम लहराने में कामयाबी पाई, जबकि अकबरपुर और उन्नाव सीट पर भाजपा प्रत्याशी हैट्रिक लगाने में कामयाब रहे। हालांकि उन्नाव में भाजपा प्रत्याशी साक्षी महाराज की जीत का अंतर पिछले दो मुकाबलों से काफी कम रह गया।

कानपुर संसदीय पर भाजपा के रमेश अवस्थी ने इंडिया गठबंधन से कांग्रेस प्रत्याशी आलोक मिश्रा को 20,968 मतों से हराया। इस सीट पर लगातार तीन चुनावों से भाजपा जीत का परचम लहरा रही है। वर्ष 2014 के चुनाव में भाजपा के मुरली मनोहर जोशी ने यह सीट भाजपा के खाते में डाली थी। हालांकि 1991, 1996 और 1998 में जगतवीर सिंह द्रोण ने हैट्रिक लगाई थी। 2019 में भाजपा के सत्यदेव पचौरी ने जीत पाई थी।

अकबरपुर संसदीय सीट पर भाजपा के देवेंद्र सिंह भोले ने 5,14,256 वोट पाकर हैट्रिक लगाई। उन्होंने सपा के राजाराम पाल को हराया। राजाराम पाल को 4,69,766 वोट मिले। जीत का अंतर 44,490 मत ही रहे। देवेंद्र सिंह भोले ने 2014 और 2019 का भी चुनाव जीता। यहां 7,523 मतदाताओं ने नोटा का इस्तेमाल किया।

उन्नाव सीट में भी भाजपा के साक्षी महाराज ने हैट्रिक लगाई। उन्होंने सपा की अन्नू टंडन को हराया। हालांकि इस बार उनकी जीत का अंतर महज 37,130 वोट ही रह गया, जबकि 2014 के चुनाव में उन्होंने 3,10,173 मत और वर्ष 2019 में 4,00,956 मतों के अंतर से जीत दर्ज की थी।

कन्नौज के साथ इटावा, फतेहपुर में समाजवादी पार्टी का परचम

सीट	विजेता	कुल मिले मत	जीत का अंतर	निकटतम प्रतिद्वंद्वी	कुल मिले मत
कन्नौज संसदीय सीट	अखिलेश यादव (सपा)	6,42,292	1,70,922	सुब्रत पाठक (भाजपा)	4,71,370
फतेहपुर संसदीय सीट	नरेश उत्तम पटेल (सपा)	4,98,349	33,616	निरंजन ज्योति (भाजपा)	4,64,733
इटावा संसदीय सीट	जितेंद्र दोहरे (सपा)	4,90,747	58419	रामशंकर कठेरिया (भाजपा)	4,32,328

संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार: अति आत्मविश्वास और मोदी के नाम पर जीत का ख्वाब संजोए भारतीय जनता पार्टी ने तीन सीटें गंवा दीं। कन्नौज के साथ इटावा और फतेहपुर सीट पर समाजवादी पार्टी ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत का परचम लहराया, जबकि फर्रुखाबाद में भाजपा मामूली अंतर से जीत का हैट्रिक लगाने में कामयाब रही। इटावा और फतेहपुर में पुराने चेहरों के साथ हैट्रिक लगाने के लिए मैदान पर उतरी भाजपा को हार का सामना करना पड़ा।

फतेहपुर संसदीय सीट में वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने राकेश सचान को चुनाव मैदान पर उतारकर जीत हासिल की थी। इसके बाद वर्ष 2014 और 2019 के चुनाव में भाजपा ने साध्वी निरंजन ज्योति को प्रत्याशी बनाकर विजय पाई। निरंजन ज्योति को केंद्र सरकार में राज्यमंत्री बनाकर दोआबा के साथ बुंदेलखंड में पिछड़ा वर्ग के बीच पकड़ बनाने की कोशिश की गई। इस बार चुनाव में उन्हें तीसरी बार चुनाव मैदान में उतारा गया, लेकिन ऐन वक्त पर सपा ने प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल को प्रत्याशी बनाकर भाजपा के सामने चुनौती खड़ी कर दी और सपा इस सीट पर कब्जा जमाने में कामयाब रही।

फतेहपुर संसदीय सीट का इतिहास रहा है कि अभी तक कोई भी प्रत्याशी हैट्रिक नहीं लगा सका है। यहां 1967 और 1971 में कांग्रेस, 1977 और 1978 में जनता पार्टी, 1980 और 1984 में कांग्रेस, 1989 और 1991 में जनता दल, 1998 और 1999 में भाजपा, फिर 2014 और 2019 में भाजपा ने लगातार दो बार जीत हासिल की, लेकिन हैट्रिक लगाने में कोई भी राजनीतिक दल कामयाब नहीं रहा।

कन्नौज संसदीय सीट में सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भाजपा के सुब्रत पाठक को 1,70,922 मतों के अंतर से हराकर अपनी परंपरागत सीट फिर हथियाने में कामयाब रहे। यहां से सपा अध्यक्ष चौथी बार चुनाव जीते। 2009 के चुनाव में उन्होंने 1,65,008 मतों के अंतर से जीत हासिल की थी। इसके बाद 2012 के चुनाव में उनकी पत्नी डिंपल यादव निर्विरोध चुनी गईं। 2014 के चुनाव में डिंपल यादव ने भाजपा के सुब्रत पाठक को हराया, लेकिन 2019 के चुनाव में मोदी लहर के सहारे सुब्रत पाठक ने डिंपल यादव को हराकर यह सीट भाजपा की झोली में डाल दी। इस बार अखिलेश यादव ऐन वक्त पर खुद मैदान पर उतरे और अपनी परंपरागत सीट पर फिर कब्जा कर लिया।

इटावा संसदीय सीट भी सपा की परंपरागत सीट रही है। वर्ष 1999 और 2004 के चुनाव में सपा के रघुराज सिंह शाक्य ने जीत हासिल की थी। इसके बाद 2009 के चुनाव में सपा प्रत्याशी प्रेमदास कठेरिया ने जीत पाई, लेकिन 2014 के चुनाव में यह सीट भाजपा के खाते में चली गई और अशोक कुमार दोहरे सांसद बने। 2019 के चुनाव में भाजपा ने रामशंकर कठेरिया को चुनाव मैदान पर उतारा और उन्होंने जीत पाई, लेकिन इस बार सपा प्रत्याशी जितेंद्र दोहरे ने शुरू से बढ़त हासिल कर भाजपा के रामशंकर कठेरिया को 58,419 मतों के अंतर से हरा दिया।

मंडी से जीत के बाद सर्टिफिकेट दिखाती कंगना रनौत।

दिल्ली में भाजपा प्रशंसक भगवा वस्त्र में पार्टी का झंडा लहराता हुआ।

दिल्ली में जीत के बाद सर्टिफिकेट दिखाती वांसुरी स्वराज।

विस उप चुनाव में भाजपा व सपा को मिली दो-दो सीटें

लखनऊ, अमृत विचार : उप्र. की चार विधानसभा सीटों पर हुए उप चुनाव में भाजपा व सपा को दो-दो सीटे मिली हैं। उप चुनाव में सपा को एक सीट का फायदा हुआ है जबकि भाजपा को एक सीट का नुकसान उठाना पड़ा है।

लखनऊ पूर्व सीट पर भाजपा के ओपी श्रीवास्तव जीते, इन्हें 142948 मत मिले, जबकि दूसरे नंबर पर कांग्रेस के मुकेश सिंह चौहान को 89061 मत मिले। शाहजहांपुर की ददरौल सीट पर भाजपा के अरविंद कुमार सिंह ने सपा के अवधेक कुमार वर्मा को 16795 मतों से हराया। बलरामपुर की गैसड़ी सीट पर सपा के राकेश कुमार यादव ने भाजपा के शैलेश कुमार सिंह 'शैलू' को 9437 मतों से हराया। वहीं सोनभद्र की दुद्धी विधानसभा सीट पर सपा के विजय सिंह ने भाजपा के सरवन कुमार को 3208 मतों से हराया है।

बुंदेलखंड में दौड़ी साइकिल, सिर्फ झांसी लोस सीट बचा पाई भाजपा

- झांसी में लगातार तीसरी मर्तबा भाजपा ने हासिल की जीत
- हमीरपुर में पुनर्मतगणना के बाद सपा के अजेंद्र सिंह लोधी जीते

संवाददाता, कानपुर

सीट	विजेता	कुल मिले मत	जीत का अंतर	निकटतम प्रतिद्वंद्वी	कुल मिले मत
बांदा-चित्रकूट सीट	कृष्णा शिवशंकर पटेल (सपा)	4,06,567	71,210	आरके पटेल (भाजपा)	3,35,357
जालौन-गरौठा सीट	नारायण दास अहिरवार (सपा)	5,30,180	53,898	भानुप्रताप वर्मा (भाजपा)	4,76,282
झांसी सीट	अनुराग शर्मा (भाजपा)	9,90,316	1,02,614	प्रदीप जैन आदित्य (कांग्रेस)	5,87,702

अमृत विचार : बुंदेलखंड की सूखी धरा में इस बार कमल मुरझा गया। साइकिल की रफ्तार में भारतीय जनता पार्टी सिर्फ झांसी सीट ही बचा पाई। यह दीगर बात है कि झांसी सीट में भाजपा ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल की, लेकिन बांदा-चित्रकूट, जालौन-गरौठा और हमीरपुर-महोबा सीट समाजवादी पार्टी ने छीन ली। इन तीनों सीटों पर दो चुनावों से भाजपा का कब्जा था और इस बार हैट्रिक लगने की संभावना जताई जा रही थी।

वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में बांदा-चित्रकूट संसदीय सीट पर समाजवादी पार्टी से आरके पटेल ने जीत हासिल की थी, लेकिन उसके बाद 2014 के चुनाव में भाजपा ने भैरोंप्रसाद मिश्रा को मैदान पर उतारा और मोदी लहर में यह सीट भाजपा के खाते में आ गई। इसके बाद 1019 के चुनाव में सपा छोड़कर आए आरके पटेल को भाजपा ने चुनाव लड़ाया और जीत हासिल की। इस बार जनता ने भाजपा प्रत्याशी को नकार दिया।

यही हाल जालौन-गरौठा सीट का रहा। वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में सपा प्रत्याशी घनश्याम अनुरागी ने जीत हासिल की, लेकिन 2014 के चुनाव में भाजपा ने भानुप्रताप वर्मा को मैदान पर उतारकर मोदी लहर के सहारे अपना कब्जा जमा लिया। इसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने फिर भानुप्रताप वर्मा पर को चुनाव लड़ाया और वह 5,30,180 पाकर चुनाव जीते, लेकिन इस बार वह हैट्रिक लगाने से चूक गए।

हमीरपुर-महोबा संसदीय सीट भी भाजपा के हाथ से खिसक गई। यहां वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में बसपा के विजय बहादुर सिंह ने जीत हासिल की थी। वर्ष 2014 और 2019 में भाजपा ने पुष्पेंद्र चंदेल को चुनाव मैदान में उतारा। दोनों बार ही भाजपा ने जीत हासिल की, लेकिन इस बार पुष्पेंद्र चंदेल हैट्रिक से चूक गए। इसके पहले 1996 और 1998 में भाजपा के गंगाचरण राजपूत ने लगातार दो चुनाव जीते थे। इस बार सपा के अजेंद्र सिंह लोधी जीते। यहां पुनर्मतगणना के बाद सपा को 4,90,683 मत और पुष्पेंद्र चंदेल को 4,88,054 मत मिले। इस तरह 2629 मतों से सपा को जीत मिली।

भाजपा ने झांसी में लगातार तीसरी बार जीत हासिल की। वर्ष 2009 में कांग्रेस के प्रदीप जैन आदित्य ने विजय पाई थी, जबकि 2014 में भाजपा से उमा भारती ने चुनाव जीता था। वर्ष 2019 के चुनाव में भाजपा ने अनुराग शर्मा को उतारा और जीत हासिल की।

परिणाम

हल्द्वानी में पांचों संसदीय सीटों पर पार्टी उम्मीदवारों ने लहराया परचम

उत्तराखंड में भाजपा ने लगातार तीसरी बार किया 5-0 से क्लीन स्वीप

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

सीट	विजेता	कुल मिले मत	जीत का अंतर
नैनीताल संसदीय सीट	अजय भट्ट (भाजपा)	772671	334548
अल्मोड़ा संसदीय सीट	अजय टम्टा (भाजपा)	417535	225893
टिहरी संसदीय सीट	माला राजलक्ष्मी शाह (भाजपा)	462603	272493
हरिद्वार संसदीय सीट	त्रिवेंद्र सिंह रावत (भाजपा)	653808	164056
गढ़वाल संसदीय सीट	अनिल बलूनी (भाजपा)	418531	155839

अमृत विचार : देवभूमि उत्तराखंड में भाजपा ने लगातार तीसरी बार 5-0 से क्लीन स्वीप किया है। नैनीताल लोकसभा सीट से अजय भट्ट, अल्मोड़ा से अजय टम्टा, गढ़वाल से अनिल बलूनी, टिहरी से माला राज्य लक्ष्मी शाह और हरिद्वार से त्रिवेंद्र सिंह रावत ने जीत दर्ज की है। प्रदेश में लगातार तीसरी बार क्लीन स्वीप करने वाला भाजपा पहला राजनैतिक दल बन गया है।

उत्तराखंड में लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान हुआ था। 4 जून को मतगणना की शुरुआत पोस्टल बैलेट्स की गिनती से हुई। शुरुआत में पांचों संसदीय सीटों पर भाजपा उम्मीदवार पीछे थे जबकि कांग्रेस के उम्मीदवार बढ़त बनाए हुए थे। ईवीएम खुलने के साथ ही भाजपा ने बढ़त बनाना शुरू किया जो राउंड दर राउंड बढ़ती रही और जीत में बदल गई। नैनीताल सीट पर भाजपा के अजय भट्ट को 772671 मत और कांगेस के प्रकाश जोशी 438123 को मत मिले। भट्ट ने 334548 अंतर से जीत दर्ज की। वह केंद्र में रक्षाराज्य मंत्री भी रह चुके हैं। अल्मोड़ा संसदीय सीट पर भाजपा के अजय टम्टा को 417535 मत और कांग्रेस के प्रदीप टम्टा को 191642 मत मिले। अजय टम्टा 225893 के अंतर से जीत दर्ज की है। उन्होंने तीसरी बार जीत दर्ज की है। वह केंद्र में कपड़ा राज्य मंत्री भी रह चुके हैं। हरिद्वार सीट से भाजपा के त्रिवेंद्र सिंह रावत को 653808 मत और कांग्रेस के वीरेंद्र सिंह रावत को 489752 मत मिले। त्रिवेंद्र सिंह ने 164056 मतों के अंतर से जीत दर्ज की।

भाजपा को प्रचंड जीत दिलाने के लिए जनता का बहुत आभार। नतीजों से स्पष्ट है कि उत्तराखंड की जनता को प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों से प्यार है और उन पर अटूट विश्वास है। -पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

जश्न

हैदराबाद में भाजपा की जीत के बाद ढोल-नगाड़ो के साथ जश्न मनाते कार्यकर्ता। एजेंसी

4 वर्ष के बच्चे की गला रेतकर हत्या, शव को भूसे में छुपाया

पड़ोसी युवती ने बच्चे के मुंह में कपड़ा ठूंसकर चाकू से रेता गला

संवाददाता फतेहपुर चौरासी, उन्नाव

अमृत विचार : फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के गोंदरी गांव में सोमवार शाम घर के बाहर खेल रहा चार साल का बच्चा रहस्यमय ढंग से लापता हो गया। परिजनों ने उसकी तलाश की तो उसका शव घर से कुछ दूर भूसे की बोरी में पड़ा मिला। उसके मुंह में कपड़ा ठूंसने के बाद धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या की गई थी।

पुलिस ने शक के आधार पर कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इसमें गांव की एक युवती भी शामिल थी। कड़ाई से हुई पूछताक्ष में युवती हत्या करने की बात कबूल कर ली। थानाक्षेत्र के गोंदरी गांव

- मां से खुन्नस के कारण युवती ने वारदात को दिया अंजाम

निवासी दिनेश का चार वर्षीय बेटा अक्षत उर्फ ढोलू सोमवार शाम घर के बाहर खेल रहा था। जहां से वह अपने घर से रहस्यमय ढंग से लापता हो गया था। बाहर निकले परिजनों ने बच्चे को वहां न देख तलाश शुरू की लेकिन उसका पता नहीं चला। देरशाम चाचा की तहरीर पर गुमशुदगी दर्ज कर गांव पहुंची पुलिस ने परिजनों के साथ बच्चे की तलाश की। गांव के सुरेश के गोंडे.में रखे भूसे की बोरी में उसका का क्षतविक्षत शव बरामद हुआ। उसके दोनों हांथ बंधे थे। मृतक के पिता दिनेश गुजरात में किसी निजी कंपनी में काम करते हैं। उसकी शादी करीब छह साल पहले हुई थी। अक्षत उसकी इकलौता बेटा था। पुलिस ने संदेह के आधार पर गांव के कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इसमें पड़ोसी रमेश की बेटी मधु भी थी। थाने में हुई पूछताछ में उसने अपना जुर्म कुबूल करते हुए बच्चे की हत्या करने की बात कही है। बताया कि उसका अक्षत की बड़ी बहन के देवर से प्रेम संबंध था। कुछ दिन पहले वह अपने प्रेमी के साथ चली गई थी। लेकिन बाद में लौट आई थी। इसे लेकर अक्षत की मां उसे अक्सर चिढ़ाती थी। इसी खुन्नस के चलते घर के बाहर खेल रहे अक्षत की हत्या कर शव छुपा दिया।

लखनऊ एयरपोर्ट से 12 घंटे ठप रहा विमानों का संचालन

लखनऊ, अमृत विचार : रनवे पर क्रेन खराब होने से मंगलवार को चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 12 घंटे तक विमानों का संचालन ठप रहा। इस दौरान 84 उड़ानों को निरस्त करना पड़ा। इसमें 45 उड़ानें टेकऑफ नहीं कर पाईं जबकि 39 फ्लाइटें लैंड नहीं कर सकीं। इसके अलावा 40 से अधिक उड़ानें लेट हुईं। वहीं एक दर्जन विमानों को अलग-अलग एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया। इससे परेशान तमाम यात्रियों ने हंगामा करते हुए टिकट कैंसिल कराया। एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक टर्मिनल-3 पर मरम्मत का काम चल रहा था। इसकी वजह से सुबह 6:25 बजे लखनऊ से कोलकाता जाने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या (6 ई-505) 40 मिनट देरी से 7:07 बजे उड़ान भर सकी। इस फ्लाइट के निकलते ही एक क्रेन रनवे खराब हो गई।

आबादी के बीच कुत्तों के झुंड ने वृद्धा को नोचकर मार डाला

संवाददाता, संभल

अमृत विचार: कुत्तों के झुंड ने शहर विधायक के आवास के निकट बुजुर्ग महिला पर हमला कर उसकी जान ले ली। कुत्ते महिला को उस समय तक नोचते रहे जब तक उसकी मौत नहीं हो गई। आसपास के लोगों ने निर्वस्त्र अवस्था में पड़ी महिला के शव को चादर डालकर ढका।

जुबैदा।

संभल शहर के मुहल्ला डेरा सराय निवासी हाजी समतुल्ला की 70 वर्षीय पत्नी जुबैदा मंगलवार की सुबह पांच बजे मुहल्ला बेगम सराय में बेटी के घर पैदल जा रही थी। जुबैदा जैसे ही मुहल्ला मिया सराय में विधायक इकबाल महमूद के आवास के पास पहुंची तो यहां मस्जिद के पास मैदान में कुत्तों ने घेरकर हमला कर दिया। कुत्ते महिला के कपड़े फाड़ दिये और मांस नोचकर उसे गंभीर घायल कर दिया। चीखने की आवाज सुनकर लोग मौके पर पहुंचे और लाठी डंडे दिखाकर कुत्तों से वृद्धा को छुड़ाया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आनन फानन में उपचार के लिए वृद्धा को जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर ने जुबैदा को मृत घोषित कर दिया।

ऐसे हमले से सहमे लोग

संभल। शहर की आबादी के बीच कुत्तों के हमला कर महिला की जान लेने की घटना से लोग सहम गये हैं। वृद्धा पर कुत्तों के झुंड ने ऐसा हमला किया कि मांस नोचकर उसकी जान ही ले ली। जब तक लोग घरों से निकलकर पहुंचे तब तक कुत्ते मांस नोच चुके थे।

सार-संक्षेप

ट्रक ने बाइक सवारों को रौंदा, दादी-पोते की गई जान

संभल/रजपुरा, अमृत विचार : रजपुरा थाना क्षेत्र में गवां-अनूपशहर मार्ग पर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवारों को रौंद दिया और काफी दूर तक घसीटकर ले गया। हादसे में रिश्ते की दादी और पोते की मौत हो गई जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हुई। घायल महिला को हायर सेंटर रेफर किया गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक को भी पकड़ लिया। जनपद गाजियाबाद के विजयनगर थाना क्षेत्र के मुहल्ला बिहारीपुरा निवासी राहुल (18 वर्ष) पुत्र ब्रजेश मौसेरी दादी चमेली (60 वर्ष) पत्नी बलजीत निवासी गंगेश्वरी थाना रहरा जनपद अमरोहा और उसकी बहन हरवती (55 वर्ष) पत्नी मिश्रीलाल निवासी चाहसी थाना आहार जनपद बुलंदशहर के साथ बाइक से रजपुरा थाना क्षेत्र के गांव दीपपुर डांडा निवासी चंद्रपाल के पिता रामफल की आरश्टी में शामिल होने आए थे। आरश्टी में शामिल होने के बाद तीनों बाइक से लौटने लगे। रजपुरा थाना क्षेत्र के डिजायर ग्रुप के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवारों को रौंद दिया। इतना ही नहीं, ट्रक काफी दूर तक घसीटता हुआ ले गया। हादसे में राहुल और हरवती की मौके पर ही मौत हो गई जबकि चमेली गंभीर रूप से घायल हुई।

दहेज में पांच लाख न मिलने पर महिला की हत्या

रामपुर, अमृत विचार : दहेज में पांच लाख रुपये नहीं मिलने पर ससुरालियों ने महिला की हत्या करके शव को पंखे से लटका दिया। जानकारी मिलने पर पहुंचे मायके वालों ने शव को देखकर रोना-पीटना शुरू कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने पति सहित तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पटवाई थाना क्षेत्र के गांव लालपुर पट्टी खुर्द निवासी गजराम सिंह का कहना है कि उसने अपनी बेटी ज्योति की शादी एक मई 2023 को केमरी थाना क्षेत्र के गांव रामनगरिया निवासी मुकेश से की थी। शादी के तीन माह बाद ही पति मुकेश, सास रूपवती, जेठानी सर्वेश कम दहेज लाने के लिए उसको परेशान करते थे। दहेज में पांच लाख रुपये की मांग करते थे। इंकार करने पर उसके साथ मारपीट करते थे। सोमवार की शाम पांच बजे केमरी से किसी ने फोन करके बताया कि ज्योति को ससुराल वालों ने मार दिया है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि, ईदगाह विवाद पर सुनवाई 6 को

विधि संवाददाता, प्रयागराज : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद पर 4 जून (मंगलवार) को हुई सुनवाई में मुस्लिम पक्ष के अधिवक्ता नसीरुज्जमां के माध्यम से एक आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसमें कोर्ट को सूचित किया गया कि अधिवक्ता महमूद प्राचा उत्तर प्रदेश राज्य के रामपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से एक स्वतंत्र उम्मीदवार हैं और 4 जून को मतगणना होने के कारण वह न्यायालय को संबोधित करने के लिए उपस्थित नहीं हो पाएंगे। अतः सुनवाई के लिए 5 जून 2024 के बाद की तारीख तय करने की प्रार्थना की गई। उक्त प्रार्थना का मंदिर पक्ष के अधिवक्ताओं ने कड़ा विरोध किया। हालांकि प्रार्थना पर विचार करते हुए मामले की सुनवाई आगामी 6 जून को दोपहर 2 बजे सुनिश्चित कर दी गई है। मालूम हो कि मामले पर दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद खुली कोर्ट में आदेश सुरक्षित कर लिया गया था।

बस में आपत्तिजनक हालत में मिले युवक-युवती

रौसर कोठी, अमृत विचार : आवास एवं विकास परिषद कॉलोनी बरेली मोड़ के पहले गोल चौराहे पर एक बस में युवक और युवती आपत्तिजनक हालत में मिले। वहीं पास में खाने का ठेला लगाने वाली महिला ने यह देख 112 नंबर पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों को बस से नीचे उतारकर पूछताछ की। युवक एक मिल की बस चलाता है। युवक ही युवती को लेकर आया था। सूचना पर अजीजगंज चौकी पुलिस भी मौके पर आ गई। इसी बीच मौका पाकर युवती वहां से चली गई। अजीजगंज पुलिस युवक को हिरासत में लेकर चौकी ले आई। अजीजगंज चौकी प्रभारी रोहित कुमार ने बताया कि मामला आपसी कहासुनी का था। युवती को बस में ले जाने के आरोप की पुष्टि नहीं हुई है। युवक से पूछताछ की जा रही है। वहीं लोगों में रोष व्याप्त है।

डूंगरपुर से जुड़े एक मामले में आज भी जारी रहेगी बहस

रामपुर, अमृत विचार : गंज थाना क्षेत्र की डूंगरपुर बस्ती को खाली कराने को लेकर 2019 में कई मुकदमे दर्ज हुए थे। इनमें घरों में घुसकर मारपीट, गाली-गलौज, डकैती और आपराधिक षड्यंत्र रचने के आरोप में ठेकेदार बरकत अली, रिटायर्ड सीओ आले हसन के अलावा अलावा आजम खां को भी आरोपी बनाया गया था। आरोप था कि आजम खां के इशारे पर अन्य आरोपियों ने घटना को अंजाम दिया था। एक प्रकरण में बहस शुरू हो गई। एडीजीसी सीमा सिंह राणा ने बताया कि मंगलवार को बचाव पक्ष ने बहस की। मगर यह पूरी नहीं हो सकी। बुधवार को भी बहस की जाएगी।

पिता और बहनों पर पिटाई का आरोप

खुटार। क्षेत्र के गांव सरेली के रहने वाले परविंदर ने पुलिस को बताया कि इस समय उसकी पत्नी सोनी देवी बीमार चल रही है और वह उसका इलाज करा रहा है। आरोप है कि एक जून को उसने अपने पिता से पत्नी के इलाज के लिए रुपये मांगे। जिस पर उसके पिता और दो बहनों ने गाली गलौज की। विरोध करने पर उसे पीट दिया। पिटाई से उसको गुम चोटें आई है। साथ ही पिता ने इलाज कराने से साफ मना कर दिया। जबकि वह एक ही घर में रह रहे हैं।

जिला उपभोक्ता फोरम में अध्यक्ष सदस्यों को सेवा में बने रहने का निर्देश

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश के जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के सभी सेवानिवृत्त हो रहे अध्यक्षों, सदस्यों द्वारा उक्त पदों पर नई नियुक्ति होने तक सेवा जारी रखने की मांग करने वाली एक याचिका पर विचार करते हुए कहा कि अध्यक्ष और राज्य आयोग और जिला आयोग का प्रत्येक सदस्य 4 वर्ष की अवधि या 65 वर्ष की आयु तक पद धारण करेगा और 65 वर्ष की आयु सीमा तक 4 वर्ष की दूसरी अवधि के लिए पुनर्नियुक्ति हेतु पात्र होगा।

ऐसी पुनर्नियुक्ति चयन समिति की सिफारिश के आधार पर की जायेगी। डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर डिस्प्यूट रिड्रेसल कमिशन (डीसीडीआरसी) के वर्तमान अध्यक्ष और सदस्य अगले आदेश तक सेवा में बने रहेंगे। उक्त आदेश मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति विकास बुधवार की खंडपीठ ने पारित किया। याचिका में तर्क दिया गया है कि सदस्यों की नियुक्ति में देरी से उत्तर प्रदेश में उपभोक्ता शिकायत निवारण तंत्र के कमजोर होने का खतरा है। याचिका में उपभोक्ता संरक्षण की वैधता को भी चुनौती दी गई है। उक्त नियम को मनमाना और भेदभावपूर्ण बताया गया है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई 12 जुलाई को सुनिश्चित की है।

दोस्त को गड्ढे में दबाने का प्रयास

खुटार, अमृत विचार: सरेली गांव के रहने वाले एक युवक को दोस्त बाइक पर बैठा ले गए। आरोप है कि सरेली के झीला क्षेत्र में कठिना नदी किनारे पहले से खोदे गड्ढे में दबाने का प्रयास किया। इस बीच लाठी-डंडों से पीटकर घायल कर दिया। वह उनसे किसी तरह छूटकर गन्ने के खेत से होकर गांव पहुंचा और थाने पहुंच कर पुलिस को तहरीर दी। क्षेत्र के गांव सरेली खुर्द निवासी पवन कुमार ने पुलिस को बताया कि सोमवार शाम करीब 4:00 बजे वह अपने घर पर था। उसी समय गांव निवासी एक दोस्त ने फोन कर गांव के बाहर कठिना नदी किनारे साथ चलने के लिए बुला लिया।

8 साल की बच्ची का शव गांव के बाहर कुएं में मिला

संवाददाता, सेहरामऊ दक्षिणी

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के एक गांव के बाहर आठ साल की बच्ची का शव कुएं में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। पुलिस ने बच्ची के शव को कब्जे में लिया। मृतक बच्ची के परिवार वालों ने दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने पैनल के आधार पर पोस्टमार्टम कराया। दुष्कर्म की पुष्टि के लिए स्लाइड बनाई गई है, जो जांच के लिए बरेली लैब भेजी जाएगी। पुलिस ने एक युवक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

सेहरामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र के एक गांव की 8 साल की बच्ची सोमवार को दिन में ढाई बजे खेलने के लिए निकली थी। वह दिन में चार बजे तक घर वापस नहीं आई तो परिवार वालों ने उसकी तलाश की। गांव में उसका पता नहीं चला। परिवार वाले तलाश करते हुए गांव के बाहर शाम छह बजे पहुंचे तो देखा कि एक कुएं में उसका शव पानी में उतराता हुआ देखा गया। परिवार वालों ने पुलिस को सूचना दी। एसओ रोहित सिंह सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंचे और बच्ची के शव को बाहर निकलवाया। बच्ची टी शर्ट पहने हुए थी और पैजामी गायब थी। उसके शरीर में चोट के निशान नहीं थे। बच्ची तीन बहनों में छोटी थी और सरकारी स्कूल में कक्षा तीन में पढ़ती थी। पुलिस लाइन से फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच करके नमूने लिए। बच्ची के पिता ने दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने गांव के एक युवक पर शक जाहिर किया है। पुलिस ने शक के आधार पर युवक को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है।

कुएं में दो फुट पानी था

मृतक बच्ची के घर से करीब दो मीटर दूर एक कुआं है। यह कुंआ काफी पुराना है। गांव वालों ने कूड़ा तथा पत्थर आदि डालकर पाट दिया था। लेकिन कुआं में करीब ढाई फिट पानी था। यह पानी बरसात का है और कुएं के पड़ोस में नाली है और गांव का गंदा पानी निकलकर जाता है। गांव में चर्चा है कि ढाई फिट पानी होने पर बच्ची कैसे डूब गयी और उसकी पैजामी कहां चली गयी। आशंका व्यक्त की जा रही है कि उसे डूबोकर मारा गया है। उसकी मौत पर तमाम चर्चाएं हैं।

सेल्फी लेते समय शारदा नदी में गिरा किशोर, मौत

लखीमपुर खीरी कार्यालय

अमृत विचार: थाना भीरा क्षेत्र के गांव डंबल टांडा में दोस्तों के साथ नदी में सेल्फी लेते समय एक किशोर की गहरे पानी में चला गया, जिससे उसकी डूबकर मौत हो गई। गोताखोरों की मदद से तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला जा सका।

मृतक विपिन।

घटना के बाद से पूरे परिवार में मातम का माहौल पसरा है। गांव डंबल टांडा निवासी 17 वर्षीय विपिन सिंह पुत्र पाल सिंह मंगलवार को अपने दोस्तों के साथ शारदा नदी में नहाने गया था। सभी दोस्त नदी में नहा रहे थे कि विपिन ने सेल्फी लेने के लिए मोबाइल निकाला और फोटो क्लिक करने लगा। तभी उसका पैर फिसल गया जिससे वह गहरे पानी में चला गया और वह डूब गयटा। दोस्तों ने विपिन के डूबने की जानकारी पास पड़ोस के खेतों में काम कर रहे लोगों को दी। इस पर तमाम लोग व परिवार वाले मौके पर पहुंच गए। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों को नदी में उतारा और उसकी तलाश कराई। 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद गोताखोर विपिन को बाहर निकाल सके। उसे बिजुआ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

शारदा नदी पर मौजूद परिजन व लगी भीड़। ● अमृत विचार

भिंडरावाला का पोस्टर नहीं हटाने पर तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

पूरनपुर, अमृत विचार: गुरुद्वारा के बाहर लगे भिंडरावाला का पोस्टर पुलिस प्रशासन ने कमेटी से हटाने को कहा लेकिन कमेटी ने पहले 24 घंटे का समय मांगा। इसके बावजूद निर्धारित समय सीमा में पोस्टर नहीं हटाया गया। इस मामले में पुलिस ने गुरुद्वारा के प्रधान सहित तीन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

पूरनपुर खुटार मार्ग पर रूरिया गुरुद्वारा के सामने जनरैल सिंह भिंडरावाला का असलहों के साथ पोस्टर लगा हुआ है। इसकी पुलिस से शिकायत की गई थी। रविवार को सीओ आलोक सिंह, नायब तहसीलदार अभिषेक त्रिपाठी पुलिस बल के साथ गुरुद्वारा पहुंचे थे और भिंडरावाला का पोस्टर कमेटी को हटाने के लिए कहा था। जानकारी लगने पर सिख समुदाय के दर्जनों लोग पहुंच गए थे। कमेटी ने पोस्टर हटाने के लिए 24 घंटे का समय मांगा था। सोमवार को मांगा गया 24 घंटे का समय पूरा हो गया लेकिन गुरुद्वारा के सामने लगा पोस्टर नहीं हटाया गया।

उत्तराखंड

तमंचा दिखाकर कार लूट मामले में रिपोर्ट

रुद्रपुर, अमृत विचार : 25 मई की रात्रि को क्रेटा कार चालक को तमंचा दिखाकर कार लूट प्रकरण में कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बाइक सवार बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। युवराज सिंह खारा निवासी संत फार्म डिबडिबा बिलासपुर यूपी निवासी ने बताया कि उसकी क्रेटा कार संख्या सी एच 01बीजी 3302 का संचालन चालक छोटू निवासी ग्राम मानपुर ओझा बिलासपुर यूपी करता है। बताया कि 25 मई को चालक उसे काशीपुर बाईपास छोड़कर खाना खाने के लिए खेड़ा बस्ती की ओर रवाना हुआ था और रात्रि साढ़े ग्यारह बजे फोन पर सूचना दी कि दो बाइक सवार बदमाशों ने तमंचा दिखाकर कार को लूट लिया है। सूचना मिलते डायल 112 में पुलिस को सूचना दी गई। काफी खोजबीन के बाद भी कार का कोई सुराग नहीं लगा।

प्रेमिका के घर लटका मिला हिस्ट्रीशीटर

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- एनडीपीएस के दर्जनभर से अधिक मुकदमे थे अजीम पर

अमृत विचार : पत्नी और बेटे को छोड़कर दूसरी महिला के प्रेम में पड़े बनभूलपुरा थाने के हिस्ट्रीशीटर अजीम का शव उसकी प्रेमिका के घर में लटका मिला। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। अजीम के परिजनों ने उसकी प्रेमिका पर हत्या का आरोप लगाया है।

बनभूलपुरा उत्तर उजाला नमरा मस्जिद के पास रहने वाला अजीम (30 वर्ष) पुत्र इकबाला यहां अपनी पत्नी गुलिस्ता, बेटे मोहम्मद जैन, मां पारा, दो भाई समीर और वसीम के साथ रहता था। वह पीवीसी का काम करता था। परिजनों के मुताबिक नई बस्ती में अजीम मरियम बैंक्वेट हॉल के पास रहने वाली एक महिला के प्रेम में पड़ गया था। पत्नी, बेटे और परिवार को छोड़ कर वह पिछले 15 दिन से प्रेमिका के घर पर ही रह रहा था। मंगलवार की भोर उसका शव प्रेमिका के घर में फंदे से लटका मिला। शव को पहले प्रेमिका ने ही देखा। प्रेमिका ने पहले अजीम की पत्नी और फिर बहेड़ी में रहने वाले उसके बहनोई को फोन किया, लेकिन जब किसी ने भरोसा नहीं किया तो उसने खुद पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे अजीम के परिजनों ने उसकी प्रेमिका के चरित्र पर सवाल उठाए और उसी पर हत्या कर अजीम के शव को फंदे से लटकाने की बात कही। बनभूलपुरा थानाध्यक्ष नीरज भाकुनी का कहना है कि परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया, लेकिन तहरीर नहीं सौंपी है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। अजीम पेशेवर नशा तस्कर और नशे का आदी था। उसे नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया गया था। उपचार के बाद वह घर लौटा तो छोटे भाई समीर व एक साझेदार के साथ अमरिया में नशा मुक्ति केंद्र खोला। कुछ समय बाद ही साझेदार से खटपट हो गई और दोनों भाइयों ने नशा मुक्ति केंद्र छोड़ दिया।

वीडियो कॉल पर बहनोई को दिखाई लटकी लाश

हल्द्वानी : घर छोड़ने के बाद अजीम कभी-कभी ही घर आता था और वह भी अपने बेटे को देखने। कुछ दिन बाद वह अपने कपड़े भी घर से ले गया और प्रेमिका के साथ ही रहने लगाा। बताया जाता है कि प्रेमिका ने सुबह करीब 4 बजे अजीम को फंदे से लटका देखा। उसने जब अजीम के बहनोई को फोन किया तो उसने यकीन नहीं किया। जिसके बाद प्रेमिका ने वीडियो कॉल कर अजीम का फंदे से लटका शव दिखाया।

हिमालय पॉलिटेक कंपनी प्रबंधक और प्रोडक्शन इंचार्ज पर केस दर्ज

पंतनगर, अमृत विचार: लगभग डेढ़ माह पूर्व सिडकुल की कंपनी में ब्लेड बदलने के दौरान कर्मचारी के हाथ की उंगलियां कट गई थीं। मामले में पीड़ित के भाई की तहरीर पर पुलिस ने कंपनी प्रबंधक और प्रोडक्शन इंचार्ज के खिलाफ मशीनरी के संबंध में उपेक्षापूर्ण आचरण सहित जीवन सुरक्षा को खतरे में डालने की धाराओं में केस दर्ज किया है। ग्राम हिमकरा नबावगंज बरेली निवासी जितेंद्र कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका भाई देवीदास आजादनगर ट्रांजिट कैंप रुद्रपुर में रहकर सिडकुल की हिमालय पॉलिटेक कंपनी में पिछले 12 साल से कार्य कर रहा था। बीती 22 अप्रैल को करीब 12.45 बजे उसका भाई कंपनी में कार्य कर रहा था। तभी कंपनी प्रबंधक व प्रोडेक्शन इंचार्ज तिलक ने उसके भाई को मशीन का ब्लेड बदलने के लिए कहा। लेकिन उसके भाई ने जानकारी नहीं होने की बात कहकर मना कर दिया। इन लोगों ने उसे धमकाया और जबरदस्ती बिना किसी सुरक्षा उपकरण दिए मशीन का ब्लेड बदलने भेज दिया। ब्लेड बदलने के दौरान इन लोगों ने मशीन को चालू कर दिया। जिससे उसके भाई के दोनों हाथों के पंजे ब्लेड से कट गए।

प्रस्तावित चिड़ियाघर के जंगल में धधकी आग

हल्द्वानी, अमृत विचार : गौलापार क्षेत्र में प्रस्तावित अंतर्राष्ट्रीय चिड़ियाघर के जंगल में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। सूचना पर पहुंचे वन कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

मंगलवार की दोपहर एक बजे ग्रामीणों ने प्रस्तावित चिड़ियाघर से धुआं उठाता देखा। हवा के कारण कुछ ही देर में आग पूरे जंगल में फैल गई। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने आग को पानी की बाल्टी से बुझाने का प्रयास किया, लेकिन विफल रहे। ग्रामीणों ने तुरंत वन विभाग को सूचना दी। मौके पर 20 से 30 वन कर्मचारी आग बुझाने के उपकरणों के साथ मौके पर पहुंच गए, मगर तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी। आग चिड़ियाघर के साथ ही आबादी वाले इलाके की तरफ तेजी से बढ़ने लगी, जिस पर ग्रामीणों ने सर्तकता बरते हुए घरों में रखे गैस सिलेंडर बाहर निकाल लिये। जिस स्थान पर आग लगी थी, उस स्थान पर पहुंचने के लिए रास्ता बहुत ही संकरा था। जिस पर दमकल वाहन को लंबा चक्कर लगाने के बाद घूम कर आग वाले स्थान पर पहुंचना पड़ा। इधर, गौला रेंज के वन क्षेत्राधिकारी चंदन सिंह अधिकारी ने बताया कि बागजाला क्षेत्र की झाड़ियों में आग लगी थी, जो प्रस्तावित चिड़ियाघर के जंगल तक पहुंच गई।

दिनेशपुर में अनियमितताएं मिलने पर दो मेडिकल स्टोर किए गए सीज

संवाददाता,दिनेशपुर

अमृत विचार: औषधि निरीक्षक की टीम द्वारा ताबड़तोड़ छापेमारी से दवा विक्रेताओं में हड़कंप मचा रहा। इस दौरान डीआई (ड्रग इंस्पेक्टर) ने दो मेडिकल स्टोर पर अनियमितता, प्रतिबंधित दवाओं के बिल न मिलने पर लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान बंद मिले मेडिकल स्टोर के खिलाफ कार्रवाई की बात कही।

मंगलवार शाम जिले के डीआई नीरज गुप्ता अपनी टीम के साथ नगर स्थित अशोक मेडिकल पर पहुंचे। उन्होंने दुकान में मिली दवाओं के बिल सहित अन्य दस्तावेजों का निरीक्षण किया। इसके बाद टीम स्वास्तिक मेडिकल पर पहुंची जहां प्रतिबंधित दवाओं के बिल नहीं मिले। टीम मुख्य चौराहे स्थित बाला मेडिकल पर पहुंची जहां दुकान स्वामी विश्वजीत बाला से प्रतिबंधित दवाओं के बिल की मांगने पर स्वामी द्वारा बिल नहीं मुहैया कराए गए। इस दौरान नगर के अधिकांश मेडिकल स्टोर बंद मिले। स्वास्तिक मेडिकल पर प्रतिबंधित दवाओं के बिल नहीं मिले और बाला मेडिकल पर फार्मासिस्ट मौजूद नहीं था। इस पर मेडिकल स्टोर को तत्काल बंद करा दिया गया।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय पीलीभीत
टनकपुर रोड, निकट जिला अस्पताल, पीलीभीत (उ.प्र.)-262001
ई-मेल : kvpilibhit2008@gmail.com वेबसाइट : https://pilibhit.kvs.ac.in दूरभाष : 05882-253319

कक्षा-11 में प्रवेश के लिए पंजीकरण तिथि बढ़ाये जाने की सूचना (गैर के.वि. छात्र/छात्राओं हेतु) : सत्र 2024-25

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय पीलीभीत में कक्षा-11 (विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय) में प्रवेश के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 05.06.2024 से बढ़ाकर 08.06.2024 की जाती है। प्रवेश के लिए इच्छुक छात्र/छात्राएँ प्रातः 10 बजे से दोपहर 02 बजे तक विद्यालय में ऑफलाइन माध्यम द्वारा पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण फार्म डाउनलोड करने एवं अधिक जानकारी हेतु विद्यालय की वेबसाइट https://pilibhit.kvs.ac.in देखें। पंजीकरण फॉर्म विद्यालय से भी निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है।

Extension in Last Date of Registration for Admission in Class-11 (For Non-KV Students) Session 2024-25

Last date of registration for admission in class-11 (Science & Commerce Streams) in PM Shri Kendriya Vidyalaya Pilibhit is being extended to 08.06.2024. Interested candidates may register in Vidyalaya through offline mode from 10 AM to 2 PM. To download the Registration Form and for more information, please visit Vidyalaya website https://pilibhit.kvs.ac.in.Registration Form may also collected from Vidyalaya free of cost.

प्राचार्य/Principal

कार्यालय नगर पालिका परिषद, सोरों (कासगंज)

पत्रांक: 1014/न.पा.प.सोरों/2024-2025 दिनांक: 04/06/2024

विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद, सोरों (कासगंज) के निर्माण/आपूर्ति कार्यो को सम्पादित कराने हेतु वित्तीय वर्ष 2024-2025 की अवधि हेतु पंजीकरण एवं नवीनीकरण निर्धारित शुलक जमा कर किये जाने है। अतः इच्छुक फर्म/ठेकेदार दिनांक 15 जून 2024 से दिनांक 30 जून 2024 तक निर्धारित अवधि में ठेकेदारी से सम्बन्धित समस्त प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित प्रतियों के साथ संलग्न कर नगर पालिका परिषद, सोरों कार्यालय में सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत अथवा प्राप्त करा सकते हैं, नियत समयावधि के पश्चात् आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। इस सम्बन्ध में वांछित शर्तें निम्नवत् है:-

1. जिलाधिकारी महोदय, कासगंज द्वारा निर्गत हैसियत एवं चरित्र प्रमाण-पत्र।
2. जी.एस.टी. पंजीकरण प्रमाण-पत्र।
3. श्रम विभाग में पंजीयन का प्रमाण-पत्र।
4. आयकर का एन.ओ.सी./पैन कार्य।
5. किसी भी सरकारी विभाग में सम्बन्धित क्षेत्र में 05 वर्ष कार्य करने का अनुभव प्रमाण-पत्र।
6. किसी भी सरकारी विभाग में ब्लैक लिस्टेड न होने का 100/- रू. के स्टाम्प पेपर का शपथ पत्र।
7. नवीन पंजीकरण शुल्क रू.- 15,000/- एवं नवीनीकरण शुल्क रू. 10,000/- नकद कार्यालय नगर पालिका परिषद, सोरों में जमा करना अनिवार्य है।
8. वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु पंजीकरण/नवीनीकरण ठेकेदार/फर्म द्वारा जमानत के रूप में रू. 1,00,000/- की एफ.डी.आर. / एन.एस.सी. अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, सोरों (कासगंज) के नाम बंधक करना अनिवार्य है।
9. उ.प्र. शासन द्वारा समय-समय पर निगर्त शासनादेशों का ठेकेदार/फर्म द्वारा पालन करने सम्बन्धी रू. 100/- के स्टाम्प पेपर पर शपथ-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
10. पंजीकरण हेतु पालिका के अध्यक्ष एवं सभासद तथा पालिका के कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी का ब्लड रिलेशन न होने का प्रमाण-पत्र।

मुकेश कुमार
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, सोरों (कासगंज)

रामेश्वर दयाल महेरे
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, सोरों (कासगंज)

टेनी ने स्वीकारी हार, कहा- जनता का निर्णय है

चुनाव हारने के बाद भाजपा प्रत्याशी अजय मिश्र टेनी ने कहा कि देखिए यह जनता का निर्णय है, जनता ने पांच साल काम करने का मौका उन्हें दिया है तो वह अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। मुझे भी जनता ने पांच लाख वोट दिया है, जिन्होंने मुझे मतदान किया है, वह सब मेरी जिम्मेदारी है। सरकार भाजपा की बनने जा रही है।

बिजनौर-बागपत में रालोद के सांसद, 4 से 12 हो गईं सपा की सीटें, सहारनपुर से कांग्रेस व नगीना से आसपा जीती

पश्चिमी उप्र में भाजपा को बड़ा नुकसान, गंवानी पड़ीं 8 सीटें

अखिलेश शर्मा, अमृत विचार

- प्रथम से लेकर चौथे चरण तक हुआ था पश्चिमी उप्र की 29 सीटों पर मतदान

मुरादाबाद : लोकसभा चुनाव में पश्चिमी उत्तर प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। पश्चिमी उप्र में 29 लोकसभा सीटें हैं। इनमें से 21 भाजपा के पास थीं। मंगलवार को घोषित हुए परिणाम के बाद भाजपा की आठ सीटें कम हुई हैं। हालांकि सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल के बिजनौर से चंदन चौहान और बागपत से डा. राजकुमार सांगवान चुनाव जीत गए हैं। फिर भी पिछली सीटों की भरपाई नहीं हो सकी है।

समाजवादी पार्टी के पास पश्चिमी उप्र में चार सीटें थीं जोकि इस चुनाव में आठ सीटें बढ़कर संख्या 12 हो गई है। इंडी गठबंधन के सहयोगी दल के रूप में कांग्रेस को भी सहारनपुर की एक सीट इमरान मसूद के जीतने से मिल गई है। वहीं नगीना सुरक्षित सीट को आजाद समाज पार्टी के नेता चंद्रशेखर ने जीत लिया है। नगीना सीट पर बसपा के गिरीश कुमार 2019 में सांसद चुने गए थे।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में प्रथम से लेकर चौथे चरण तक मतदान हुआ। मथुरा से हेमा मालिनी और मेरठ से रामायण धारावाहिक में राम का अभिनय करने वाले अरुण गोविल मैदान में थे, इसलिए सभी की नजरें इन सीटों पर थी। दोनों ही अभिनेता चुनाव भी जीत गए। केंद्रीय गृहराज्य मंत्री अजय कुमार टेनी को खीरी में सपा के उत्कर्ष वर्मा ने हरा दिया तो मुजफ्फरनगर में संजीव बालियान को सपा के हरेंद्र सिंह मलिक ने हरा दिया। भारतीय जनता पार्टी शुरू से ही पश्चिम को लेकर रणनीति बना रही थी। टिकट वितरण के दौरान भी ऐसा देखने को मिला था। लेकिन एक साथ आठ सीटों का नुकसान भाजपा के रणनीतिकारों के लिए चिंता का विषय बन गया है।

इन सीटों पर हारी भाजपा

पश्चिमी उत्तर प्रदेश की आंवला (बरेली) लोकसभा सीट पर सपा के नीरज मौर्य ने भाजपा के धर्मेंद्र कश्यप को हराया। फिरोजाबाद में डा. चंद्रसेन जादौन सांसद थे लेकिन भाजपा ने इस बार विश्वदीप सिंह को प्रत्याशी बनाया था। लेकिन सपा के अक्षय यादव ने विश्वदीप को शिकस्त दे दी। रामपुर में 2019 के चुनाव में आजम खां सांसद बने थे। लेकिन उन्होंने 2022 में जेल में रहते हुए विधान सभा चुनाव जीत लिया। लोकसभा सीट से इस्तीफा दे दिया था। उपचुनाव हुए तो भाजपा के घनश्याम सिंह लोधी चुनाव जीत गए। इस बार भी भाजपा ने घनश्याम को मैदान में उतारा था। सपा ने संसद भवन की मस्जिद के इमाम मौलाना मुहिब्बुल्लाह नदवी को प्रत्याशी बनाया था। आजम खां ने इनके विरोध की घोषणा की थी, लेकिन घनश्याम को हराकर मौलाना सांसद चुने गए हैं। एटा में पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के पुत्र राजवीर सिंह राजू को सपा के देवेश शाक्य ने शिकस्त दे दी। कैराना में भाजपा के प्रदीप कुमार को सपा की इकरा चौधरी ने शिकस्त दी है। बदायूं में भाजपा ने सांसद संघ मित्रा मौर्य (पुत्री स्वामी प्रसाद मौर्य) का टिकट काटकर भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय शाक्य को प्रत्याशी बनाया था। सपा नेता शिवपाल सिंह यादव के पुत्र आदित्य यादव ने भाजपा के दुर्विजय को शिकस्त दी है।

धरी रह गई मायावती की चुनावी रणनीति

लखनऊ, अमृत विचार : लोकसभा चुनाव 2024 में बहुजन समाज पार्टी की चुनावी रणनीति धरी रह गई। बिना गठबंधन के अकेले चुनाव लड़ने का बसपा प्रमुख मायावती का फैसला कारगर साबित नहीं हुआ। पार्टी शून्य पर चली गई। 2019 में बसपा ने सपा के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में बसपा को 10 सीटें व सपा को पांच सीटें मिली थीं। चुनाव के बाद बसपा प्रमुख ने सपा से गठबंधन तोड़ लिया था। इस चुनाव में कांग्रेस ने इंडी गठबंधन में शामिल होने का न्योता था दिया था, पर बसपा ने गठबंधन में शामिल होने का फैसला नहीं लिया। बसपा ने प्रदेश की सभी 80 सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे, पर प्रत्याशियों को हार का सामना करना पड़ा।

जीत का भरोसा था

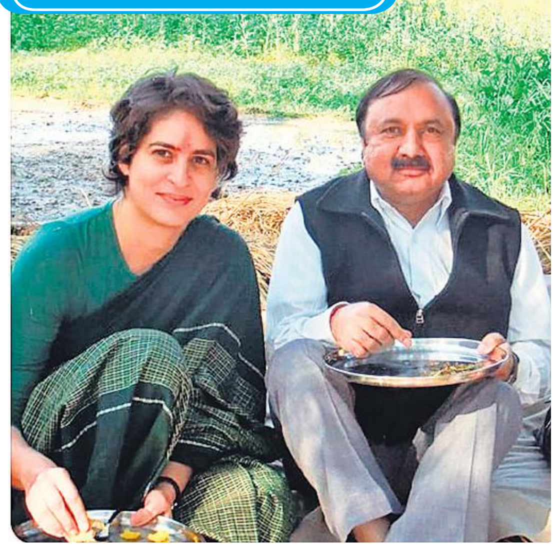

अमेठी सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा की जीत पर कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा काफी उत्साहित नजर आईं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पार्टी प्रत्याशी के साथ पूर्व में खिंचाई कई फोटो साझा करते हुए कहा कि उन्हें कभी कोई शक नहीं था, शुरू से यकीन था कि किशोरी भइया जीतेंगे। उन्होंने प्रत्याशी व अमेठी के लोगों को हार्दिक बधाई दी। ● अमृत विचार

सोनिया ने जिसके लिए अपनी सीट छोड़ी वही जीता

रायबरेली, अमृत विचार : पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुत्रवधू व पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की धर्मपत्नी सोनिया गांधी का राजनीतिक व्यक्तित्व करिश्माई रहा है। राजनीतिक जीवन में प्रवेश के बाद सोनिया गांधी ने सक्रिय राजनीति की शुरुआत अपनी पति की संसदीय सीट रायबरेली से शुरुआत की। वे लगातार दो बार वहां से सांसद चुनी गयीं। 2004 में उन्होंने राहुल गांधी को सक्रिय राजनीति में उतारने के लिए अपनी संसदीय सीट अमेठी से उन्हें चुनाव मैदान में उतारने का फैसला किया। राहुल गांधी 2004 से 2019 तक अमेठी से सांसद रहे। श्रीमती गांधी ने राहुल के लिए अमेठी सीट छोड़ने के बाद रायबरेली से चुनावी मैदान में उतरीं। यहां भी रायबरेलीवासियों ने श्रीमती गांधी का स्वागत किया। वे 2004 से 2024 तक यहां सांसद चुनी गईं। 2019 में जब राहुल गांधी अमेठी से चुनाव हार गए तो श्रीमती गांधी ने पुनः राहुल गांधी के कैरियर को पटरी पर लाने के लिए अपनी रायबरेली की सीट छोड़कर राजस्थान से राज्यसभा के लिए चली गईं।

इतिहास में दूसरी बार सपा ने जीती फैजाबाद की सीट

1998 के लोस चुनाव में पहली बार सपा ने दर्ज कराई थी जीत

विवेक सक्सेना, अयोध्या

अवधेश प्रसाद (सपा)। लल्लू सिंह (भाजपा)।

अमृत विचार : इतिहास में समाजवादी पार्टी ने दूसरी बार फैजाबाद की सीट पर जीत दर्ज कराई। अयोध्या वाली फैजाबाद सीट पर भाजपा अपने इतिहास में दूसरी हैट्रिक बनाने से चूक गई। अयोध्या में पहली बार लोकसभा का चुनाव सपा ने 1998 में जीता था। अयोध्या में मंदिर आंदोलन 80 के दशक में शुरू हुआ।

सन् 1984 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के निर्मल खत्री, 2004 के लोकसभा चुनाव में बसपा से मित्रसेन यादव सांसद चुने गए थे। सन् 2009 के चुनाव में कांग्रेस के निर्मल खत्री एक बार फिर सांसद चुने गए लेकिन इसके अलावा ज्यादातर चुनाव में सपा और भाजपा आमने सामने रही। वह चाहे लोकसभा का चुनाव रहा हो या फिर ज्यादातर विधानसभा चुनाव। समाजवादी पार्टी की स्थापना चार अक्टूबर 1992 को हुई थी। वह दौर मंदिर आंदोलन का था।

आंदोलन के एक ओर भाजपा थी तो सियासी तौर पर दूसरी ओर सपा। दोनों एक-दूसरे को कटघरे में खड़ा करते रहे। अयोध्या दोनों के बीच की धुरी थी। गठन के छह साल बाद सपा ने पहली बार सन् 1998 में इस सीट पर अपना झंडा बुलंद किया था। मित्रसेन यादव सांसद बने थे। इसके बाद चुनाव दर चुनाव संघर्ष सपा के स्थापना के 31 साल बाद एक बार फिर सपा ने अयोध्या वाली फैजाबाद संसदीय सीट पर कब्जा करके पूरे देश को बड़ा संदेश दिया। सपा के अवधेश प्रसाद ने दो बार से भाजपा के सांसद लल्लू सिंह को हरा दिया।

1991 में भाजपा को यहां पहली बार जीत मिली

भाजपा, अयोध्या की इस सीट पर हारी ही नहीं। एक और बड़ा झटका लगा। हार ने अतीत को दोहरा दिया। भाजपा की स्थापना छह अप्रैल 1980 को हुई थी। अयोध्या ने भाजपा को फर्श से अर्श तक पहुंचाया। प्रदेश से केंद्र तक की सत्ता में पहुंचाने का श्रेय अयोध्या को ही जाता है। वर्ष 80 से अब तक भाजपा ने पांच बार जीत दर्ज कराई। 1991 में भाजपा को यहां पहली बार जीत मिली। विनय कटियार यहां से सांसद बने। सन् 1996 के लोकसभा चुनाव में कटियार एक बार भी सांसद चुने गए लेकिन 1998 के लोकसभा चुनाव में वह चुनाव हार गए। इस बार के लोकसभा चुनाव में फिर इतिहास दोहराया गया। सन् 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज कराने वाले लल्लू सिंह चुनाव हार गए और भाजपा की हैट्रिक बनने से रह गई। सपा ने अपने इतिहास की दूसरी जीत दर्ज कराई।

सुलतानपुर के नतीजे ने सभी को चौंका दिया

सुलतानपुर, अमृत विचार: मंगलवार को सुलतानपुर लोकसभा चुनाव के आए नतीजों ने सभी का चौका दिया। यहां सिटिंग सांसद भाजपा उम्मीदवार व कद्दावर नेता मेनका संजय गांधी को समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी रामभुआल निषाद ने 43,174 मतों से पराजित कर दिया। सपा को 4,44,330 तो भाजपा को 4,01,156 मत प्राप्त हो सके। तीसरे नंबर पर बसपा के उदराज वर्मा रहे। उन्हें 1,63,025 वोट मिले। इन तीन प्रमुख उम्मीदवारों के बाद चौथे पर नंबर पर नोटा रहा। 8,513 मतदाताओं को सभी नौ प्रत्याशी पसंद ही नहीं आए। मंगलवार को मंडी परिषद अमहट में पांचों विधानसभा के लिए अलग-अलग हाल में मतगणना शुरू हुई। सभी विधानसभा में मतगणना के लिए 14-14 टेबल लगाए गए थे। निर्धारित समय आठ बजे से मतों की गणना शुरू हुई। हालांकि, कार्मिक इसके दो घंटे पहले ही पहुंच गए थे।

मेनका गांधी का विजय रथ फिर रुका

अशोक शुक्ला, सुलतानपुर

- पहले चुनाव में अमेठी से अपने ज्येष्ठ राजीव गांधी से खाई थी शिकस्त

अमृत विचार: पर्यावरण प्रेमी व कद्दावर नेता मेनका संजय गांधी का विजय रथ एक बार फिर रुक गया। सियासी जीवन में यह उनकी तीसरी शिकस्त है। पहली बार उन्हें अपने ज्येष्ठ स्व. राजीव गांधी से शिकस्त का मुंह देखना पड़ा था, जबकि तीसरी बार वे मंगलवार को सपा के राम भुआल निषाद से चुनाव हार गईं। अब तक 11 चुनाव लड़ चुकीं मेनका गांधी कुल आठ बार सांसद निर्वाचित हो चुकी हैं।

मेनका गांधी देश की पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इन्दिरा गांधी की बहू और संजय गांधी की पत्नी है। एक आकस्मिक दुर्घटना में संजय गांधी के देहान्त के बाद वे सन 1982 में राजनीति में आयीं। उन्होंने अपना पहला चुनाव अमेठी संसदीय सीट से अपने ज्येष्ठ राजीव गांधी के खिलाफ निर्दलीय प्रत्याशी (संजय विचार मंच) के रूप में लड़ा और करारी हार का सामना करना पड़ा। 1988 में उन्होंने वीपी सिंह का जनता दल ज्वाइन किया और इसकी महासचिव बनीं। 1989 में मेनका ने पहली बार पीलीभीत से चुनाव जीता और पर्यावरण राज्यमंत्री बनीं। लेकिन उन्हें 1991 के संसदीय चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। 1996 में फिर पीलीभीत संसदीय सीट से जनता दल के प्रत्याशी के रूप कामयाब हुई। 1998, 1999, में भाजपा के समर्थन से वे निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पीलीभीत संसदीय सीट से कामयाब होकर संसद पहुंचने में सफल रही। मेनका संजय गांधी मंगलवार को आए नतीजों में हार गई। उन्हें गठबंधन से सपा उम्मीदवार राम भुआल निषाद ने शिकस्त दी। इस चुनाव में राम भुआल को 4,44,330 मत प्राप्त हुए, जबकि मेनका गांधी को 4,01,156 मतों से संतोष करना पड़ा। इस हिसाब से राम भुआल ने 43,174 मतों से चुनाव जीत लिया।

वायनाड के साथ-साथ रायबरेली से भी राहुल युग का आगाज

दिलीप सिंह, रायबरेली

अमृत विचार : जिले की राजनीति में राहुल युग का आगाज हो गया है। एक बार फिर रायबरेली ने इतिहास रचते हुए भारी मतों से जीत दिलाकर यह साबित कर दिया कि गांधी परिवार का रिश्ता आज भी पहले की ही तरह से बरकरार है।

विपक्ष के सारे दावों को दरकिनार करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी ने एक तरफा जीत हासिल कर राजनीतिक पंडितों के सारे दावों को झुठला दिया है। देर शाम आए परिणाम में भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह को तीन लाख 88 हजार 615 मतों से करारी शिकस्त मिली है। देश की सबसे हाट सीट में शुमार रायबरेली के चुनाव परिणाम पर सबकी निगाहें लगी हुई थी। भाजपा हर हाल में यहां पर जीत का परचम लहराना चाहती थी।

वहीं कांग्रेस किसी भी कीमत पर यह सीट नहीं हारना चाहती थी। यही वजह रही कि यहां पर अंतिम पलों में कांग्रेस ने राहुल गांधी को प्रत्याशी बना दिया। वहीं अमेठी से सांसद सोनिया गांधी के प्रतिनिधि रहे किशोरी लाल शर्मा को प्रत्याशी बनाकर भाजपा को चारों खाने चित कर दिया। इसके बाद भाई राहुल की जीत को सुनिश्चित कराने के लिए प्रियंका गांधी ने दिन रात एक करके साबित कर दिया कि उनका रायबरेली वासियों से गहरा नाता है। जिले के लोगों ने उन्हें हाथोंहाथ लिया। प्रचार के दौरान घंटों लोग इंतजार करते दिखाई दिए। यहां तक कि कुछ जगहों पर तो अंधेरे में मोबाइल की रोशनी के बीच उन्होंने जनसभा को संबोधित किया। इसके बाद जब परिणाम आया तो एक नए युग का रायबरेली साक्षी बन गया। इतिहास बनाते हुए भारतीय राजनीति में रायबरेली से राहुल युग का आगाज हुआ है। राहुल युग का आगाज रायबरेली में आने के साथ ही उनकी पार्टी का भी सफलता का ग्राफ बढ़ने लगा। चुनावी परिणामों के अनुसार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस लगभग एक दशक बाद शतक लगाने जा रही है। इसे राहुल गांधी के रायबरेली आगमन से जोड़कर भी देखा जा सकता है।

सोनिया की भावुक अपील से जीत की मुहर

चुनाव के दौरान सांसद सोनिया गांधी ने राज्यसभा से पर्चा दाखिल करने से पहले भावुक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने जिले के लोगों के प्रति आभार जताया। इसके बाद परिवार के किसी सदस्य को भेजने के संकेत भी दे दिए थे। वहीं जनसभा में उन्होंने बेटे राहुल गांधी को सौंपने की बात कही। यही वह पल रहा, जब लोगों के दिल में घर कर गई। कहीं ना कहीं यही से उन्होंने संभावित कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी की जीत की आधारशिला रख दी और अपनी एक मात्र चुनावी सभा में उन्होंने मैं अपना बेटा रायबरेलीवासियों को सौंपती हूं यह कहकर राहुल गांधी की जीत सुनिश्चित कर दी थी।

पुराने प्रदर्शन को नहीं दोहरा सके दिनेश

भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह इस बार पुराने प्रदर्शन तक को नहीं दोहरा सके। 2019 के चुनाव में उन्होंने सांसद सोनिया गांधी को कड़ी टक्कर दी थी। वहीं इस बार पूरी तरह चुनाव से बाहर ही रहे। शुरुआती दौर में लगा कि मुकाबला जोरदार होगा, लेकिन जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ा, वैसे-वैसे कांग्रेस मजबूत होती गई। मतदान का दिन आते-आते कांग्रेस ने अपनी स्थिति मजबूत बना ली।

वर्ग पहेली-91

बाएं से दाएं

1. 1. जो दिखाई न दिया हो 2. जो देखा न गया हो।
3. 1. पिशाच का, पिशाच संबंधी 2. क्रूरतापूर्ण, घोर।
5. जनता के सामने, खुले बाज़ार में, लोगों के सामने।
6. 1. पानी में रहने वाला 2. जिसमें पानी मिला हो।
7. 1. प्रकट करने वाला 2. जताने वाला 3. भेद खोलने वाला 4. समझाने-बुझाने वाला, कहने या सुनने वाला 5. डाँटने-डपटने वाला।

ऊपर से नीचे

1. अधिकमास।
2. रात्रि में विचरण करने वाला, रात में निकलने वाला।
4. 1. जिसका भरोसा न किया जा सके, बात का कच्चा 2. निष्ठाहीन, विचलनशील 3. कच्ची तली या पेंदी का 4. ओछा, ढुलमुल।

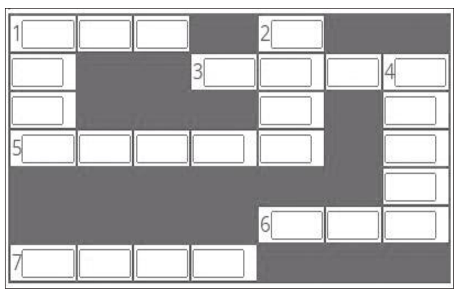

वर्ग पहेली -90 का हल

■	■	1 उ	2 प	गि	रि	■
■	3 खि	■	र	■	■	4 सों
5 ज़	रा	सी	म	■	■	टा
■	जी	■	6 पु	लि	या	■
■	भू	■	रु	■	■	7 टे
■	मि	■	ष	■	■	नि
■	■	■	■	8 पा	र	स

सुडोकू -4

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1		4					
4			8		2			
9		6	5			8	3	4
3		8			6			1
	9						2	
1		2				7		5
7	4	1			8	9		3
			1		5			8
					3		6	

सुडोकू -3 का हल

9	4	1	8	6	5	2	7	3
7	3	5	4	1	2	6	8	9
6	8	2	9	7	3	1	5	4
2	5	4	3	8	6	9	1	7
8	7	6	1	5	9	4	3	2
3	1	9	7	2	4	8	6	5
5	2	7	6	9	1	3	4	8
1	9	3	5	4	8	7	2	6
4	6	8	2	3	7	5	9	1

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 5 जून बुधवार 2024 संवत-2081, शक संवत 1946 मास-ज्येष्ठ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तिथि-चतुर्दशी 19.54 तक तत्पश्चात अमावस्या।

आज का पंचांग

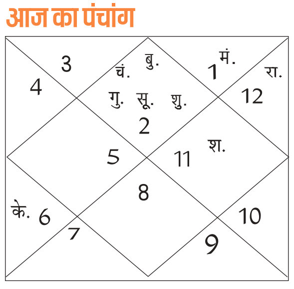

दिशाशूल-उत्तर। **ऋतु**-ग्रीष्म।
चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-कृत्तिका 21.16 तक तत्पश्चात रोहिणी।

मेष — आज परिवार को लेकर आप कुछ परेशान हो सकते हैं। आप छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा कर सकते हैं, इसका प्रभाव आपके दांपत्य जीवन पर भी पड़ सकता है। यदि नए घर के निर्माण आदि में लगे हुए हैं, तो उसमें कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

वृष — आज आप आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। निर्णय लेने में जो आपको परेशानी हो रही थी, वह आज दूर होगी। कार्यक्षेत्र में आपका दबदबा बढ़ेगा। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी दूर होगी। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे।

मिथुन — आज आंखों में समस्या होने की संभावना है। आप किसी बात को लेकर विचलित हो सकते हैं। मन कभी प्रसन्न, तो कभी बहुत उदास हो सकता है। आज किसी पर बहुत ज्यादा विश्वास न करें। महत्वपूर्ण कार्यों से आपको बचना चाहिए।

कर्क — आज कार्यक्षेत्र में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। विवाहादि कार्यों को लेकर समस्या दूर होगी। अपनी कार्यक्षमता को बढ़ा सकते हैं। सरकारी कार्यों को लेकर आपके मन में जो डर था, वह दूर होगा। उत्तम धन लाभ के योग बन रहे हैं। कड़वी भाषा का प्रयोग न करें।

सिंह — आज होटल और रेस्टोरेन्ट से जुड़े व्यवसाय में उत्तम लाभ होगा। अधिकारी वर्ग के लोग आपकी बातों को काफी महत्व देंगे। समाज सेवा में आपकी रुचि बढ़ सकती है। सेहत को लेकर लापरवाही न करें। अपनी कमियों में सुधार करने के लिए दिन बहुत अच्छा है।

कन्या — आज आपसे प्रेम भाव रखने वाले लोग आपसे नाराज हो सकते हैं। यात्राओं के लिए दिन अच्छा नहीं है। किसी भी डील को फाइनल करने से पहले, उसके विषय में बहुत अच्छी तरह से रीसर्च कर लें। परिवार में कलह का माहौल हो सकता है।

तुला — आज आप कई गुप्त रहस्यों को समझने में रुचि लेंगे। विवेकपूर्ण निर्णय लेने में आपको कठिनाई होगी। गलत लोगों की संगत से दूर रहें। कुछ लोग आपको बहकाने का प्रयास करेंगे। अध्यात्मिक चर्चाओं के प्रति आपका लगाव बढ़ेगा।

वृश्चिक — आज का दिन आपके लिए शुभ रहेगा। व्यवसाय में आप काफी फोकस रहेंगे। दांपत्य जीवन कुछ कलहपूर्ण हो सकता है। जीवनसाथी को आपको विशेष समय देना चाहिए। क्रोध कम से कम करें। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

धनु — आज आप अपने काम में कमी महसूस करेंगे। जिसको लेकर आपका मन असन्तुष्ट हो सकता है। शत्रुओं को लेकर आपको काफी सावधान रहना होगा। चलते हुए कार्यों में बाधा देखने को मिलेगी। दवाइयों के कारोबारियों की आय बढ़ सकती है।

मकर — आज वैवाहिक संबंधों में आपको बोरियत महसूस होगी। काम को लेकर भी काम काफी सुस्त हो सकते हैं। आज वही कार्य करें जिसको लेकर आप उत्सुकता महसूस कर रहे हैं। गर्भवती महिलाओं को अपनी सेहत का विशेष ध्यान देना होगा। किसी पर बहुत ज्यादा निर्भर न रहें।

कुंभ — आज व्यवसाय में आपको सहकर्मियों पर काफी ध्यान देना होगा। कुछ ऐसे कार्य होंगे, जो आपको जबरदस्ती करने पड़ेंगे। भोजन के प्रति अरुचि हो सकती है। आपको सम्मान प्राप्त हो सकता है। अनावश्यक कार्यों में समय बर्बाद न करें।

मीन — आज आप काफी अच्छे मूड में रहेंगे। पैतृक संपत्ति के लाभ होने के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में आप किसी नए प्रोजेक्ट की शुरुआत कर सकते हैं। अपनी सफलता को लेकर आत्मविश्वास से युक्त रहेंगे। सेहत की समस्याओं से जूझ रहे लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिल सकता है।

आज की फिल्में

B4U MOVIES
- अल्ला रक्खा — सुबह : 11.48
- वन टू थ्री — शाम : 06.51

&pictures
- यू टर्न — सुबह : 08.32
- फितूर — रात : 08.00

SONY PIX
- द मैकेनिक — दोपहर : 01.12
- मैड मैक्स : फरी रोड — शाम : 06.28

ZEE CINEMA
- रमैया वस्तावैया — सुबह : 08.40
- गंगाजल — रात : 09.10

colors CINEPLEX
- अलादीन — सुबह : 11.52
- प्यार का पंचनामा — रात : 09.00

आज की सुपरहिट फिल्म

एंड पिक्चर्स पर रात : 08.00 बजे

जोक्स ऑफ द डे

डॉक्टर – आपका लड़का पागल कैसे हो गया?
पिता– वो पहले जनरल बोगी में सफर करता था।
डॉक्टर – तो इससे क्या?
पिता– लोग बोलते थे थोड़ा खिसको, थोड़ा खिसको, तभी से खिसक गया।
पिता की बात सुनकर डॉक्टर रह गया दंग!

टीचर– इरादे बुलन्द होने चाहिए, पत्थर से भी पानी निकाला जा सकता है गप्पू– मैं तो लोहे से भी पानी निकाल सकता हूं
टीचर– कैसे
गप्पू– हैंड पम्प से
गप्पू का जवाब पढ़कर टीचर ने अपना माथा पीट लिया।

मैंथा बाजार भाव

रामपुर-शिवालिक 965 फ्लैग 1080 डीएमओ 850 बोल्ड 1140, **सम्भल-चन्दौसी**-शिवालिक 980 फ्लैग 1105 बोल्ड 1150 डीएमओ 860।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन-तुलसी 2070, राज श्री 1410, फॉर्चून कि. 1750, रविन्द्रा 1960, फॉर्चून ली. 1610, जय जवान 1510, सचिन 1545, सूरज 1535, अवसर 1650, राग गोल्ड 1630, गृहणी 1520, क्लासिक (किलो) 1700, मीर 1655, चक्र टिन 1880, ब्लू 1640, आशीर्वाद मस्टर्ड 1915, स्वास्तिक 2040, **किराना (प्रति कु.)**-हल्दी निजामाबाद 20200, जीरा 36000, लाल मिर्च 20000-28500, धनिया 9000-11000, अजवायान 16000-24000, मेथी 7400, सौंफ 9000-13000, सोंठ 41000, (प्रति कि.) लौंग 920-1000, बादाम 580-680, काजू 2 पीस 600, किसमिस पीली 140-180, मखाना 650-950, **चावल (प्रति कु.)**-डबल चाबी सेला 10100, स्पाइस 7700, शरबती कच्ची 5200, शर्बती स्टीम 5600, डायमंड मंसूरी 4500, महबूब सेला 4650, गौरी रॉयल 9500, राजभोग 7350, हरी पत्ती (1 किलो, 5 किलो) 10600, हरी पत्ति नेचुरल न्यू 10500, जैनिथ 10700, गलैक्सी 7400, सुमो 3900, पतंजलि गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4450, खजाना 4450, **दाल दलहन**-मूंग दाल इंदौर 11500, मूंग धोवा काला क्राउन 11000, राजमा चित्रा 13300-14600, राजमा भूटान नया 12200, मलका काली 6850-7300 मलका दाल 7575-7900, मलका छँटी 7650, दाल उड़द बिलासपुर 10300-11200, मसूर दाल छोटी 9000-9600, दाल उड़द दिल्ली 12200, उड़द साबुत दिल्ली 11900, उड़द धोवा इंदौर 13900, उड़द धोवा 11900-12900, दाल चना 8500, दाल हिंदुस्तान 8700, मटका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 9400, चना अकोला 8200, डबरा हीरा 11900, सच्चा हीरा 10700, मोटा हीरा 11900, अरहर गोला मोटा 15800, अरहर पटका मोटा 16400, अरहर कोरा मोटा 16800, अरहर पटका छोटा 15600-15900, अरहर कोरी छोटी 17600, **चीनी**-डालमियां 4190, पीलीभीत 4150, नवाबगंज (नई) 4140, बहेड़ी (नई) 4150 रुपये।

सर्राफा

कानपुर

चाँदी 999 (प्रति किलो)	92,050
चांदी सिक्का (प्रति सैकड़ा)	95,000
चांदी सिक्का (सैकड़ा) बिकवाल	100000
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	74,100
गिन्नी (प्रति नग)	55,225-55,425

लखनऊ

सोना स्टैंड (प्रति 10 ग्राम)	72,800
सोना रवा (प्रति 10 ग्राम)	72,650
गिन्नी (प्रति 10 नग)	42,500
चांदी (999)	89,500
चांदी तैयार	89,600
चांदी का सिक्का (प्रति सैकड़ा)	80,000

बरेली

सोना जेवरात पक्के	72,900
सोना जेवरात गिन्नी	71,900
चांदी पक्की	895 (अनुमानित)

मुरादाबाद

सोना 24 कैरेट	72,750
चांदी आभूषण	89,900

अडाणी समूह के शेयरों में भारी गिरावट

एग्जिट पोल की तुलना में भाजपा को नुकसान से बाजार पूंजीकरण 3.64 लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली, एजेंसी

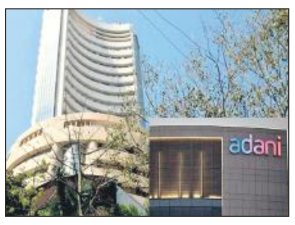

शेयर बाजार के मंगलवार को औंधे मुंह गिरने के साथ अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में जोरदार गिरावट आई और ज्यादातर निचली सर्किट सीमा पर आ गए। मंगलवार को चुनाव मतगणना और एग्जिट पोल की तुलना में भाजपा को नुकसान से शेयर बाजार में बड़ी गिरावट आई। समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 3.64 लाख करोड़ रुपये घट गया।

कारोबार समाप्त होने पर अडाणी पोर्ट्स का शेयर 21.26 प्रतिशत, अडाणी एनर्जी सोल्यूशंस 20 प्रतिशत, समूह की प्रमुख कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज 19.35 प्रतिशत, अडाणी ग्रीन एनर्जी ने 19.20 प्रतिशत का गोता लगाया। अडाणी टोटल गैस 18.88 प्रतिशत, एनडीटीवी 18.52 प्रतिशत, अडाणी पावर 17.27 प्रतिशत और अम्बुजा सीमेंट 16.88 प्रतिशत नीचे आया। वहीं एसीसी का शेयर 14.71 प्रतिशत और अडाणी विल्मर 9.98 प्रतिशत नीचे आया। कारोबार के दौरान समूह की 10 कंपनियों में से आठ निचले सर्किट पर पहुंच गए थे। कारोबार के दौरान अडाणी एंटरप्राइजेज 25 प्रतिशत के निचले सर्किट पर पहुंच गया था। वहीं अडाणी पोर्ट्स 25 प्रतिशत और अम्बुजा सीमेंट्स 22.5 प्रतिशत लुढ़क कर सर्किट के निचले स्तर पर पहुंच गया था। अडाणी पावर 20%और अडाणी एनर्जी 20% लुढ़क कर निचले सर्किट सीमा पर पहुंच गया था। अडाणी ग्रीन 20% और अडाणी टोटल गैस 19.89 प्रतिशत नीचे आ गया। वहीं एनडीटीवी 19.98 और एसीसी 19.69% की गिरावट के साथ सर्किट के निचले स्तर पर पर पहुंच गया था। अडाणी विल्मर का शेयर भी 10% की गिरावट के साथ सर्किट के निचले स्तर पर आ गया था।

चुनावी नतीजों के चलते सोने-चांदी की कीमतों में तेजी

चुनावी नतीजों और वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में मजबूती के रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना 450 रुपये के उछाल के साथ 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर जा पहुंचा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी है। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 72,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके अतिरिक्त, चांदी की कीमत भी 200 रुपये बढ़कर 93,100 रुपये प्रति किलोग्राम हो गयी। पिछले कारोबारी सत्र में यह 92,900 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक-जिंस सौमिल गांधी ने कहा, दिल्ली के बाजारों में हाजिर सोने की कीमत (24 कैरेट) 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम रही, जो पिछले बंद भाव से 450 रुपये अधिक है। विदेशी बाजारों में, कॉमेक्स में हाजिर सोना 2,335 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद भाव से 15 डॉलर अधिक है। गांधी ने कहा कि मंगलवार को सोने में तेजी आई क्योंकि अमेरिका में विनिर्माण क्षेत्र के निराशाजनक आंकड़ों से उम्मीद जगी है कि फेडरल रिजर्व के पास इस साल उधारी लागत कम करने की गुंजाइश होगी।

देश में नई सरकार के गठन और उनकी आर्थिक नीतियों से तय होगा शेयर बाजार का भविष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

• भारतीय बाजार के विशेषज्ञों ने जताई आशंका

आम चुनाव के नतीजों से सरकार के गठन को लेकर स्थिति स्पष्ट न होने के बीच बाजार के विशेषज्ञों ने मंगलवार को कहा कि शेयर बाजार का भविष्य नई सरकार की आर्थिक नीतियों पर निर्भर करता है जिसमें जीडीपी वृद्धि, मुद्रास्फीति और वैश्विक परिस्थितियां जैसे कारकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) चुनावी नतीजों के रुझानों में बहुमत से आगे दिख रहा है। लेकिन गठबंधन के सहयोगी दलों पर निर्भरता बढ़ने का असर सरकार की निर्णायक नीतियों पर पड़ने की संभावना को लेकर बाजार में चिंता नजर आने लगी है।

उन्होंने कहा कि शेयर बाजार में भारी गिरावट ने इस आशंका पर मुहर भी लगाने का काम किया।

बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों ही सूचकांक कारोबार के दौरान आठ प्रतिशत तक टूटने के बाद थोड़ा संभले लेकिन अंत में लगभग छह प्रतिशत के भारी नुकसान के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 4,389.73 अंक गिरकर 72,079.05 पर और निफ्टी 1,379.40 अंक गिरकर 21,884.50 पर बंद हुआ। हालांकि शनिवार को अंतिम चरण का मतदान होने के बाद विभिन्न समाचार चैनलों पर आए एग्जिट पोल में भाजपा की अगुवाई वाले राजग को भारी बहुमत मिलने की संभावना जताई गई थी।

स्टॉक्सबॉक्स के शोध प्रमुख मनीष चौधरी ने कहा कि राजग सरकार के पिछले दो कार्यकालों की खासियत रहा सुधारवादी दृष्टिकोण इसके तीसरे कार्यकाल में पीछे रह सकता है। इसकी वजह यह है कि भाजपा अपने दम पर बहुमत पाने की स्थिति में नहीं है और उसे सरकार चलाने के लिए अपने सहयोगी दलों पर निर्भर रहना होगा। अबान्स होल्डिंग्स में वरिष्ठ प्रबंधक (शोध एवं विश्लेषण) यशोवर्धन खेमका ने कहा-गठबंधन सरकार होने से महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लेने और मंत्रिमंडल में कुछ अहम पदों के लिए सहयोगियों पर निर्भरता बढ़ेगी, जिससे नीतिगत असमंजस और सरकार के कामकाज में अनिश्चितता पैदा होगी।

दूरसंचार विभाग ने स्पेक्ट्रम नीलामी की तारीख बढ़ाकर 25 की

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग ने मंगलवार को स्पेक्ट्रम नीलामी 19 दिन आगे बढ़ाकर 25 जून कर दी है। विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध सूचना से यह जानकारी मिली है। बोली के लिए आवेदन आमंत्रित करने वाले नोटिस में किए गए संशोधन के अनुसार-लाइव नीलामी की शुरुआत की नई तारीख छह जून से बदलकर 25 जून कर दी गई है। सरकार मोबाइल फोन सेवाओं के लिए लगभग 96,317 करोड़ रुपये के आधार मूल्य पर आठ स्पेक्ट्रम बैंड की नीलामी करेगी। रिलायंस जियो ने स्पेक्ट्रम नीलामी के लिए 3,000 करोड़ रुपये की सबसे अधिक राशि जमा की है।

सरकार ने गेहूं उत्पादन के अनुमान को संशोधित कर 11.29 करोड़ टन किया

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने अपने तीसरे अनुमान में फसल वर्ष 2023-24 (जुलाई-जून) के लिए गेहूं उत्पादन अनुमान को संशोधित कर रिकॉर्ड 11 करोड़ 29.2 लाख टन कर दिया है।

कृषि मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उत्पादन, जिसे दूसरे अनुमान में 9.1 लाख टन ऊपर की ओर संशोधित किया गया है, वह फसल वर्ष 2022-23 में हासिल किए गए 11 करोड़ 5.5 लाख टन के पिछले रिकॉर्ड उच्च स्तर से भी अधिक है। मुख्य रबी (सर्दियों) की फसल गेहूं की कटाई हो चुकी है और केंद्र सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 2.6 करोड़ टन से अधिक की खरीद पहले ही की जा चुकी है। अपने तीसरे अनुमान में, कृषि मंत्रालय ने फसल वर्ष 2023-24 के लिए चावल उत्पादन में पिछले फसल वर्ष के 13 करोड़ 57.5 लाख टन से बढ़कर 13 करोड़ 67 लाख टन होने का अनुमान लगाया है। हालांकि, कुल खाद्यान्न उत्पादन वर्ष 2022-23 में प्राप्त स्तर की तुलना में थोड़ा कम यानी 32 करोड़ 88.5 लाख टन होने का अनुमान है।

सीबीआईसी लाएगा व्यापक आबकारी कानून

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने मंगलवार को केंद्रीय उत्पाद शुल्क विधेयक, 2024 के मसौदे पर टिप्पणियां आमंत्रित कीं। यह दशकों पुराने केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की जगह लेगा।

वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि विधेयक का मकसद कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देने और पुराने तथा निरर्थक प्रावधानों को निरस्त करने के साथ ही एक व्यापक आधुनिक केंद्रीय उत्पाद शुल्क कानून बनाना है। विधेयक में 12 अध्याय, 114 धाराएं और दो अनुसूचियां शामिल हैं।

समाशोधन निगम के स्वामित्व, आर्थिक ढांचे की समीक्षा के लिए समिति का गठन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने समाशोधन निगमों के स्वामित्व और आर्थिक संरचना की समीक्षा के लिए एक समिति का गठन किया है।

इस पहल का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि समाशोधन निगम को मजबूत, स्वतंत्र और तटस्थ जोखिम प्रबंधकों के रूप में कार्य करें। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की पूर्व डिप्टी गवर्नर उषा थोराट तदर्थ समिति की अध्यक्ष होंगी। यह निर्णय हाल के वर्षों में भारतीय प्रतिभूति बाजारों में उल्लेखनीय वृद्धि और केंद्रीय जोखिम प्रबंधन संस्थानों के रूप में समाशोधन निगम के महत्व को देखते हुए लिया गया है। सेबी ने मंगलवार को बयान में कहा कि समिति को स्वामित्व संरचना के साथ-साथ समाशोधन निगमों के वित्त की समीक्षा करने का काम सौंपा गया है। समिति स्वामित्व संरचना के संबंध में व्यवहार्यता की जांच करेगी। साथ ही पात्र निवेशकों की सूची का विस्तार करेगी, जिन्हें एक समाशोधन निगम में हिस्सेदारी लेने की अनुमति है। इसके साथ उन निवेशकों की श्रेणियों का सुझाव देगी जो ऐसे निगमों में हिस्सेदारी हासिल कर सकते हैं।

राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री की राजनीतिक और नैतिक हार हुई : खरगे

लोकसभा चुनाव के परिणाम को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन बोले-यह जनता और लोकतंत्र की जीत है

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि इस लोकसभा चुनाव का परिणाम जनता और लोकतंत्र की जीत है तथा यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक एवं नैतिक हार है। खरगे ने संवाददाताओं से कहा-यह जनता का परिणाम है। यह जनता की जीत है, लोकतंत्र की जीत है। हम पहले से कह रहे थे कि यह लड़ाई मोदी बनाम जनता थी।

उनका कहना था कि 18वीं लोकसभा के इस चुनाव में हमने विनम्रता से जनमत को स्वीकार किया है। इस बार जनता ने किसी एक दल को पूर्ण बहुमत नहीं दिया, खासकर सत्ताधारी भाजपा ने एक व्यक्ति और एक चेहरे के नाम पर वोट मांगा था। खरगे ने कहा-यह प्रधानमंत्री की राजनीतिक और नैतिक हार है। यह उनकी बहुत बड़ी हार है।

चुनाव के नतीजे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जनता ने नरेंद्र मोदी को पूरी तरीके से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह जनादेश मोदी के खिलाफ है। यह नरेंद्र मोदी की नैतिक हार है। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी की दोनों यात्राएं यानी कि भारत जोड़ो यात्रा और भारत छोड़ो न्याय यात्रा पूरी तरीके से सफल हुआ। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान हमें परेशान किया गया लेकिन हम हमेशा सकारात्मक मुद्दों पर अड़े रहे। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं पर भाजपा ने कब्जा करने की कोशिश की।

खरगे ने राहुल गांधी सोनिया गांधी प्रियंका गांधी जैसे तमाम पार्टी के नेताओं का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि इनकी वजह से हमें पूरे देश में प्रोत्साहन मिला और हम चुनाव जीतने में कामयाब रहे। उन्होंने कहा कि करोड़ो कार्यकर्ताओं ने हमारा साथ दिया। जिसकी वजह से हम इस चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने में कामयाब रहे उन्होंने दावा किया कि हमने यह चुनाव सिर्फ मुद्दों पर लड़ा है। हमारा कैंपेन पूरी तरीके से सकारात्मक रहा। इंडिया गठबंधन को लेकर उन्होंने कहा कि सभी ने मिलकर चुनाव लड़ा सकारात्मक प्रचार किया।

ममता ने मोदी और अमित शाह के इस्तीफे की मांग की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिलने पर नैतिक आधार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इस्तीफे की मांग की। सुश्री बनर्जी ने इंडिया समूह के सहयोगियों को धन्यवाद दिया और राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर एक बार फिर से भरोसा जताने के लिए जनता को बधाई दी। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि जैसा कि मैंने घोषणा की थी एग्जिट पोल को मोदी पोल बना दिया गया था और मेरी बात सच हो गई है, हालांकि राज्य में चुनाव में धांधली की कोशिशें हो रही हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी के अगली बैठक में इंडिया समूह का प्रतिनिधित्व करने की संभावना है। अभिषेक ने डायमंड हार्बर सीट रिकॉर्ड अंतर से जीता है। सुश्री बनर्जी ने कहा-मैं राज्य में व्यस्त रहूंगी, मैं राज्य को केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के हाथों में नहीं छोड़ सकती हूं।

कांग्रेस का धीमी मतगणना का आरोप, निर्वाचन आयोग से शिकायत की

नई दिल्ली। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव की मतगणना में गति धीमी होने का दावा करते हुए मंगलवार को निर्वाचन आयोग से शिकायत की। पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने आयोग से आग्रह किया कि हर चरण की मतगणना के आंकड़े वेबसाइट पर समयबद्ध तरीके से सार्वजनिक किए जाएंगे। इस प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस नेता अभिषेक सिंघवी और सलमान खुर्शीद शामिल थे। सिंघवी ने संवाददाताओं से कहा-हमें अपनी राज्य इकाइयों और उम्मीदवारों से रिपोर्ट मिली है कि चुनाव आयोग की वेबसाइट पर दोपहर 2:30 बजे के बाद मतगणना अपडेट मिलने में देरी हो रही है। हमने यह भी बताया कि संसदीय क्षेत्र के आधार पर कोई अपडेट नहीं है। हमने कोई आरोप नहीं लगाया है, हमने सिर्फ अपडेट देने के लिए कहा है।

चुनाव परिणाम ने साबित किया कि स्थिति बदलाव के लिए अनुकूल है

मुंबई, एजेंसी

• शरद पवार बोले-रणनीति तय करने के लिए आज करेंगे बैठक

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा चुनाव परिणामों ने दिखा दिया है कि देश में स्थिति राजनीतिक बदलाव के लिए अनुकूल है। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि आगे की रणनीति तय करने के लिए बुधवार को दिल्ली में इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक करने की संभावना है।

हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी गठबंधन के केंद्र में सरकार बनाने की संभावना नहीं है। पवार ने कहा-मैंने (कांग्रेस अध्यक्ष) मल्लिकार्जुन खरगे और (माकपा महासचिव) सीताराम येचुरी से बात की है। इंडिया गठबंधन की बैठक बुधवार को दिल्ली में होने की संभावना है। आज शाम तक अंतिम निर्णय लिये जाने की उम्मीद है। उसी के अनुसार, मैं दिल्ली जाऊंगा। यह पूछे जाने पर कि अगला प्रधानमंत्री कौन होगा, पवार ने कहा-हमने इस पर विचार नहीं किया है। उन्होंने कहा, ''इंडिया गठबंधन के सरकार बनाने को लेकर मैं आश्वस्त नहीं हूं। हम कल बैठक करेंगे और आगे की रणनीति पर निर्णय लेंगे। पवार ने कहा कि चुनाव में उनकी पार्टी और शिवसेना का स्ट्राइक रेट बहुत अच्छा है।

एक नजर

केजरीवाल के खिलाफ अदालत नौ जुलाई को पारित करेगी आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत आबकारी नीति से जुड़े कथित धन शोधन मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दाखिल पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के मुद्दे पर नौ जुलाई को आदेश पारित कर सकती है। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा को मंगलवार को आदेश पारित करना था, लेकिन उन्होंने इसे नौ जुलाई तक के लिए टाल दिया है।

सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गिरफ्तारी के बाद न्यायिक हिरासत में जेल में बंद पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की अवकाशकालीन पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया। पीठ ने जमानत याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि वह इस मामले के गुण-दोष पर कुछ नहीं कह रही है।

सुखोई लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त दो पायलट सुरक्षित बाहर निकले

नासिक, एजेंसी

• विमान शिरसगांव गांव के पास एक खेत में हुआ दुर्घटनाग्रस्त

भारतीय वायुसेना का एक सुखोई लड़ाकू विमान मंगलवार को महाराष्ट्र के नासिक जिले में क्रैश हो गया। नासिक रेंज के विशेष महानिरीक्षक डी आर कराले ने बताया कि सुखोई एसयू-30 एमकेआई विमान के पायलट और सह-पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए। विमान शिरसगांव गांव के पास एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हुआ है।

आईपीएस अधिकारी ने बताया कि सुखोई विमान शिरसगांव गांव के पास एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। लड़ाकू विमान को विंग कमांडर बोकिल और उनके दूसरे कमांडर बिस्वास उड़ा रहे थे। करीब दोपहर 1.20 बजे यह निफाड तहसील के शिरसगांव गांव के एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए और उन्हें मामूली चोटें आई हैं। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें एचएएल अस्पताल ले जाया गया है। दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद विमान में आग लग गई, जिसे बुझा दिया गया है।

भाजपा मुख्यालय में जीत का शंखनाद, कांग्रेसियों ने मनाया जश्न

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा चुनाव के रुझान और नतीजे आने के बाद डीडीयू मार्ग स्थित भाजपा मुख्यालय में शंखनाद शुरू हो गया। भारत माता की जय और मोदी है तो मुमकिन है जैसे नारों गूंज सुनने को मिली। रुझानों में बढ़त देख भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ता गया। कार्यकर्ता ढोल नगाड़ों की थाप पर झूमते-थिरकते दिखे। दोपहर 12 बजे के करीब जब जीत स्पष्ट होने लगी तो वैसे ही कार्यकर्ताओं ने मिठाई खिलाकर एक-दूसरे का मुंह मीठा किया। वहीं देश के महाराष्ट्र, बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश व राजस्थान आदि में दोनों पार्टियों के समर्थकों ने अपनी-अपनी जीत का जश्न अपने अंदाज में मनाया।

नई दिल्ली में पार्टी कार्यालय में पार्टी की बढ़त का जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता।

मुंबई में कांग्रेस समर्थकों ने पार्टी की बढ़त का जश्न मनाया। • एजेंसी

जश्न को लेकर सुबह से ही कार्यकर्ता अलग-अलग अंदाज में यहां पहुंचते नजर आए। कोई साइकिल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कटआउट, तो कोई मोदी की ड्रेस में व कुछ तिरंगा शंख लेकर पहुंचे। जैसे-जैसे चुनावी नतीजे आ रहे थे, वैसे-वैसे कार्यकर्ताओं व समर्थकों में उत्साह बढ़ता जा रहा था। मुख्यालय के आस-पास का इलाका पूरा भगवा नजर आ रहा था। वहीं अकबर रोड स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के मुख्यालय में हर्ष का माहौल दिखा। कांग्रेस कार्यकर्ता ढोल की थाल पर झूमते नजर आए। यहां मौजूद कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह प्यार-मोहब्बत की जीत है।

दिल्ली उच्च न्यायालय का व्यवसायी अमनदीप सिंह को जमानत देने से इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में सीबीआई द्वारा गिरफ्तार व्यवसायी अमनदीप सिंह ढल को जमानत देने से मंगलवार को इनकार कर दिया और कहा कि उनके खिलाफ आरोप गंभीर प्रकृति के हैं। उच्च न्यायालय ने कहा कि चूंकि ढल इस मामले के कई गवाहों से परिचित हैं और वह एक "साजिश रचने" के लिए दिल्ली सरकार में आप के प्रभावशाली नेताओं के संपर्क में भी थे, इसलिए वह जमानत के लिए ट्रिपल टेस्ट को पूरा नहीं करते हैं। अदालत ने ढल की याचिका खारिज करते हुए कहा-याचिकाकर्ता के खिलाफ आरोप की गंभीर प्रकृति के हैं और नियमित जमानत देने के अनुरोध वाली याचिका पर फैसला करते समय विचार किया जाना चाहिए।

गुजरात विस उपचुनावः सभी 5 सीटों पर भाजपा जीती

अहमदाबाद, एजेंसी

गुजरात विधानसभा की सभी पांच सीट पर सत्तारूढ़ भाजपा ने मंगलवार को जीत हासिल की। पिछले महीने इन पांच सीट पर उपचुनाव हुए थे। इस जीत के साथ 182 सदस्यीय राज्य विधानसभा में भाजपा के विधायकों की संख्या बढ़कर 161 हो गई।

पोरबंदर, मनावदर, खंभात, वाघोडिया और विजापुर विधानसभा

• विधान सभा में भाजपा के विधायकों की संख्या बढ़कर 161 हो गई

क्षेत्रों में कांग्रेस और निर्दलीय विधायकों के इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल होने के कारण उपचुनाव हुआ था। भाजपा ने सात मई को हुए उपचुनाव में सभी दलबदलुओं को उनकी संबंधित सीट से चुनाव मैदान में उतारा था। पोरबंदर से अर्जुन मोढवाडिया, विजापुर से सीजे चावड़ा, मनावदर से अरविंद लडानी जीते। वहीं खंभात और वाघोडिया के उम्मीदवार चिराग पटेल और धर्मेंद्रसिंह वाघेला ने भी अपनी-अपनी सीटें बरकरार रखीं। चिराग पटेल और धर्मेंद्रसिंह वाघेला ने कांग्रेस के महेंद्रसिंह परमार और कानू गोहिल को क्रमशः 38 हजार और 82 हजार से अधिक मतों के अंतर से हराया है।

राजस्थान में महिमा ने सबसे अधिक तीन लाख 92 हजार 223 के अंतर से जीता लोस चुनाव

जयपुर। राजस्थान में लोकसभा चुनाव में राजसमंद सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रत्याशी महिमा कुमारी मेवाड़ ने सबसे ज्यादा तीन लाख 92 हजार 223 के अंतर से जीत दर्ज की है।

वहीं दूसरी ओर जबकि जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार राव राजेंद्र सिंह ने सबसे कम 1615 मतों के अंदर से चुनाव जीता। मतगणना परिणाम के मुताबिक महिमा कुमारी ने कांग्रेस के दामोदर गुर्जर को हराया जबकि श्री सिंह ने कांग्रेस प्रत्याशी अनिल चौपड़ा को हराया। इस चुनाव में चित्तौड़गढ़ से भाजपा के उम्मीदवार एवं प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी सबसे अधिक आठ लाख 88 हजार 202 मत लेकर चुनाव जीता है।

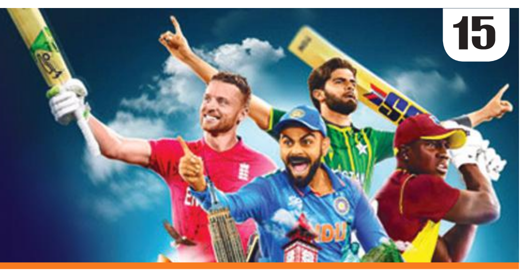

खेल डायरी

बोपन्ना ने बालाजी को अपना जोड़ीदार चुना

नयी दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने फ्रेंच ओपन में अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने वाले एन श्रीराम बालाजी को पेरिस ओलंपिक के लिए अपना जोड़ीदार चुना है और अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (एआईटीए) के इस अनुभवी खिलाड़ी की पसंद पर आपत्ति जताने की संभावना नहीं है। बोपन्ना ने एआईटीए को ईमेल लिखकर अपने फैसले की जानकारी दी। इस ईमेल को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) को भी भेजा गया है। एआईटीए ने भी इसकी पुष्टि की है। बालाजी और मैक्सिको के उनके जोड़ीदार एमए रेयेस-वारेला मार्टिनेज को सोमवार को फ्रेंच ओपन के पुरुष युगल के तीसरे दौर में बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन को कड़ी चुनौती देने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा।

मयंक ने विश्व जूनियर शतरंज चैंपियनशिप में प्रणव को हराकर उलटफेर किया

गांधीनगर, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मास्टर मयंक चक्रवर्ती मंगलवार को यहां विश्व जूनियर शतरंज चैंपियनशिप में सर्वोच्च रेटिंग वाले भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रणव आनंद को हराकर तालिका में शीर्ष पर काबिज चार खिलाड़ियों में शामिल हो गये। मयंक अपने रणनीतिक खेल का शानदार प्रदर्शन कर अपने से उच्च रैंकिंग वाले प्रतिद्वंद्वी को शिकस्त दी। इस जीत से तीन दौर के बाद मयंक के तीन अंक हो गये। महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त दिव्या देशमुख ने जी तेजस्विनि को हराकर तीन मैचों में लगातार तीसरी जीत दर्ज की।

म्यूनिख विश्व कप में ईशा छठे स्थान पर

म्यूनिख, एजेंसी। निशानेबाज ईशा सिंह म्यूनिख में चल रहे आईएसएसएफ विश्व कप की महिला 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में छठे स्थान पर रहीं। जिससे प्रतियोगिता में भारत का पहले पदक का इंतजार जारी रहा। ईशा ने फाइनल में 20 अंक जुटाए। फ्रांस की कैमिली जेद्रेवस्की ने स्वर्ण पदक जीता। कैमिली ने खिताब की दौड़ में जर्मनी की डोरीन वेनेकैंप को पछाड़ा। विजेता का फैसला करने के लिए दो शूट ऑफ का सहारा लेना पड़ा। दोनों निशानेबाज 10 सीरीज के बाद 40 अंक के साथ बराबर थीं। फाइनल्स की मौजूदा विश्व रिकॉर्ड धारक कोरिया की किम येजी 35 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। लगातार दूसरी स्पर्धा के फाइनल में निशानेबाज छठे स्थान पर रहीं।

एआईएफएफ ने कामत के निधन पर शोक जताया

नयी दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के सहायक महासचिव और प्रतियोगिता निदेशक अनिल कामत का मंगलवार को निधन हो गया। वह कुछ दिनों से बीमार थे। एआईएफएफ ने उनके निधन की जानकारी दी। गोवा के चिनचिनिम गांव के रहने वाले कामत लगभग 25 वर्षों से एआईएफएफ से जुड़े हुए थे। वह सीआरसी चिनचिनिम और सेलकेट फुटबॉल क्लब से अधिकारी के रूप में जुड़े हुए थे। वह गोवा फुटबॉल संघ में कार्यकारी समिति के सदस्य और संयुक्त सचिव भी रहे। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने उनके निधन पर शोक जताते हुए कहा, ''अनिल कामत के निधन से मैं बेहद दुखी हूं। अनिल के निधन से भारतीय फुटबॉल की संरचना ने एक ऐसा स्तंभ खो दिया है जिसकी भरपाई करना मुश्किल होगा।'' उन्होंने कहा, ''फुटबॉल और इसके प्रबंधन के बारे में उनका गहरा ज्ञान घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय फुटबॉल के लिए एक संपत्ति थी। दुख की इस घड़ी में मैं उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। ओम शांति।''

मिशन विश्व कप का आगाज करेगी टीम इंडिया

आयरलैंड के खिलाफ पहला मैच आज, बरसों से आईसीसी ट्रॉफी का सूखा दूर करने उतरेंगे खिलाड़ी

न्यूयॉर्क, एजेंसी

आलोचक भले ही उन्हें 'नयी बोतल में पुरानी शराब' कहें लेकिन भारत के सुपरस्टार क्रिकेटर बरसों से आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पाने का मलाल मिटाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखना चाहेंगे और अपने इस मिशन की शुरूआत टी20 विश्व कप में बुधवार को आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच के जरिये करेंगे।

भारतीय टीम में अभी भी कई अनसुलझे सवाल हैं मसलन यहां 'ड्रॉप इन' पिच पर टीम संयोजन क्या रहेगा। रोहित शर्मा और विराट कोहली तो विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रह चुके हैं लेकिन जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा जैसे 'दशकों में एक' माने जाने वाले क्रिकेटरों ने अभी तक खिताब नहीं जीता है। भारतीय क्रिकेट टीम 1982 और 1986 की ब्राजील फुटबॉल टीम की तरह नहीं बनना चाहती जब सुकरात, जिको, कारेका, फाल्काओ और अलेमाओ जैसे सितारे भी फीफा विश्व कप नहीं जीत सके थे। पिछले साल वनडे विश्व कप फाइनल के बाद नरेंद्र मोदी स्टेडियम के ड्रेसिंग रूम की सीढियां चढते हुए कप्तान रोहित शर्मा अपने आंसू नहीं छिपा सके थे। वहीं 765 रन बनाने वाले कोहली के चेहरे पर भी उदासी साफ देखी जा सकती थी। कई बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मिलकर सर्वश्रेष्ठ टीम नहीं बना पाते। भारत ने अपने अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है लेकिन यह नहीं भूलना चाहिये कि यही टीम कई बार आखिरी दो तिलिस्म नहीं तोड़ सकी है। सैतीस बरस के रोहित का यह आखिरी विश्व कप है और यह लगभग तय है कि वह भारत में होने वाले अगले टी20 विश्व कप और दक्षिण अफ्रीका में 2027 में होने वाले 50 ओवरों के विश्व कप तक नहीं खेलेंगे। दूसरी ओर आयरलैंड की टीम में पॉल स्टर्लिंग, जोश लिटिल, हैरी टेक्टर, एंडी बालबर्नी जैसे अच्छे टी20 क्रिकेटर हैं। नासाउ काउंटी मैदान की धीमी और औसत विकेट पर भारतीय टीम आयरलैंड के बायें हाथ के स्पिनर जॉर्ज डॉकरेल को कैसे खेलती है, यह देखना रोचक होगा। भारत को फायदा इस बात का है कि उसके पास आयरलैंड से बेहतर स्पिनर हैं हालांकि बुमराह के अलावा तेज गेंदबाजी आक्रमण थोड़ा कमजोर लग रहा है। कई बार बहुत ज्यादा विकल्प होना भी अच्छी स्थिति नहीं होती है और शीर्षक्रम पर भारत के साथ ऐसा ही हो रहा है। कप्तान रोहित और कोहली के लिये यशस्वी जायसवाल को बाहर रहना पड़ सकता है। ऋषभ पंत ने अभ्यास मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की और हार्दिक पंड्या ने अच्छी गेंदबाजी की। पंड्या ने अभ्यास सत्र में कोहली, सूर्यकुमार यादव और रोहित को अच्छी खासी गेंदबाजी की।

भारत

रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

आयरलैंड

पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, रॉस अडायर, एंड्रयू बालबर्नी, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, ग्राहम ह्यूम, जोश लिटिल, बैरी मैकार्थी, नील रॉक, हैरी टेक्टर, लोरकन टकर, बेन व्हाइट, क्रेग यंग।

मैच का समय : रात आठ बजे से।

मैक्स ओ'डाउड

नीदरलैंड ने नेपाल को छह विकेट से हराया

डलास, एजेंसी

- मैक्स ओ'डाउड ने नाबाद 54 रनों की पारी खेल दिलाई जीत
- टिम प्रिंगल और लोगन वैन बीक ने तीन-तीन विकेट झटके

टिम प्रिंगल और लोगन वैन बीक की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद मैक्स ओ'डाउड (नाबाद 54) की संयमित बल्लेबाजी से नीदरलैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप डी मैच के कम स्कोर वाले रोमांचक मैच में मंगलवार को यहां नेपाल को छह विकेट से हराया। नेपाल की पारी को 19.2 ओवर में 106 रन पर समेटने के बाद नीदरलैंड ने 19.4 ओवर में चार विकेट पर 109 रन बनाकर इस जीत से दो अंक हासिल किये। ओ'डाउड ने 48 गेंद की नाबाद पारी में चार चौके और एक छक्का लगाने के साथ एक छोर संभाले रखा। नेपाल के लिए सोमपाल कामी, दीपेंद्र सिंह ऐरी और अविनाश बोहरा ने एक-एक विकेट लिये। मैन ऑफ द मैच प्रिंगल ने 20 रन देकर तीन जबकि वैन बीक ने 18 रन देकर तीन विकेट चटकाये। पॉल वैन मीकरेन और बास डलीडे को दो-दो सफलता मिली।

नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स के टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने के फैसले को उनके गेंदबाजों ने सही साबित किया और लगातार अंतराल पर विकेट चटकाते रहे। नेपाल की ओर से कप्तान रोहित पौडेल ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाये। उन्होंने 37 गेंद की पारी में पांच चौके लगाये। निचले क्रम में करण केसी (17) और गुलशन झा (14) ने दोहरे अंक में रन बनाकर टीम के स्कोर को 100 रन के पार पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड को दूसरे ओवर में माइकल लेविट (एक) के आउट होने से झटका लगा। वह सोमपाल का शिकार बने। ओ'डाउड और विक्रमजीत सिंह (22) ने इसके बाद संभाल कर बल्लेबाजी करते हुए पावरप्ले में टीम के स्कोर को एक विकेट पर 36 रन तक पहुंचाया। दीपेंद्र ने नौवें ओवर में विक्रमजीत को पगबाधा कर दूसरे विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी को तोड़ा। ओ'डाउड को इसके बाद साइब्रैंड एंगलब्रेक्त (14) का अच्छा साथ मिला जिन्होंने 12वें ओवर में गुलशन के खिलाफ चौका लगाकर रनगति को तेज करने की कोशिश की लेकिन 14वें ओवर में रन आउट हो गये। बोहरा (पांच) ने कप्तान स्कॉट एडवर्ड को चलता कर नीदरलैंड पर एक बार फिर दबाव बना दिया। ओ'डाउड ने इस गेंदबाज के खिलाफ 19वें ओवर में लगातार गेंदों पर चौका और छक्का लगाकर 47 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। डलीडे ने इसी ओवर में चौका लगाकर टीम को जीत दिला दी।

इससे पहले प्रिंगल ने पारी के दूसरे ओवर में ही सलामी बल्लेबाज आसिफ शेख (चार) को चलता किया। वैन बीक ने चौथे ओवर में अपनी पहली गेंद कुशल भुर्तेल (सात) को पगबाधा कर नेपाल को दूसरा झटका दिया। कप्तान पौडेल और अनिल शाह ने तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियों से जूझने की कोशिश की लेकिन प्रिंगल ने साह की 12 गेंद में 11 रन की पारी को वैन बीक के हाथों कैच कराकर खत्म किया।

कुशल मल्ला (नौ) और दीपेंद्र (एक) के आउट होने से नेपाल ने 11वें ओवर में 53 रन पर पांच विकेट गंवा दिये। पौडेल ने इस बीच वैन बीक के खिलाफ दो शानदार चौके जड़े लेकिन मीकरेन ने सोमपाल को खाता खोलने का मौका नहीं दिया। गुलशन ने प्रिंगल के खिलाफ 16वें ओवर में नेपाल की पारी का पहला छक्का जड़ा लेकिन इसी ओवर में प्रिंगल ने पौडेल को आउट कर नेपाल को बड़ा स्कोर खड़ा करने से रोक दिया। करण ने वैन बीक और डलीडे के खिलाफ छक्के जड़ नेपाल के स्कोर को 100 के पार पहुंचाया लेकिन टीम ने अगले चार गेंद में बाकी के तीन विकेट गंवा दिये।

स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के मैच में बारिश ने डाला खलल

ब्रिजटाउन, एजेंसी

स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के बीच मंगलवार को यहां खेला गया आईसीसी टी20 विश्व कप का ग्रुप बी मैच बारिश के कारण रद्द हो गया। स्कॉटलैंड ने सलामी बल्लेबाजों माइकल जोंस (नाबाद 45) और जॉर्ज मुंसे (नाबाद 41) की शानदार बल्लेबाजी से बारिश से प्रभावित मैच में 10 ओवर में बिना किसी नुकसान के 90 रन बनाये।

इंग्लैड को डकवर्थ लुईस नियम से जीत के लिए 10 ओवर में 109 रन का लक्ष्य मिला था लेकिन स्कॉटलैंड की पारी खत्म होते ही फिर से बारिश होने लगी और अंपायरों ने मैच को रद्द करने का फैसला खत्म किया। इससे पहले भी इस मुकाबले में दो बार बारिश से खलल डाला था। टॉस के बाद बारिश और पिच का एक हिस्सा गीला होने के कारण मैच लगभग आधे घंटे की देरी से शुरू हुआ।

नोवाक जोकोविच फ्रेंच ओपन से हटे

पेरिस, एजेंसी। नोवाक जोकोविच दाहिने घुटने में चोट के कारण मंगलवार को फ्रेंच ओपन से हट गए, जिससे खिताब के बचाव के मौके के साथ रैंकिंग में शीर्ष स्थान को भी गंवा देंगे। फ्रेंच ओपन के आयोजकों ने बताया कि 'जोकोविच के दाहिने घुटने के 'मीडियल मेनिस्कस' में चोट है। इस चोट की गंभीरता का पता एमआरआई जांच के दौरान चला। जोकोविच को यह चोट फ्रांसिस्को सेरुंडोलो के खिलाफ चौथे दौर में साढ़े चार घंटे से अधिक समय तक चले मैच के दौरान लगी थी। चौबीस बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को बुधवार को क्वार्टर फाइनल में दो बार के फ्रेंच ओपन उपविजेता कैस्पर रुड से मुकाबला करना था।

फजलहक फारूकी

अफगानिस्तान 125 रनों से जीता

प्रोविडेंस (गुयाना), एजेंसी

- फारूकी के पांच विकेट, गुरबाज और जदरान की बल्लेबाजी से युगांडा को रौंदा

तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी के पांच विकेट और रहमानुल्लाह गुरबाज तथा इब्राहिम जदरान के बीच पहले विकेट की शतकीय साझेदारी की मदद से अफगानिस्तान ने टी20 विश्व कप के पहले मैच में युगांडा को 125 रन से हराया। कोलकाता नाइट राइडर्स के सलामी बल्लेबाज गुरबाज ने 45 गेंद में 76 रन बनाये जबकि जदरान ने 46 गेंद में 70 रन की पारी खेली। दोनों ने पुरूषों के टी20 विश्व कप में पहले विकेट के लिये सर्वोच्च 154 रन की साझेदारी की जिसकी मदद से अफगानिस्तान ने पांच विकेट पर 183 रन बनाये। बायें हाथ के तेज गेंदबाज फारूकी ने चार ओवर में नौ रन देकर पांच विकेट लिये।

विश्व कप में पहली बार उतरी युगांडा की टीम 16 ओवर में 58 रन पर आउट हो गई। फारूकी दो बार हैट्रिक लेने के करीब पहुंचे थे। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिये खेल चुके फारूकी ने 13वें ओवर में तीन और विकेट लेकर टी20 क्रिकेट में कैरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इससे पहले अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाजों ने आक्रामक शुरूआत की। गुरबाज ने पारी की दूसरी ही गेंद पर छक्का जड़ा। जदरान ने दिनेश नकरानी के छठे ओवर में लगातार चार चौके लगाये। पावरप्ले के आखिर में अफगानस्तान ने 11 रन प्रति ओवर की दर से रन बना डाले थे। गुरबाज ने चार चौके और चार छक्के लगाये और अपना अर्धशतक सिर्फ 28 गेंद में पूरा किया। जदरान ने नौ चौके और एक छक्का जड़ा। अफगानिस्तान का सामना अब न्यूजीलैंड से होगा।

राहुल द्रविड़ को लेकर भावुक हुए रोहित शर्मा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मंगलवार को बताया कि उन्होंने निवर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को पिछले ढाई वर्षों में टीम में उनके व्यापक योगदान को स्वीकार करने के साथ इस जिम्मेदारी को जारी रखने के लिए मनाने की कोशिश की थी। द्रविड़ ने सोमवार को स्पष्ट कर दिया था कि टी20 विश्व कप भारतीय टीम के साथ उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। रोहित इसके एक दिन बाद राष्ट्रीय टीम में अपने पहले कप्तान के बारे में बात करते हुए भावुक हो गए।

गौतम गंभीर को द्रविड़ के उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि उन्होंने इस पद के लिए आवेदन किया है या नहीं। रोहित ने टी20 विश्व कप में आयरलैंड के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा, ''मैंने उन्हें रोकने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन जाहिर तौर पर ऐसी कई चीजें हैं जिनका उन्हें ध्यान रखना होगा। मैंने व्यक्तिगत रूप से उसके साथ अपने समय का आनंद लिया।'' रोहित ने इस मौके पर अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण को याद करते हुए कहा कि उन्होंने राहुल की कप्तानी में अपना अंतरराष्ट्रीय करियर शुरू किया था। उन्होंने कहा, '' जब मैंने आयरलैंड में पदार्पण किया था तो वह मेरे पहले अंतरराष्ट्रीय कप्तान थे। जब मैं टेस्ट मैचों के लिए टीम में आया था तब मैंने उन्हें करीब से खेलते हुए देखा था। वह हम सभी के लिए इतने बड़े आदर्श रहे है।'' उन्होंने कहा, '' बड़े होते हुए, हमने उन्हें खेलते हुए देखा है और हम जानते हैं कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से एक खिलाड़ी के रूप में क्या हासिल किया है। हम पिछले कुछ वर्षों में टीम के लिए उनके योगदान की सराहना करते है।''

एलेक्जेंडर क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

पेरिस, एजेंसी। जर्मनी के टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने डेनमार्क के होल्गर रूण को हराकर फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। मंगलवार को हुये मुकाबले में ज्वेरेव ने लगातार तीन सेट जीतकर फ्रेंच ओपन के क्वार्टरफाइनल में लगातार चौथी बार जगह बनाई है। उन्होंने चार घंटे और 11 मिनट में तक चले मुकाबले में रुण पर 4-6, 6-1, 5-7, 7-6(2), 6-2 से जीत दर्ज की। ज्वेरेव का अगले मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज एलेक्स डी मिनौर से होगा। डी मिनौर ने डेनियल मेदवेदेव को 4-6, 6-2, 6-1, 6-3 से हराकर क्वार्टरफाइनल में पहुंचे हैं। मुकाबला जीतने के बाद ज्वेरेव ने कहा, "मुझे क्वार्टरफाइनल में पहुंचकर गर्व है। मैंने पिछले तीन दिनों में कुल साढ़े आठ घंटे खेला हूं, मुझे एक ब्रेक की जरूरत है।"

शतरंज : प्रज्ञानानंदा ने डिंग लिरेन को हराया

स्टावेंजर (नॉर्वे), एजेंसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने विश्व चैम्पियन डिंग लिरेन के खिलाफ आर्मोगेडोन पर मिली हार का बदला चुकता करते हुए नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर में जीत दर्ज की हालांकि इससे पहले चीनी खिलाड़ी ने मजबूत स्थिति में पहुंचकर खुद गलतियां की थी जो उन पर भारी पड़ी। पहला मुकाबला ड्रॉ रहा और प्रज्ञानानंदा ने आर्मागेडोन में बाजी मारी। नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन ने अमेरिका के हिकारू नकामूरा के खिलाफ धीमी शुरूआत की और आर्मागेडोन में हार गए। वहीं फ्रांस के फिरोजा अलीरजा ने अमेरिका के फेबियानो कारूआना को हराया। कार्लसन 13 अंक लेकर शीर्ष पर हैं। नकामूरा उनसे आधा अंक पीछे हैं। प्रज्ञानानंदा 11 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं जबकि अलीरजा उनसे डेढ अंक पीछे हैं। कारूआना पांचवें स्थान पर हैं और लिरेन सबसे नीचे हैं। महिला वर्ग में यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक ने चीन की विश्व चैम्पियन वेंजुन जू को हराकर एकल बढ़त हासिल की। जू उनसे आधा अंक ही पीछे हैं। कोनेरू हम्पी ने हमवतन आर वैशाली को हराया जो तीसरे स्थान पर हैं। चीन की तिंगजि लेइ ने स्वीडन की पिया क्रामलिंग को हराया।

ग्रैंडमास्टर अर्जुन विश्व में शीर्ष पांच में

नयी दिल्ली, एजेंसी। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने फ्रेंच टीम शतरंज चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करके फिडे रेटिंग में पांचवां स्थान हासिल कर लिया और लाइव रेटिंग में वह सर्वोच्च रैंकिंग वाले भारतीय हैं। अर्जुन के ईएलओ रेटिंग अंक 2769.7 हैं और उन्होंने इसमें 8.7 अंक का इजाफा किया है। उनसे आगे नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन, अमेरिका के हिकारू नकामूरा और फेबियानो कारूआना और रूस के इयान नेपोम्नियाश्चि हैं। वह इस सप्ताह लाइव रेटिंग में 2771.2 अंक तक पहुंचे और विश्वनाथन आनंद के बाद यहां तक पहुंचने वाले दूसरे भारतीय हैं।

लक्ष्य सेन दूसरे राउंड में पहुंचे

जकार्ता, एजेंसी

- इंडोनेशिया ओपन में प्रियांशु ने एचएस प्रणॉय को हराया

लक्ष्य सेन और प्रियांशु रजावत मंगलवार को इंडोनेशिया ओपन 2024 बैडमिंटन बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट के अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए दूसरे राउंड में पहुंच गये है। मंगलवार को पुरुष एकल मुकाबले में लक्ष्य सेन ने जापान के कांता त्सुनेयामा को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 21-12, 21-17 से हराया। राउंड ऑफ 16 में लक्ष्य का सामना जापान के केंटा निशिमोटो से होगा, जिन्होंने पहले राउंड में सातवीं वरीयता प्राप्त एंथोनी गिंटिंग को हराया है।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य ने पहले गेम में ही मजबूत शुरुआत करते हुए 10-4 से बड़ी बढ़त बनाई और उसके बाद उन्होंने पीछे मुड़ कर नहीं देखा और वह लगातार अंक अपने नाम करते रहे और आखिर में इस गेम को बड़ी आसानी से 21-12 से जीत लिया। कांता त्सुनेयामा को इस गेम में काफी संघर्ष करना पड़ा। दूसरे गेम में लक्ष्य शुरू से ही जापान के खिलाड़ी पर हावी रहे और 2-2 से स्कोर बराबर होने के बाद भारतीय शटलर ने 5-3 की बढ़त बनाई और शानदार प्रदर्शन करते हुए बढ़त बनाये रखा। जापानी खिलाड़ी ने गेम को आखिर तक ले जाने का प्रयास किया और स्कोर 17-14 कर दिया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने जापानी खिलाड़ी की उम्मीदों पर पानी फेरते हुए 21-17 से जीत दर्ज की। इसके अलावा दिन का एक और रोमांचक मुकाबले में एचएस प्रणॉय को पहले राउंड में हमवतन दुनिया के 34वें नंबर के खिलाड़ी प्रियांशु रजावत से 17-21, 11-21 से हार का सामना करना पड़ा। प्रणॉय की अपने जूनियर खिलाड़ी के खिलाफ चार मैचों में यह पहली हार थी। रजावत अगले राउंड में मौजूदा विश्व चैंपियन थाईलैंड के कुणालवुट विटिदसर्न से मुकाबला करेंगे। मिश्रित युगल जोड़ी बी सुमित रेड्डी और सिक्की रेड्डी ने भारतीय अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। भारतीय जोड़ी ने यूएसए के विसन चिउ-जेनी गाई को 18-21, 21-16, 21-17 से हारकर राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली, पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, कार्यकारी संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल-amritvichar120@gmail.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा।)

बाढ़ बनी आफत

रेमल चक्रवात के बाद से गुवाहाटी में भारी बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव हो गया। इससे लोगों को पलायन करने पर मजबूर होना पड़ रहा है। लगातार हो रही बारिश और बाढ़ की वजह से कई लोग जान गवां चुके हैं।

चांद के अंधेरे हिस्से से निकाली दो किलो मिट्टी

बीजिंग, एजेंसी

- धरती पर लौट रहा है चीन का मून लैंडर चांग ई-6, चीन अपने इस मिशन में कामयाब हुआ तो ऐसा करने वाला पहला देश होगा

चीन ने पिछले महीने 3 मई को चांग ई-6 मून लैंडर लॉन्च किया था। अब इस मून लैंडर ने चांद के अंधेरे हिस्से से मिट्टी निकालने में कामयाबी हासिल कर ली है। ये जानकारी चीनी स्पेस मिशन ने दी है। न्यूज वेबसाइट अलजजीरा के मुताबिक चीन ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। चंद्रमा के दक्षिणी हिस्से से मिट्टी का सैंपल लेने के लिए मून लैंडर में ड्रिल कर खोदने और फिर मलबे को उठाने की मैकेनिकल आर्म लगाई गई थी।

चीन की अंतरिक्ष एजेंसी नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया कि इस सैंपल के विश्लेषण से अंतरिक्ष वैज्ञानिकों को चंद्रमा, पृथ्वी और सौर मंडल के बनने और उनका विकास होने से जुड़े सुराग मिल पाएंगे। इस डेटा का इस्तेमाल चीन के आने वाले मून मिशन्स में भी होगा।

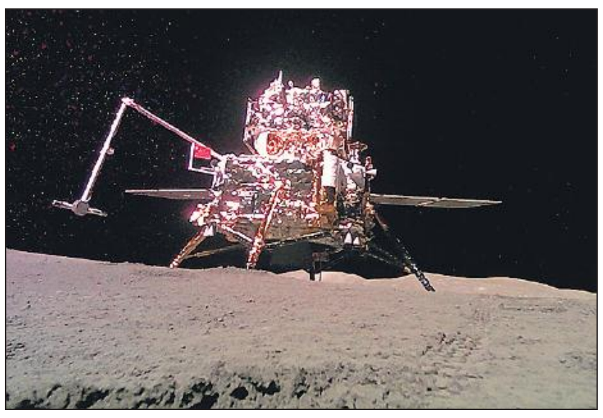

पहली बार चांद के दक्षिणी हिस्से में फहराया चीनी झंडा : चांद से मिट्टी इकट्ठा करने के बाद चांग''ई-6 ने पहली बार चांद के दक्षिणी हिस्से में चीन का झंडा फहराया। चीनी स्टेट मीडिया के मुताबिक अब अपने मिशन को अंजाम देने के बाद मून लैंडर चांग''ई-6 वापस लौट रहा है।

25 जून को वापस लौटेगा चांग ई-6

चीनी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ ने चीनी स्पेस एजेंसी का हवाला देते हुए बताया कि चांग''ई-6 ने मंगलवार सुबह 7:38 बजे चांद से उड़ान भरी। चांग''ई-6 फिलहाल चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश कर चुका है। योजना के मुताबिक चांग''ई-6 चीन के इनर मंगोलिया इलाके के रेगिस्तान में करीब 25 जून के आसपास लैंड करेगा। इसे चीन का अब तक का सबसे मुश्किल मून मिशन बताया जा रहा है। अगर 25 जून को चीनी मून लैंडर वापस धरती पर सफलतापूर्वक उतरने में सफल होता है तो चीन के साथ-साथ ये पूरे मानवजाति के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी। इससे पहले बीते रविवार की सुबह चांग''ई-6 ने चांद के अंधेरे वाले हिस्से ऐटकेन बेसिन पर सफल लैंडिंग की थी।

चांद के सुदूर हिस्से तक पहुंचना क्यों मुश्किल?

चांद के इस हिस्से पर लैंडिंग दूसरे हिस्सों के मुकाबले ज्यादा मुश्किल है। इसकी वजह ये है कि चांद के इस हिस्से में अंधेरा होता है, ये उबड़-खाबड़ है। इसके चलते यहां संपर्क मुश्किल होता है और लैंडिंग में परेशानी आती हैं। चीन को 2030 तक चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों को भेजना है। चांद के दक्षिणी ध्रुव पर चीन एक रिसर्च बेस बनाना चाहता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक चांग''ई-6 लैंडर जो सैंपल लेकर आएगा उनसे चंद्रमा, पृथ्वी और सौर मंडल के बनने और उनका विकास होने से जुड़े सुराग मिल पाएंगे। इस डेटा का इस्तेमाल चीन के आने वाले मून मिशन्स में होगा।

एक नजर

पाकिस्तान में कोयला खदान में गैस रिसाव से 11 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के क्वेटा के पास एक कोयला खदान में गैस रिसाव के कारण नौ खनिकों सहित 11 लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तानी अखबार डॉन ने सोमवार को बलूचिस्तान के मुख्य खान निरीक्षक अब्दुल गनी के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। कोयला खदान क्वेटा से 40 किलोमीटर दूर स्थित है। इस घटना के बाद खदान बंद कर दी गई थी। अखबार ने कहा कि नौ खनिकों के अलावा, एक ठेकेदार और एक खदान प्रबंधक भी मृतकों में शामिल हैं।

300 से अधिक अफगान शरणार्थी परिवार घर लौटे

काबुल। पिछले कुछ दिनों में 300 से अधिक अफगान शरणार्थी परिवार पाकिस्तान और ईरान से स्वदेश लौट आए हैं। सरकारी बख्तर समाचार एजेंसी ने मंगलवार को बताया कि कुल 303 परिवार जो दोनों पड़ोसी देशों में वर्षों तक शरणार्थी के रूप में रहते थे, कुछ दिन पहले अपने वतन लौट आए। कथित तौर पर पिछले नवंबर से दोनों देशों से 10 लाख से अधिक अफगान शरणार्थी, जिनमें से अधिकांश बिना दस्तावेज वाले प्रवासी हैं, घर लौट आए हैं। अफगान की कार्यवाहक सरकार अफगान शरणार्थियों से विदेश में शरणार्थी के रूप में रहना बंद करने और युद्धग्रस्त मातृभूमि की पुनर्निर्माण प्रक्रिया में योगदान देने के लिए घर लौटने का आह्वान करती रही है।

कॉनिल ने ग्रहण किया प्रधानमंत्री का पदभार

पोर्ट-ओ-प्रिंस। हैती के अंतरिम प्रधानमंत्री गैरी कॉनिल ने आधिकारिक तौर पर पदभार ग्रहण कर लिया है। संक्रमणकालीन राष्ट्रपति परिषद ने मई के अंत में अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष (यूनिसेफ) के स्थानीय विभाग के निदेशक गैरी कॉनिल को चुना। श्री कॉनिल पहले ही 2011-2012 में प्रधानमंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर कहा, सोमवार को एक समारोह के दौरान प्रधानमंत्री डॉक्टर गैरी कॉनिल को संक्रमणकालीन राष्ट्रपति परिषद के अध्यक्ष एडगार्ड लेब्लांक फिल्स से संक्रमणकालीन सरकार के प्रमुख के रूप में उनकी नियुक्ति पर एक विस्तारित निर्णय प्राप्त हुआ। कार्यालय ने जारी बयान में कहा कि समारोह के दौरान प्रधानमंत्री ने प्रस्ताव दिया कि सभी इच्छुक पक्ष अपने विवादों को छोड़ दें।

भारत में हुए लोकसभा चुनाव के नतीजों पर वर्ल्ड मीडिया की रहीं नजरें

मोदी पहली बार बहुमत से चूके : वॉशिंगटन पोस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में 2024 के लोकसभा चुनाव में वोटों की गिनती जारी है। बीजेपी की अगुआई वाले एनडीए गठबंधन को उम्मीद के मुताबिक सीटें मिलती नहीं दिख रहीं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नतीजों को न सिर्फ देश के लोग बल्कि पूरी दुनिया टकटकी लगाकर देख रही है। वॉशिंगटन पोस्ट ने कहा- मोदी पहली बार पूर्ण बहुमत से चूक गए। न्यूयॉर्क टाइम्स से लेकर ब्रिटेन का बीबीसी ने लाइव कवरेज किया। शुरुआती नतीजों को वर्ल्ड मीडिया अपने नजरिये से परख रहा है।

न्यूयॉर्क टाइम्स : 10 साल के कार्यकाल का रेफरेंडम

न्यूयॉर्क टाइम्स ने नतीजों को प्रधानमंत्री मोदी के 10 साल के कार्यकाल पर रेफरेंडम बताया है। टाइम्स के मुताबिक, काफी हद तक नरेंद्र मोदी को तीसरा टर्म मिलेगा। भारत में नए बने विपक्षी गठबंधन ने मोदी की बंटवारे की राजनीति के खिलाफ वोट मांगा था। विपक्ष ने लोगों के मन में ये डर भरा था कि अगर बीजेपी सत्ता में आई तो संविधान बदल देगी।

द डेली स्टार : कमजोर भाजपा की सरकार बनेगी

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा।

- न्यूयार्क टाइम्स ने लिखा-विपक्ष ने लोगों के मन में भरा था डर

बांगलादेशी अखबार द डेली स्टार ने लिखा- ऐसा लगता है कि इस बार कमजोर भाजपा की सरकार बनेगी। भारतीय शेयर बाजार को पीएम मोदी की भारी जीत की उम्मीद थी लेकिन शुरुआती परिणामों ने उसे डरा दिया है। यही वजह है कि शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। अखबार ने सीएम ममता बनर्जी की तारीफों के पुल भी बांधे हैं। अखबार लिखता है कि ममता बनर्जी ने बीजेपी को एक बार फिर से मात दी है।

रॉयटर्स : उम्मीद से उलट नतीजे

रॉयटर्स ने लिखा है कि शुरुआती रुझानों में पीएम मोदी की पार्टी और उनका गठबंधन आगे दिखाई दे रहा है। उम्मीद के उलट नतीजों की वजह से बाजार परेशान होकर लगातार गिरता जा रहा है।

मालदीव के राष्ट्रपति ने मोदी को जीत पर बधाई दी : मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोकसभा चुनाव में जीत के लिए बधाई दी। मुइज्जू ने एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा और भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को तीसरे कार्यकाल के लिए भारतीय आम चुनाव में सफलता पर बधाई। मैं दोनों देशों की साझा समृद्धि और स्थिरता के लिए साझा हितों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने की आशा करता हूं।

जीत की शुभकामना पर मोदी ने राजपक्षे को धन्यवाद दिया : प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीलंका के महिंदा राजपक्षे को लोकसभा चुनाव में जीत पर उनकी शुभकामना के लिए मंगलवार को धन्यवाद दिया। मोदी ने एक्स पर लिखा कि आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद, मेरे दोस्त राजपक्षे। जैसा कि भारत-श्रीलंका की साझेदारी नए मोर्चे पर है, आपके निरंतर समर्थन की आशा है। इससे पहले राजपक्षे ने एक्स पर लिखा कि भारत में भाजपा की जीत के बाद तीसरा कार्यकाल प्राप्त करने पर मेरे मित्र मोदी को हार्दिक बधाई। मैं नयी सरकार के साथ हमारे संबंधों को और आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हूं।

मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति को जीत की शुभकामना पर धन्यवाद दिया : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति को लोकसभा चुनाव 2024 में जीत पर उनकी शुभकामना के लिए मंगलवार को धन्यवाद दिया। मोदी ने एक्स पर लिखा कि धन्यवाद रानिल विक्रमसिंघे। मैं भारत-श्रीलंका आर्थिक साझेदारी पर हमारे निरंतर सहयोग की उम्मीद करता हूं। इससे पहले रानिल विक्रमसिंघे ने एक्स पर लिखा कि मैं भाजपा के नेतृत्व में एनडीए की जीत पर अपनी हार्दिक बधाई देता हूं। निकटतम पड़ोसी के रूप में, श्रीलंका भारत के साथ साझेदारी को और मजबूत करने के लिए तत्पर है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल ने लिखा विपक्ष ने दिया झटका

भारत के नरेंद्र मोदी बहुमत हासिल करने के लिए जूझ रहे हैं। शुरुआती रुझानों में उन्हें उम्मीद मुताबिक नतीजे नहीं मिल रहे। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने लिखा कि मोदी और उनकी पार्टी को विपक्ष ने कड़ा झटका दिया है।

फ्रांस 24 : विपक्ष दे रहा टक्कर

फ्रांस 24 ने कहा भारत के चुनाव में विपक्ष उम्मीद से कड़ी टक्कर दे रहा है। 10 साल की सत्ता में नरेंद्र मोदी ने भारत की राजनीति के परिदृश्य को ही बदल दिया था। उनकी पॉपुलैरिटी ने उनकी पार्टी को पीछे छोड़ दिया। मोदी ने संसदीय चुनाव को राष्ट्रपति चुनाव जैसा बना दिया। नतीजा ये रहा कि बीजेपी चुनाव जीतने के लिए मोदी ब्रांड पर निर्भर रहती है।

टोक्यो में कार्गो विमान की कराई इमरजेंसी लैंडिंग

आपात लैंडिंग के बाद सुरक्षा कर्मियों ने विमान को घेर लिया।

टोक्यो, एजेंसी

- विमान में आग लगने के बाद करानी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

जापान में टोक्यो के नारिता हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ सेकंड बाद ही एक मालवाहक विमान में आग लगने की वजह से आपात स्थिति में उतारा गया।

राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। एनएचके द्वारा प्रसारित लाइव फुटेज में दिखाया गया कि विमान के दाहिने ओर की इंजन में आग लग गई। इसके बाद विमान ने आपातस्थिति में उतारने के लिए घोषणा की। हवाई अड्डे के अनुसार विमान को स्थानीय समयानुसार सुबह 11:20 बजे उतरना था। आपातकालीन लैंडिंग के बाद रनवे को बंद करने की कोई योजना नहीं है।

तुर्की में विमान दुर्घटना में दो सैनिकों की मौत

अंकारा। तुर्की के मध्य प्रांत काइसेरी में मंगलवार को सैन्य प्रशिक्षण के दौरान विमान दुर्घटना में दो सैनिकों की मौत हो गई। तुर्की रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा, हमारे वायु सेना कमान का एक एसएफ-260डी प्रकार का प्रशिक्षण विमान, जो प्रशिक्षण के लिए काइसेरी में 12वीं वायु परिवहन मुख्य बेस कमान से उड़ान भर रहा था, अज्ञात कारणों से दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान काइसेरी प्रांत के कोकासिनान जिले के हसन अर्पा इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

थ्यानमेन नरसंहार की वर्षगांठ पर चीन-हांगकांग में भारी सुरक्षा

बीजिंग, एजेंसी

- लोकतंत्र समर्थकों पर कार्रवाई का गवाह है थ्यानमेन चौक

थ्यानमेन नरसंहार की 35वीं बरसी पर चीन और हांगकांग में सुरक्षा के भारी बंदोबस्त किए गए। इस दौरान लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों पर खूनी कार्रवाई के गवाह रहे थ्यानमेन चौक को जाने वाली सड़कों पर पुलिस चौकियां और बख्तरबंद वाहनों की कतारें देखी गईं।

हांगकांग पुलिस ने भारी चौकसी बरतते हुए बरसी संबंधी किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम को रोकने के लिए सड़क से कम से कम दो लोगों को हटा दिया। चीन काफी समय पहले ही नरसंहार की उन सभी निशानियों को कुचल चुका है जब चीनी सरकार ने कम्युनिस्ट शासन को बनाए रखने और महीनों से चल रहे विरोध प्रदर्शनों को समाप्त करने के लिए सेना को कार्रवाई का आदेश दिया था। इस आदेश के बाद अनुमान है कि 180,000 सैनिक और सशस्त्र पुलिस बल टैंकों के साथ पहुंचे और थ्यानमेन चौक पर प्रदर्शनकारी छात्रों पर गोलियां बरसाईं। आज तक मरने वालों की संख्या का पता नहीं चल पाया है। ये माना जाता है कि हजारों नहीं तो सैकड़ों लोग इस अभियान में मारे गए थे जो कि एक रात पहले शुरू होकर 4 जून, 1989 की सुबह समाप्त हुआ था। यह नरसंहार आधुनिक चीनी इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। कम्युनिस्ट पार्टी के कट्टरपंथियों के पक्ष में संकट समाप्त हो गया जो राजनीतिक सुधारों की बजाय नियंत्रण का समर्थन करते थे।

सैन फ्रांसिस्को में इजराइली मिशन की इमारत से फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शनकारी गिरफ्तार

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी

सैन फ्रांसिस्को में इजराइली वाणिज्य दूतावास की इमारत की लॉबी में घुसे फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शनकारियों को सोमवार को पुलिस ने गिरफ्तार किया। हालांकि, यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया, लेकिन एसोसिएट प्रेस के संवाददातओं ने पुलिस को लगभग 50 लोगों को अपने साथ ले जाते हुए देखा। अधिकारी उन्हें पुलिस वैन में बैठाकर वहां से ले गए।

सोमवार को फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शनकारियों का एक समूह इमारत में घुस गया और कई घंटों तक वहां रहा। प्रदर्शनकारियों ने इमारत के मुख्य द्वार पर इजराइल-हमास युद्ध को रोकने का आह्वान करते हुए पोस्टर लगाए। सैन फ्रांसिस्को पुलिस विभाग ने कहा कि पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को कई बार चेतावनी दी और उन्हें वहां से चले जाने को कहा, लेकिन इसके बाद वे आगे बढ़ते रहे, जिसके बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। इजराइल के महावाणिज्यदूत मार्को सेरमोनेटा ने कहा कि प्रदर्शनकारी सुबह करीब नौ बजे फाइनेंशियल डिस्ट्रिक की इमारत के पास एकजुट हुए, लेकिन वाणिज्य दूतावास के कार्यालयों में प्रवेश नहीं कर सके।

प्रदर्शनकारियों को ले जाती पुलिस।

- सोमवार को दूतावास की इमारत में घुस गए थे प्रदर्शनकारी

द. कोरिया ने की अफ्रीकी देशों संग पहले शिखर सम्मेलन की मेजबानी

सोल, एजेंसी

- 4 से 8 जून तक चीन की यात्रा पर हुए रवाना

दक्षिण कोरिया ने मंगलवार को अफ्रीकी देशों के साथ अपना पहला शिखर सम्मेलन आयोजित किया।

शिखर सम्मेलन सोमवार रात को शुरू हुआ और बुधवार को एक व्यापार शिखर सम्मेलन के साथ समाप्त होने वाला है, जिसमें राज्य और सरकार के प्रमुख और 48 अफ्रीकी देशों के प्रतिनिधिमंडल के प्रमुखों के साथ-साथ अफ्रीकी संघ और उसके संस्थानों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। संयुक्त घोषणा के तहत दोनों पक्षों ने यह विचार साझा किया कि द. कोरिया और अफ्रीका के बीच आपसी विश्वास, एकजुटता और समान ऐतिहासिक अनुभवों के आधार पर नए रणनीतिक सहयोग बनाने की आवश्यकता है। जलवायु परिवर्तन, संघर्ष, खाद्य असुरक्षा, स्वास्थ्य संकट, ऊर्जा संकट और आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान सहित जटिल चुनौतियों के उद्भव के बीच, दोनों पक्ष तीन स्तंभों के आसपास संरचित मजबूत और पारस्परिक रूप से लाभप्रद साझेदारी बनाने के लिए दृढ़ हैं। द. कोरिया और अफ्रीकी देशों ने 40 से अधिक व्यापार और निवेश संवर्धन ढांचे और आर्थिक विकास सहयोग निधि पर बुनियादी समझौते, साथ ही प्रमुख खनिज, बुनियादी ढांचे, गतिशीलता, कृषि, मत्स्य पालन पर समझौता ज्ञापन, चिकित्सा और स्वास्थ्य सहयोग जैसेएमओयू पर हस्ताक्षर किए।

बॉलीवुड हलचल

मिस्टर एंड मिसेज माही के गाने का वीडियो रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव और अभिनेत्री जान्हवी कपूर की आने वाल फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही का गाना तू ही तो का वीडियो रिलीज कर दिया गया है। राजकुमार राव और जान्हवी कपूर अभिनीत रोमांटिक ड्रामा मिस्टर एंड मिसेज माही लगातार लोगों का दिल जीत रही है। अपनी शानदार सिनेमाई रिलीज के बाद, फिल्म के निर्माताओं ने अब तू है तो नामक रोमांटिक गीत का आधिकारिक वीडियो जारी किया है। हनी एंड बनी द्वारा रचित, बनी और सागर द्वारा गाया गया, सागर के बोलों के साथ, तू है तो एक सूफी प्रेम गीत है। गाने के बारे में बात करते हुए, संगीतकार और गीतकार जानी ने साझा किया, तू है तो एक भावपूर्ण धुन है जो श्रोताओं को सूफी प्रेम गीतों के युग में वापस ले जाती है। यह व्यक्तिगत रूप से फिल्म के मेरे पसंदीदा गीतों में से एक है और मुझे लगता है कि हनी और बनी ने इसे अविश्वसनीय रूप से बेहतरीन तरीके से पेश किया है। मुझे खुशी है कि गाना आखिरकार अब रिलीज़ हो गया है।

पिता बने वरुण धवन पत्नी नताशा ने दिया बेटी को जन्म

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन और नताशा दलाल के घर बेटी का जन्म हुआ है। वरुण धवन के पिता और निर्देशक डेविड धवन ने सभी फैंस को बेबी गर्ल के जन्म की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नताशा ने बेटी को जन्म दिया है और वरुण बेटी के पिता बन गए हैं। यह खबर सुनकर फैंस काफी खुश हो रहे हैं। हर कोई वरुण को बधाई दे रहा है और साथ ही ढेर सारी शुभकामनाएं भी फैंस द्वारा दी जा रही है।

भारत के दो हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल कर रहे मालदीव के रक्षाकर्मी

माले। भारत के मालदीव से अपने सैनिकों को वापस बुलाने के बाद भी, भारत की ओर से मालदीव को दिए गए दो हेलीकॉप्टरों का नियमित रूप से संचालन किया जा रहा है।

अजाजू डॉट कॉम ने एक हवाईअड्डा अधिकारी के हवाले से कहा कि हेलीकॉप्टर उड़ाए जाने पर मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (एमएनडीएफ) का एक सैनिक उनपर मौजूद रहता है। चीन समर्थक राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने पिछले साल सितंबर में सत्ता में आने पर अपने देश से सभी भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस भेजने का वादा किया था। 10 मई की तय समयसीमा तक 88 में से अंतिम भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस भेज दिया गया था। भारत की तरफ से उपहार में दिए गए दो हेलीकॉप्टर और एक डोर्नियर विमान का उपयोग मालदीव में सैकड़ों निकासी और मानवीय मिशनों के लिए किया गया है।

खगोल विज्ञान

चीनी विज्ञान अकादमी युन्नान वेधशाला के वैज्ञानिकों की खोज

बौनी आकाशगंगाओं में तारा निर्माण व विलय का खुलासा

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : बौनी आकाशगंगाओं में तारों का निर्माण व उनके विलय का खुलासा वैज्ञानिकों ने किया है। बौनी आकाशगंगाओं में होने वाली भौतिक प्रक्रिया की यह पहली खोज है। जिस कारण इस खोज को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

चीनी विज्ञान अकादमी युन्नान वेधशाला के वैज्ञानिकों ने यह खोज की है। दरअसल बौनी आकाशगंगाओं के बारे में हमारी जानकारी अभी भी प्रयाप्त नही है। माना जाता था कि बौनी आकाशगंगाओं का ब्रह्मांड में सीमित स्थान है और उनमें बहुत कम प्रक्रिया होती होगी। मगर वास्तव में ऐसा नही है, बल्कि ब्रह्मांड में अपना खासा वर्चस्व रखती है।

चीनी विज्ञान अकादमी के वैज्ञानिकों ने बौनी आकाशगंगाओं में विलय और ज्वारीय अंतःक्रियाओं सहित आकाशगंगाओं के बीच अंतःक्रियाओं का बड़े पैमाने पर अध्ययन किया गया है। शोध में बताया है कि विशाल आकाशगंगाओं के बीच विलय से आकाशगंगाओं की आकृतियाँ बदल सकती हैं, तारों का निर्माण बढ़ सकता है और यहाँ तक कि तारों का विस्फोट भी हो सकता है। मगर बौनी आकाशगंगाओं के कमजोर गुरुत्वाकर्षण के कारण तारा निर्माण वितरण और घनत्व विलय और तारकीय नकारात्मक प्रतिक्रिया से अधिक आसानी से प्रभावित होते हैं। वैज्ञानिकों ने बौनी आकाशगंगा वीसीसी 322 का विश्लेषण किया। यह शोध द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ताओं ने आकाशगंगा का रंग और एकल तारकीय जनसंख्या मॉडल फिटिंग के आधार पर ज्वारीय धात्विकता और तारकीय आयु का अध्ययन किया। तब जाकर बौनी आकाशगंगा की भीतरी जानकारी सामने आ पाई।

बौनी आकाशगंगा की तस्वीर।

बौनी आकाशगंगाओं पर अधिक शोध की जरूरत

बौनी आकाशगंगाओं को लेकर अधिक शोध की जरूरत है। भले ही यह पूर्णरूप से विकसित नही हो पाई हों, लेकिन ब्रह्मांड में इनके अस्तित्व को कम करके नही आंका जा सकता है। संभव है कि यह ब्रह्मांड के रहस्यों को उजागर करने में महत्वपूर्ण कड़ी की भूमिका निभा सके।